ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मैं एबीवीपी के कार्यक्रम में नहीं गया था: मंत्री परमेश्वर . @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 12 सितंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-251

भारत-मॉरीशस के बीच सात करार

भारत ने की मॉरीशस के लिए 680 मिलियन डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा

वाराणसी, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत ने प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम की भारत यात्रा के दौरान स्वास्थ्य, बुनियादी ढाँचे और समुद्री सुरक्षा क्षेत्रों में मॉरीशस के लिए लगभग 680 मिलियन अमेरिकी डॉलर (30 बिलियन यूरो) के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की। इस पैकेज में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के लिए डिज़ाइन की गई कई परियोजनाएँ शामिल हैं। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम की भारत यात्रा पर विदेश सचिव विक्रम मिस्री द्वारा विशेष ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि इस यात्रा का एक प्रमुख परिणाम मॉरीशस को एक विशेष आर्थिक पैकेज देने का हमारा निर्णय है। उन्होंने कहा कि इसमें पोर्ट लुईस बंदरगाह का विकास, चागोस समुद्री संरक्षित क्षेत्र की निगरानी के लिए

काशी से हिंद महासागर तक, रिश्तों का नया अध्याय शुरू

हिंद महासागर में और बढ़ेगा भारत का प्रभाव

विकास और सहायता, अनुदान के रूप में मिश्रित वित्तीय सहायता और प्रमुख परियोजनाओं के लिए ऋण सहायता सहित कई तत्व शामिल हैं।

यह घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मॉरीशस के प्रधानमंत्री रामगुलाम के बीच विभिन्न द्विपक्षीय मुद्दों पर हुई सार्थक चर्चा के बाद की गई है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार मॉरीशस सरकार द्वारा प्रस्तुत अनुरोधों के आधार पर, निम्नलिखित परियोजनाओं पर सैद्धांतिक रूप से सहमति बनी है, जिन्हें भारत और मॉरीशस द्वारा संयुक्त रूप से क्रियान्वित किया जाएगा। विशेष आर्थिक पैकेज के तहत, दोनों देशों ने कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर सहमति व्यक्त की है। इनमें नए सर शिवसागर रामगुलाम राष्ट्रीय अस्पताल का निर्माण, एक आयुष उत्कृष्टता केंद्र, एक पशु चिकित्सा विद्यालय और पशु अस्पताल की स्थापना, और मॉरीशस के लिए हेलीकॉप्टरों का प्रावधान शामिल है। इन परियोजनाओं और सहायता की कुल अनुमानित लागत लगभग 215 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 9.80 बिलियन मॉरीशस यूरो) है।

रणनीतिक मोर्चे पर, भारत और मॉरीशस मॉरीशस बंदरगाह के पुनर्विकास और पुनर्गठन पर सहयोग करने पर भी सहमत हुए हैं। इसके अलावा, दोनों देश पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण परियोजना, चागोस समुद्री संरक्षित क्षेत्र के विकास और निगरानी पर भी सहयोग करेंगे। इसके अलावा, भारत सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए चल रही पहलों और द्विपक्षीय परियोजनाओं को समर्थन देने हेतु 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर की बजटीय सहायता प्रदान करने की प्रतिबद्धता जताई है।

वाराणसी की प्राचीन धरती पर जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगूलाम आमने-सामने बैठे, तो यह दृश्य केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं था। यह उस ऐतिहासिक सांस्कृतिक यात्रा का पुनर्पुष्टिकरण था, जो सदियों पहले गंगा की लहरों के साथ हिंद महासागर पार करके मॉरीशस पहुँची थी। ▶10पर

छत्तीसगढ़ में बड़ा एनकाउंटर

10 नक्सली ढेर, इनामी माओवादी कमांडर बालकृष्ण भी मारा गया

गरियाबंद (छत्तीसगढ़), 11 सितंबर (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में गुरुवार को सुरक्षा बलों ने एक बड़े नक्सल विरोधी अभियान के तहत 10 नक्सलियों को मार गिराया, जिनमें शीर्ष माओवादी कमांडर मोडेम बालकृष्ण उर्फ मनोज भी शामिल है। बालकृष्ण पर 1 करोड़ का इनाम घोषित था। रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा ने बताया कि यह मुठभेड़ मैनपुर थाना क्षेत्र के जंगलों में शुरू हुई, जहां स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), कोबरा कमांडो (सीआरपीएफ की विशिष्ट इकाई) और राज्य पुलिस की अन्य इकाइयाँ संयुक्त रूप से अभियान चला रही थीं। मुठभेड़ अभी भी जारी है और रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है।

सुरक्षा बलों ने पिछले कुछ महीनों में नक्सलियों के खिलाफ कई अभियान तेज़ किए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वामपंथी उग्रवाद को समाप्त करने का लक्ष्य 31 मार्च 2026 तक निर्धारित किया है। इसी दिशा में यह कार्रवाई एक महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है। इससे पहले नारायणपुर जिले में विभिन्न इकाइयों के 16 निचले स्तर के नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था। पुलिस के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली माओवादी विचारधारा की खोखली प्रकृति और निर्दोष आदिवासियों पर हो रहे अत्याचारों से निराश थे।

पुलिस अधीक्षक के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, शीर्ष माओवादी नेता स्थानीय लोगों को जल, जंगल और ज़मीन की रक्षा, समानता और न्याय के नाम पर गुमराह करते हैं, जबकि वास्तव में उनका शोषण करते हैं और उन्हें संगठन के भीतर गुलाम बना देते हैं। महिला माओवादियों की स्थिति और भी दयनीय है, जिन्हें संगठन में गंभीर शोषण का सामना करना पड़ता है। सुरक्षा बलों की इस कार्रवाई से क्षेत्र में माओवादी नेटवर्क को कमजोर करने की दिशा में ठोस प्रगति हुई है और स्थानीय जनता में सुरक्षा को लेकर विश्वास बढ़ा है।

गरियाबंद जिला लंबे वक्त से नक्सली एक्टिविटियों का गढ़ रहा है, जहां सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच कई मुठभेड़ें हो चुकी हैं. हाल के सालों में सुरक्षाबलों ने यहां नक्सलवाद को कमजोर करने के लिए कई सफल ऑपरेशन किए हैं, जिसमें कई शीर्ष नक्सली नेता मारे गए या गिरफ्तार किए गए हैं।

मनोज उर्फ मोडेम बालकृष्ण नक्सली संगठन में एक शीर्ष नेता था, जिस पर कई गंभीर अपराधों का आरोप था. जिनमें हत्या, लूट और पुलिस पर हमला शामिल है। उस पर एक करोड़ रुपये का इनाम घोषित था जो इस बात का संकेत है कि वह नक्सली गतिविधियों में कितना प्रभावशाली था. उसकी मौत से नक्सली संगठन की रीढ़ तोड़ने में मदद मिलेगी, क्योंकि वह कई ऑपरेशनों का मास्टरमाइंड था।

आपदाग्रस्त उत्तराखंड पहुंचे पीएम मोदी, 1200 करोड़ के राहत पैकेज का ऐलान

देहरादून, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को उत्तराखंड के देहरादून का दौरा कर राज्य में भारी बारिश, बादल फटने और भूस्खलन से हुई तबाही का जायजा लिया। पीएम वाराणसी से सीधे जॉलीग्रांट एयरपोर्ट पहुँचे, जहाँ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और उनके मंत्रिमंडल ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस कठिन घड़ी में प्रधानमंत्री की उपस्थिति प्रदेशवासियों के प्रति उनकी गहरी संवेदनशीलता को दर्शाती है।एयरपोर्ट पर ही प्रधानमंत्री ने एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई, जिसमें एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और आपदा मित्र स्वयंसेवकों के साथ राहत और पुनर्वास कार्यों की प्रगति पर चर्चा हुई। खराब मौसम के कारण धराली और थराली जैसे प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण टल गया, लेकिन पीएम ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से पूरे राज्य की स्थिति का आकलन किया और केंद्र सरकार की ओर से ▶10पर

दुनिया में पहले नंबर पर पहुंचने की क्षमता रखता है भारतीय वाहन उद्योग : गडकरी

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि भारतीय वाहन उद्योग का देश की अर्थव्यवस्था में अहम योगदान है और इसमें दुनिया में पहले नंबर पर पहुंचने की क्षमता है। श्री गडकरी ने यहां घरेलू वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन सियाम के वार्षिक अधिवेशन में कहा कि कुछ साल पहले भारतीय वाहन उद्योग दुनिया में सातवें स्थान पर था, आज हम जापान को पीछे छोड़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गये हैं। उन्होंने कहा, मेरा विश्वास है आप सब लोगों की क्षमता पर। आप सब लोग यदि मिलकर काम करेंगे तो हम वाहन सेक्टर में दुनिया में नंबर एक पर जा सकते हैं। पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का प्रधानमंत्री का जो सपना है उसमें इस उद्योग की भूमिका सबसे अहम है।

एक संवाद सत्र में उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण में 40 प्रतिशत वाहनों के कारण होता है। सरकार अब प्रदूषण कम करने के लिए जैव ईंधन को बढ़ावा दे रही है। इसके अलावा बीएस सात मानक लाने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने उद्योग से कहा कि सरकार कुछ अलग नहीं करेगी, यह भी यूरोपीय मानक के अनुरूप ही होगा। पेट्रोल में इथेनॉल के मिश्रण के बारे में श्री गडकरी ने कहा कि ई20 (20 प्रतिशत मिश्रण) से आगे कोई कदम उठाते समय वाहन उद्योग से भी चर्चा की जायेगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर ई20 के खिलाफ पिछले दिनों चलाये गये अभियान को पेड बताते हुये कहा कि कहने को तो यह अभियान ▶10पर

अकोला दंगों की जाँच में सुप्रीम कोर्ट की सख्ती

महाराष्ट्र पुलिस को फटकार एसआईटी गठन का आदेश

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के अकोला जिले में मई 2023 में हुए सांप्रदायिक दंगों के दौरान हुई हत्या की जाँच में लापरवाही बरतने पर राज्य पुलिस को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पुलिस को जाति और धर्म से ऊपर उठकर निष्पक्षता से कार्य करना चाहिए। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट ने एक विशेष जाँच दल (एसआईटी) के गठन का आदेश दिया है।

जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा, जब कोई व्यक्ति पुलिस की वर्दी पहनता है, तो उसे व्यक्तिगत और धार्मिक पूर्वाग्रहों से ऊपर उठकर पूरी ईमानदारी से कानून के अनुसार कार्य करना चाहिए। कोर्ट ने महाराष्ट्र के गृह विभाग सचिव को निर्देश दिया कि एसआईटी में हिंदू और मुस्लिम समुदायों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को शामिल किया जाए और मामले की निष्पक्ष जाँच की जाए।

याचिकाकर्ता मोहम्मद अफ़ज़ल मोहम्मद शरीफ़ ने खुद को हत्या का आँखों देखा गवाह बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि असली दोषियों के बजाय कुछ अन्य व्यक्तियों पर प्राथमिकी दर्ज की गई और जाँच पक्षपातपूर्ण रही। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें पीटा गया और उनकी गाड़ी जला दी गई थी। अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद पुलिस ने उनका बयान दर्ज नहीं किया और प्राथमिकी दर्ज नहीं की। ▶10पर

आईएसआईएस टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़

4 राज्यों में ऑपरेशन, भारत में खिलाफत की तैयारी कर रहे 5 आतंकी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

देशभर में आतंकी संगठन आईएसआईएस के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और राष्ट्रीय जांच एजेंसियों ने संयुक्त अभियान चलाया, जिसके तहत दिल्ली, मध्य प्रदेश, झारखंड और तेलंगाना में छापेमारी कर पांच आतंकियों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आतंकियों में अशरफ दानिश सबसे प्रमुख है, जिसे रांची के एक लॉज से हिरासत में लिया गया। दानिश पाकिस्तान से संचालित पैन इंडिया टेरर मॉड्यूल का सरगना था और संगठन में गजवा लीडर के रूप में उसकी पहचान थी। जांच में सामने आया है कि उसका कोड नेम ङ्गसीईओफ रखा गया था और वह भारत में खिलाफत घोषित कर आतंकी स्ट्राइक की योजना बना रहा था।

दिल्ली पुलिस के एडिशनल कमिश्नर प्रमोद सिंह ने बताया कि दानिश को ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली लाया गया है। उसके ठिकाने से एक देसी पिस्टल, कारतूस, हाइड्रोक्लोरिक एसिड, नाइट्रिक एसिड, सल्फर पाउडर, कॉपर शीट, बॉल बेयरिंग, स्ट्रिप वायर, इलेक्ट्रॉनिक सर्किट, लैपटॉप, मोबाइल फोन और नकद राशि बरामद की गई है। दानिश को आइईडी निर्माण के लिए रॉ मैटेरियल जुटाने की जिम्मेदारी दी गई थी। वह कोडरमा के एक छात्र के साथ रांची के लॉज में रह रहा था, लेकिन उसने अपने रूममेट को आतंकी गतिविधियों की जानकारी नहीं दी। लॉज संचालक और स्थानीय लोगों के अनुसार, दानिश बेहद शांत स्वभाव का था और ▶10पर

बंगाल में एसआईआर के लिए स्वास्थ्य साथी कार्ड अमान्य

चुनाव आयोग ने प्रस्ताव खारिज किया

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

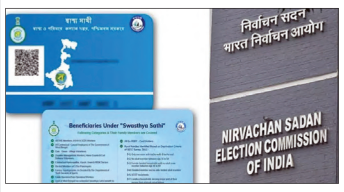

पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा प्रस्तावित ङ्गस्वास्थ्य साथी कार्डफ को मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में पहचान दस्तावेज के रूप में मान्यता देने की मांग को चुनाव आयोग ने स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है। आयोग ने राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) को सूचित किया कि केवल नागरिकता प्रमाण वाले दस्तावेज ही एसआईआर के लिए स्वीकार्य होंगे, और स्वास्थ्य साथी कार्ड उस श्रेणी में नहीं आता।

बुधवार को आयोजित एक बैठक में चुनाव आयोग ने सभी राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों से कहा कि एसआईआर के लिए केवल 11 निर्दिष्ट दस्तावेजों को ही मान्यता दी जाएगी। आधार कार्ड को 12वें दस्तावेज के रूप में केवल बिहार के लिए अस्थायी रूप से स्वीकार किया गया है, सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि आधार कार्ड नागरिकता का प्रमाण नहीं है, और इसका उपयोग केवल मतदाता सूची में नाम दर्ज करने के लिए किया जा सकता है।

राज्य सरकार ने सीईओ के माध्यम से चुनाव आयोग को प्रस्ताव भेजा था कि स्वास्थ्य साथी कार्ड को भी पहचान दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाए। बैठक में जब यह मुद्दा उठा, तो आयोग ने सीईओ से पूछा कि क्या यह कार्ड नागरिकता का प्रमाण है। सीईओ ने स्पष्ट किया कि यह कार्ड केवल राज्य की ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी एकता की पोल खुली

क्रॉस-वोटिंग और रद्द वोटों पर उठा विवाद

नई दिल्ली, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

एनडीए उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन की उपराष्ट्रपति चुनाव में जीत पहले से तय मानी जा रही थी, और नतीजों ने इस अनुमान को सही साबित किया। लेकिन इस चुनाव ने विपक्षी एकता की वास्तविक स्थिति को उजागर कर दिया है। राधाकृष्णन को कुल 452 वोट मिले जबकि विपक्षी उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को केवल 300 वोट प्राप्त हुए। विपक्षी खेमे द्वारा दावा किया गया था कि उनके 315 सांसदों ने रेड्डी के पक्ष में मतदान किया है, लेकिन नतीजों में 15 वोटों की कमी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

भाजपा ने दावा किया है कि कम से कम 15 विपक्षी सांसदों ने क्रॉस-वोटिंग की है। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि चूंकि मतदान गुप्त था, यह कहना मुश्किल है कि वोट रद्द हुए या क्रॉस-वोटिंग हुई। उन्होंने आम आदमी पार्टी सांसदों की ओर इशारा करते हुए कहा कि कुछ सांसद भाजपा का समर्थन करते हैं और अरविंद केजरीवाल के खिलाफ बयान देते हैं। हालांकि, आम आदमी पार्टी ने इन आरोपों को खारिज करते हुए चुनाव आयोग से पारदर्शिता की मांग की है। अभिषेक बनर्जी ने यह भी कहा कि यह संभव है कि सभी विपक्षी सांसदों ने सही मतदान किया हो और रद्द हुए 15 वोटों में कुछ एनडीए के भी हो सकते हैं। उन्होंने माना कि यदि क्रॉस-वोटिंग हुई है तो संभवतः 5-7 सांसदों ने ऐसा किया होगा। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि कुछ ऐसे सांसद हो सकते हैं जिन्होंने सार्वजनिक रूप से इंडिया ब्लॉक का समर्थन किया लेकिन मतदान में भाजपा के पक्ष में गए।

तृणमूल कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि उसके सभी 69 सांसदों (28 लोकसभा और 41 राज्यसभा) ने मतदान में भाग लिया और रेड्डी को वोट दिया।

▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,12,820/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,30,145/- (प्रति किलोग्राम)

शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज का पहला राष्ट्रीय खेल महाकुंभ आज से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
देश भर के शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज बंधु बेंगलूरु में जुटें हैं। शहर में सूर्य भगवान मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद यह दूसरा मौका है, जब बड़ी संख्या में शाकद्वीपीय मग ब्राह्मण समाज बंधु बड़ी तादात में बेंगलूरु पहुंचे हैं। मौका प्रथम अखिल भारतीय खेल महाकुंभ का है। शुक्रवार से आगाज होने के साथ ही यह खेल महाकुंभ 14 सितंबर तक बेंगलूरु में आयोजित हो रहा है। समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर शर्मा कुवेरा के अनुसार यह आयोजन राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा के नेतृत्व में किया जा रहा है। इसका मुख्य आकर्षण सुनील शर्मा नेशनल चैम्पियन क्रिकेट कप होगा। इसमें देशभर के विभिन्न राज्यों से समाज की टीमें भाग लेंगी।

आयोजन की तैयारियां भी कुछ कम नहीं है। बेंगलूरु का शाकद्वीपीय समाज इस महाकुंभ की तैयारियों में ऐसे जुटा है जैसे घर में ही कोई आयोजन हो। टीमों के आवास, परिवहन, भोजन और नाश्ते की व्यवस्थाओं के साथ खेल संचालन की जिम्मेदारियां अलग-अलग कार्यकर्ताओं को सौंपी गई हैं।

प्रवक्ता भूपेश कश्यप ने बताया कि खेल महाकुंभ को सफल बनाने के लिए राजेश शर्मा, प्रसन्न शर्मा के नेतृत्व में समाजजन तन और मन से जुटे हुए हैं। राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा के सानिध्य में

शहर के सेंट जोन्स क्रिकेट खेल मैदान पर शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज एक और नया इतिहास रचेगा। संभवतया देश में यह पहला मौका होगा जब शाकद्वीपीय मग ब्राह्मण समाज की ओर से खेल महाकुंभ का इतना भव्य आयोजन किया जाएगा।

आयोजन को लेकर समाज के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मैदान का लगातार अवलोकन कर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे रहे हैं। राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा ने इस भव्य खेल महाकुंभ के पीछे अपनी सोच जाहिर करते हुए बताया कि ऐसे आयोजनों से जहां समाज की खेल प्रतिभाएं आगे आएगी, वहीं समाज के युवा वर्ग का समाज से जुड़ाव होगा। युवा शक्ति के हाथों में ही समाज का भविष्य है। ट्रांसपोर्ट कारोबार में देश भर में अपनी पहचान बनाने वाले समाज के राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा का कहना है कि किसी भी समाज की तरक्की और खुशहाली युवाओं के हाथ में ही है। इसीलिए हमारे युवा आगे बढ़ेंगे तो हमारा समाज आगे बढ़ेगा। खेल महाकुंभ का आयोजन इतना भव्य होगा कि समाज के युवा आगे भी ऐसे आयोजनों का बेसब्री से इंतजार करेंगे। इस खेल महाकुंभ में विजेता टीम को आई 10 कार और उप विजेता टीम को 51 हजार का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा का मानना है कि समाज के विकास में हर समाज बंधु की भागीदारी अपेक्षित है। इसको लेकर खेल महाकुंभ के साथ ही द रेडिसन ब्लू होटल में एक लक्ष्य, एक समाज, एक साथ की सोच के साथ समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक रखी गई है।

त्रिदिवसीय गुरु दर्शन यात्रा संघ का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व-ावधान में त्रिदिवसीय गुरु दर्शन यात्रा संघ (पुणे, पनवेल, सूरत) के द्वितीय दिवस बुधवार को पनवेल में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य, श्रमण संघ की आन बान शान, आगम ज्ञाता युवाचार्य महेन्द्रऋषि पुणे में चातुर्मासार्थ विराजमान उपाध्याय प्रवर, अर्हम विज्जा प्रणेता प्रवीणऋषि, श्री मुकेशमुनि, प्रवचन प्रभाविका साध्वी सुशीलाकंवर, साध्वी आदर्शज्योति, साध्वी इंदुप्रभा, साध्वी प्रशंसा, मधुर गायिका चैतन्या के दर्शन वंदन प्रवचन का लाभ लिया। राजाजीनगर श्रीसंघ के अध्यक्ष प्रकाशचन्द चाणोदिया, मंत्री नेमीचंद दलाल, सहमंत्री राकेश दलाल, कोषाध्यक्ष प्रसन्नकुमार भलगट, युवा अध्यक्ष धीरजकुमार नाहर, पूर्व अध्यक्ष पारसमल लोढा, महावीरचंद धोका, ज्ञानचंद लोढा, किशोर कुमार दलाल, महावीरचंद डोशी, जेवंतराज मुणोत, संपतराज चाणोदिया, शीतलकुमार लुणावत, आनंदकुमार नाहर एवं त्रिशला महिला मंडल से उपाध्यक्ष अमृता भलगट, मंत्री रेखा पोखरना, त्रिशला बहु मंडल और ब्राह्मी कन्या मंडल से नेहा लूणावत व संघ अनेक सदस्यों ने प्रवचन, दर्शन, वंदन और मांगलिक का लाभ लिया। संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने अपने विचार संघ की ओर से रखे।

स्वयं की खोज सबसे बड़ा तप : साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी श्री पुण्ययशाजी ने कहा स्वयं की खोज सबसे बड़ा तप है। स्वयं का बोध सबसे बड़ी समाधि है।

निज की अनुभूति ही सर्वोत्तम साधना है। जिस दिन मैं कौन हूँ की खोज प्रारंभ होती है उस दिन संसार सीमित हो जाता है और वह मैं हूं'' की खोज (आत्मा) की पहचान होती है। अरिहंत और सिद्धों की जो आत्मा है वही मेरी आत्मा है। ऐसा दृढ़ निश्चय ही एक दिन मुक्ति का द्वार खोलता है। उक्त विचार व्यक्त करते हुए साध-वीश्रीजी ने कहा जैन दर्शन में तपस्या दिखाने के लिए नहीं निर्जरा के लिए की जाती है। साध्वी के सान्निध्य में नेहा

चौरड़िया ने पन्द्रह दिन की तपस्या के प्रत्याख्यान किये। सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने सम्पूर्ण समाज की ओर से तपस्वी बहन नेहा के तप की अनुमोदना एवं अभिन्दन किया। तप अभिनंदन के पश्चात आगम मंथन प्रतियोगिता के प्रभारी विकास दुगड़ ने आगम मंथन प्रतियोगिता का रिजल्ट बताते हुए सभी प्रतियोगियों को पारितोषिक देकर सबके उत्साह का वर्धन किया। साउथ कर्नाटक प्रभारी कंचन छाजेड़ ने सभी प्रतिभागियों को उत्साहित करते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। राजराजेश्वरी नगर से तीन बहनों ने ऑल इंडिया स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभाध्यक्ष राकेश ने उन्हें धन्यवाद देते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। साध्वी जी के मंगलपाठ से कार्यक्रम सानंद संपन्न हुआ।

राजभाषा का कार्य राष्ट्र गौरव का कार्य है: विश्वास

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण), भारत सरकार, बेंगलूरु के तत्वावधान में भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, बेंगलूरु द्वारा प्रायोजित एक दिवसीय विशेष राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया।

बेंगलूरु स्थित भारत सरकार के विभिन्न कार्यालयों के राजभाषा प्रभारियों को प्रशिक्षित कर राजभाषा कार्यान्वयन को प्रभावी बनाना इस कार्यशाला का उद्देश्य था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय के उप महाप्रबंधक (वित्तीय समावेशन

एवं परिचालन) राजेश कुमार चौधरी, उप निदेशक (कार्यान्वयन) अनिर्बान कुमार विश्वास, उप निदेशक (राजभाषा), कॉफी बोर्ड डॉ. धीरज कुमार मिश्र एवं एसबीआई के सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) कोंगे दत्तात्रेय राव, प्रबंधक (राजभाषा) अर्चना उपाध्याय सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। विश्वास ने अपने स्वागत संबोधन में कार्यशाला की रूपरेखा बताते हुए राजभाषा के कार्य को राष्ट्रगौरव का कार्य माना। राजेश कुमार चौधरी ने हिंदी को देश की प्रगति का आधार और राष्ट्र की एकता का प्रतीक माना। इस कार्यशाला में कुल चार सत्र थे। पहले सत्र में बदलते समय के साथ राजभाषा का स्वरूप, संभावनाएं और राजभाषा कर्मिकों की भूमिका विषय पर ऑनलाइन प्रस्तुति में होमनिधि शर्मा, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं राजभाषा), बीडीएल, हैदराबाद ने राजभाषा प्रभारियों के नए दायित्वों जैसे सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से परिचय कराया और सार्थक और प्रभावी प्रशिक्षण पर बल दिया। दूसरे सत्र में क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण) और कार्यालयों की पारस्परिक अपेक्षाएं विषय के अंतर्गत विश्वास ने राजभाषा नीति को पूर्णतः कार्यान्वित करने के लिए नवाचार का प्रयोग करने पर बल दिया। कार्यालय प्रमुखों की भूमिका को महत्वपूर्ण मानते हुए भिन्नभिन्न कार्यालयों के अधिकारियों से परस्पर संवाद कर समस्याओं का समाधान किया।

सभी पीड़ाओं को लेट-गो करना सीखो: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि सभी पीड़ाओं को 'लेट-गो' करना सीखो।

जीवन में हम प्रसन्न नहीं रह पाते हैं, क्योंकि हम असम्भव बातों को पकड़ के रखते हैं। हमारी तमाम पीड़ा का मूल यही है। जीवन एकांगी नहीं है। यहां धूप है तो छांव भी है, उजाला है तो अंधेरा भी है। छांव की तरह धूप भी जीवन का एक भाग है। पीड़ा भी जीवन का एक भाग है, हम उसको सहजता से स्वीकार नहीं करते। प्रसन्नता सहज है, पीड़ा भी सहज है। पीड़ा को भी सहजता से स्वीकार करो। हम पीड़ाओं को प्रसन्नता से अधिक महत्व देते हैं। अतः पीडा अधिक

परेशान करती है। शरीर की और मन की पीड़ाओं को 'लेट्स-गो' करना सीखो। किसी ने आपको भला-बुरा कह दिया, भागीदारों ने विश्वासघात किया, परिवार ने तिरस्कृत किया, आपके सभी आयोजन (प्लॅनस्) निष्फल हो गए, आपने जोखिम (रिस्क) लिया लेकिन परिणाम नहीं मिला। यह सभी के साथ होता है। परेशानी यह है कि आपने इसको याद रखा। उसी को महत्व दिया। समस्या को महत्व देने से समस्या दूर नहीं हो जाती, बढ़ जाती है। आपके साथ बुरा हुआ है। सही है, क्या करोगे, बदला लोगे? गुस्से में जीते रहोगे? अपने आपको आग में जलाते रहोगे? क्या करोगे? ऐसा करोगे तो बाहरी नुकसान के साथ भीतर का भी नुकसान कर लोगे। ऐसी स्थिति में अपने-आपको शांत रखना है। अन्याय और पीड़ा की प्रतिक्रिया में क्रोध का आवेश आता है यह ठीक है।

किंतु इस आवेश में आकर निर्णय लेना ठीक नहीं है। अपने गुस्से को शांत होने दो। दिमाग को सोचने का समय दो, शांत बनो, शांति का ढोंग मत करो। सचमुच शांत बन जाओ। साध्वी शीतल गुणा ने कहा कि जीवन के दुःख और पीड़ा कांटें की तरह हैं। कांटा कभी आपके पैरों में आकर लगता नहीं है।

हमारी गलती के कारण वह पांव में जाकर चुभता है। कांटों को तुरंत निकाल देना ही बेहतर है। पैर में से निकल रहे खून को रोकना जरूरी है, वह जरूरी है। जो बीत गई सो बात गई। बीते हुए कल पर रोने से आने वाले कल का आयोजन करना बेहतर है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि साध्वीवृंद की निश्रा में अनेक विध कार्यक्रम आयोजित हो रहे है। शनिवार को सुबह 8 बजे संघवी अनिलकुमार घेवरचंद बालगोत्र परिवार के यहा पगलिया है। करनूल से शांतिनाथ सामायिक मंडल ने दर्शन का लाभ लिया। प्रभावना का लाभ लिया। श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान की आरती और गुरुदेव की आरती का लाभ भंवरलाल उर्मिला जैन पोष-ाणा ने लिया। मंगल दीपक आरती का लाभ मोहिनी अशोक कुमार बागरेचा ने लिया। संघ की ओर से सुरेश कुमार, अनिल कुमार बालगोत्र, भंवरलाल पेराजमल जैन, सुरेश कुमार मोहनलाल रतनचंद पोरवाल ने बहुमान किया।

मैसूरु मंडल में रक्तदान शिविर का आयोजन

डीआरएम मुदित मित्तल ने किया रक्तदान

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मैसूरु मंडल में रेलवे अस्पताल, मैसूरु और केआ अस्पताल, मैसूरु मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान के रक्त बैंक के सहयोग से एक सफल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य रेल कर्मचारियों और समुदाय में सेवा, करुणा और सामाजिक उत्त-ारदायित्व की भावना को बढ़ावा देना था। इस शिविर का उद्घाटन डीआरएम मैसूरु मुदित मित्तल ने शम्मास हमीद, एडीआरएम मैसूरु, डॉ. अशोक कुमार बी.एन., सीएमएस मैसूरु, डॉ. कुसुमा और के.आर. अस्पताल एवं रक्त बैंक की डॉ. चिंटू मैरी मैथ्यू की उपस्थिति में किया। गणमान्य

व्यक्तियों ने इस पहल की सराहना की और इस तरह की जीवन रक्षक गतिविधियों में अधिक से अधिक भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया। शिविर में कई वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों और स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मैसूरु मंडल रेल प्रबंधक मुदित मित्तल के साथ, कुल 48 स्वयंसेवकों ने रक्तदान कर सामाजिक कल्याण और जन स्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। इस पहल की व्यापक रूप से सराहना की गई क्योंकि इसने पूरे क्षेत्र में रक्त आपूर्ति को सुदृढ़ करने और जरूरतमंद रोगियों की सहायता करने में योगदान दिया। मैसूरु मंडल ने सामुदायिक सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और स्वास्थ्य संबंधी कार्यों और सामाजिक पहलों के समर्थन हेतु निरंतर प्रयासों को प्रोत्साहित किया।

हुब्बल्ली-बेंगलूरु स्पेशल का अस्थायी विस्तार चामराजनगर तक

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
मैसूरु में दशहरा उत्सव के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए, दक्षिण पश्चिम रेलवे ने ट्रेन संख्या 07339/07340 एसएसएस हुब्बल्ली-केएसआर बेंगलूरु-एसएसएस हुब्बल्ली स्पेशल को चामराजनगर तक अस्थायी रूप से विस्तारित करने का निर्णय लिया है।

ट्रेन संख्या 07339 एसएसएस हुब्बल्ली-केएसआर बेंगलूरु स्पेशल को 28 सितंबर 2025 से 4 अक्टूबर 2025 तक (7 फेरे) चामराजनगर तक विस्तारित किया जाएगा। ट्रेन संख्या 07340 केएसआर बेंगलूरु-एसएसएस हुब्बल्ली स्पेशल 29 सितंबर 2025 से 5 अक्टूबर 2025 तक (7 फेरे) चामराजनगर से चलेगी। हुब्बल्ली-यशवंतपुर-हुब्बल्ली के बीच समय में कोई बदलाव नहीं होगा। बेंगलूरु के बाद, ट्रेन संख्या 07339 सुबह 7 बजे केएसआर बेंगलूरु से रवाना होगी और दोपहर 12:15 बजे चामराजनगर पहुँचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 07340 शाम 6:45 बजे चामराजनगर से रवाना होगी और रात 11:45 बजे केएसआर बेंगलूरु पहुँचेगी। विस्तारित मार्ग में, दोनों ट्रेनें केंगेरी, रामनगरम, चन्नपटना, मद्दुर, मांड्या, पांडवपुरा, मैसूरु, चामराजपुरम, अशोकपुरम, कडाकोला, तांडवपुरा हॉल्ट, सुजातापुरम हॉल्ट और नंजनगुड टाउन में रुकेंगी। इस विशेष सेवा के विस्तार से हुब्बल्ली, बेंगलूरु, मैसूरु और चामराजनगर के बीच सीधा संपर्क स्थापित होगा, जिससे दशहरा उत्सव के दौरान मैसूरु आने वाले यात्रियों के लिए सुविधाजनक यात्रा की सुविधा होगी।

कलबुर्गी में भूकंप के झटके

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कलबुर्गी जिले के अलंद तालुक के अलूर ग्राम पंचायत क्षेत्र के जवागल के पास गुरुवार सुबह हल्का भूकंप आया। जवागल गाँव से आधा किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में सुबह 8.17 बजे 2.3 तीव्रता का हल्का भूकंप आया। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र ने बताया कि अलंद तालुक के सिराचंद, चिं-चनसुर ग्राम पंचायतों और कलबुर्गी शहर के कुछ स्थानों पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंपमापी यंत्र पर भूकंप के झटके दर्ज किए गए। बताया गया कि चूँकि यह हल्का भूकंप था, इसलिए स्थानीय स्तर पर कोई नुकसान नहीं हुआ। भूकंप के केंद्र से लगभग 20 से 25 किलोमीटर के दायरे में धरती हिली। यह स्पष्ट किया गया है कि चूँकि यह हल्का भूकंप था, इसलिए लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है।

सत्य के समान कोई धर्म नहीं: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि मुसाफिर रोज आते है और रास्ता खूब चलता रहता है। उसी प्रकार लोग जन्म ले रहे हैं और लोग जा रहे है। मनुष्य हमेशा के लिए नहीं आया है।

कब किसका नंबर आ जाए किसी को पता नहीं चलेगा। सच हमेशा बड़ा रहता है और अंत में जीत सच की ही होती है। जो जिंदगी भर सच बोलता है वह भगवान ही होता हैं। सच बोलने वाले के हृदय में भगवान विराजमान होते है। सत्य के समान और कोई धर्म नहीं होता है। युधिष्ठिर ने कितना भी संकट आया कभी झूठ का सहारा नहीं लेते थे। वह हमेशा सच के मार्ग पर ही चलते रहे। दुनिया में सब झूठ बोल सकते है लेकिन युधिष्ठिर झूठ नहीं बोल सकते है।

एक युग था कि सुबह लड़ते थे और शाम को एक साथ बैठ जाते थे। पहले के समय में बड़े भाई को पिता के समान मानते थे। लेकिन अब ऐसा समय देखने को भी नहीं मिलता हैं। समय की विधा अब बदल चुकी है। अब पहले जैसा कुछ भी नहीं है। काल जब आता है तो उसके सामने सभी नतमस्तक हो जाते हैं। काल के आगे किसी की नहीं चलती है। इसलिए जब तब समय है धर्म ध्यान कर लेना चाहिए। समय रहते सच के मार्ग पर ही चलना चाहिए। मनुष्य कुछ लेकर नहीं आता था और ना ही कुछ लेकर जाएगा। इसलिए क्यों झूठ बोलता है। मनुष्य इस परिग्रह और माया के सामने नतमस्तक होकर झूठ बोल रहा है। लोभ ही पाप का मुख्य मार्ग है। लोभ में आकर मनुष्य झूठ पर झूठ बोल रहा है। जीवन बहुत अनमोल है, इसलिए गलत मार्ग पर जाने से बच जाना चाहिए। ऐसा करने पर ही जीवन सफल हो पाएगा। सभा का संचालन कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़ ने किया।

मैं एबीवीपी के कार्यक्रम में नहीं गया था: मंत्री परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि राजनीति में भी उनके दुश्मन हैं और वे छोटी-छोटी बातों पर गलत सूचना फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया है कि उन्होंने एबीवीपी के किसी कार्यक्रम में भाग नहीं लिया है।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा मैं 35 साल से राजनीति में हूँ। मेरी एक वैचारिक प्रतिबद्धता है। किसी को भी इस पर सवाल नहीं उठाना चाहिए। मैं एक सच्चा कांग्रेसी हूँ और एक कांग्रेसी के रूप में ही मरूँगा। तुमकुरु में रानी अब्बक्का की शोभायात्रा निकाली गई। उन्होंने अब्बक्का देवी को माला पहनाने की अपील की। उनके साथ तिप्तूर विधायक शदाक्षरी भी थे। इसके अलावा, उन्होंने कार से उतरकर रानी अब्बक्का देवी को पुष्पांजलि अर्पित की, लेकिन एबीवीपी के किसी कार्यक्रम में भाग नहीं लिया। अगर इस पर कोई विवाद है, तो रहने दीजिए, मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं है। राज्य की जनता जानती है कि परमेश्वर क्या हैं। लोग ऐसी घटिया चालों को समझते हैं। पार्टी के अंदर और बाहर के लोगों द्वारा गलत सूचना फैलाना आम बात है। उन्होंने कहा कि मुझे बार-बार यह साबित करने की जरूरत नहीं है कि मैं क्या हूँ। विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि के खिलाफ मांड्या जिले के मद्दुर पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ भड़काऊ भाषण देने का मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस आवश्यक कार्रवाई करेगी।

मद्दुर में अब शांति है। पथराव करने वालों के खिलाफ उचित कार्रवाई की गई है। अगले दिन विरोध प्रदर्शन की वीडियोग्राफी भी की गई। उन्होंने कहा कि भड़काऊ भाषण देने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री के संज्ञान में आया है कि कुछ जातियां बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन कर रही हैं और आरोप लगा रही हैं कि अनुसूचित जातियों में आंतरिक आरक्षण अवैज्ञानिक है। राज्य सरकार ने तमाम तरह की गणनाएँ करने के बाद आरक्षण का वर्गीकरण किया है। कहा जा रहा है कि कुछ लोग इससे सहमत नहीं हैं और विरोध कर रहे हैं, वे मुख्यमंत्री से मिल सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में एक व्यक्ति फैसला नहीं ले सकता, मुख्यमंत्री सभी के साथ चर्चा करके उचित फैसला लेंगे। उन्होंने कहा स्थानीय निकाय चुनावों में वोटिंग मशीनों की जगह मतपत्रों का इस्तेमाल करने का कैबिनेट का फैसला है। इस संबंध में एक अध्यादेश भी जारी किया जाएगा। हम आगे की कार्यवाही का इंतजार करेंगे।

मैं शुद्ध हिंदू हूँ, मेरा खून मिलावटी नहीं है मुझे शिकायतों का डर नहीं: सी.टी. रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने कहा कि मेरा खून मिलावटी नहीं है, यह शुद्ध हिंदुत्व का खून है। मेरे खिलाफ पहले ही कई शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं, ऐसे में मैं शिकायतों से नहीं डरता। रवि के खिलाफ मांड्या के मद्दुर में एक सामूहिक गणेश विसर्जन कार्यक्रम में भड़काऊ भाषण देने के आरोप में स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया गया है। चिक्कमगलूरु में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि मेरा खून शुद्ध हिंदुत्व का है, मिलावटी नहीं। जब राष्ट्रवाद और हिंदुत्व की बात आती है तो समझौते का कोई सवाल ही नहीं उठता। मेरे खिलाफ पहले भी कई शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं और मैंने कानूनी लड़ाई जीत ली है। मैं अब भी अपने बयान पर कायम हूँ। उन्होंने पूछा अगर इससे दूसरों को उकसाया जाए तो मुझे क्या करना चाहिए?

जब वे हिंदू धर्म के खिलाफ बोलते हैं तो यह भड़काऊ नहीं होता। यह तभी भड़काऊ होता है जब हम बोलते हैं।

यह पुलिस की भेदभावपूर्ण नीति है। मैं इसका जवाब कानून के जरिए दूँगा। रवि ने मद्दुर के पुलिस उपनिरीक्षक मंजूनाथ पर भी हमला बोला और कहा मंजूनाथ को पता होना चाहिए रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता, सुप्रीम कोर्ट का आदेश है। मेरे खिलाफ मुकदमा दर्ज न करें और सरकार को अपनी मंशा दिखाएँ। आप मद्दुर की सीमा में स्वतः संज्ञान लेकर मुकदमा दर्ज करें। सुबह 5 बजे कौन चिल्लाता है? उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करें और साबित करें कि खाकी कपड़े पहनने का आपका इरादा सही है। शिकायतें मेरे लिए नई नहीं हैं, मैं इससे डरने वाला इंसान नहीं हूँ। मैंने कहा था कि अगर आप पत्थर फेंकते हैं और पेट्रोल बम फेंकते हैं तो सहनशीलता का समय खत्म हो जाएगा। मैंने कहा था कि कार्रवाई का जवाब उचित होना चाहिए। उन्होंने यह कहकर अपना बचाव किया कि वह अब भी अपने बयान पर कायम हैं।

दंपत्ति की सड़क दुर्घटना में मौत

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक भीषण दुर्घटना में शादी में शामिल होने जा रहे एक जोड़े की मौत हो गई। शिकारीपुरा तालुका के मट्टीकोप्पा गाँव की रेखा (20) और गंगोली गाँव के बसवनगौड़ा दयामनगौड़ा (25) इस हादसे के शिकार हुए हैं। इस जोड़े की सगाई हो चुकी थी और दोनों जल्द ही शादी करने का सपना देख रहे थे। जब यह जोड़ा शादी का सामान खरीदने के लिए बाइक पर जा रहा था, तभी जिले के शिकारीपुरा तालुका के अंबरगोप्पा क्रॉस पर विपरीत दिशा से आ रही एक ओमनी गाड़ी ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना की खबर सुनकर दोनों परिवार सदमे में हैं। खबर मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुँची, दोनों के शवों का निरीक्षण किया और उन्हें उनके परिजनों को सौंपने से पहले एक सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जाँच कर रही है।

बेंगलूरु के कई इलाकों में रातभर हुई बारिश से अफरा-तफरी

दीवार गिरने से मां-बेटा घायल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बुधवार रात भर हुई भारी बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में पेड़ गिर गए जिससे अफरा-तफरी मच गई, जबकि एक अन्य जगह एक दीवार एक शेड पर गिर गई जिससे एक माँ-बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। राजराजीनगर के चौथे ब्लॉक में एक विशाल पेड़ वाहनों पर गिरने से तीन कारें और दो बाइक क्षतिग्रस्त हो गईं। पेड़ घर के ठीक सामने गिरा, जिससे दो पड़ोसी परिवारों को अपने घर छोड़कर भागना पड़ा।

इसी तरह, चामराजपेट में पाँचवीं मुख्य सड़क पर एक पेड़ गिर गया, जिससे इस मार्ग पर कुछ समय के लिए वाहनों का आवागमन बाधित रहा। जे.पी. नगर तृतीय चरण, बनशंकरी और डॉलर रास कॉलोनी में भी पेड़ गिरे, जिससे यातायात बाधित हुआ। जीबीए के कर्मचारियों, वन विभाग और अग्निशमन कर्मियों ने, जिन्होंने बारिश के कारण गिरे पेड़ों के बारे में जानकारी एकत्र की, पेड़ों को काटकर हटा दिया, जिससे यातायात जारी रहा। बानसवाड़ी, राजाजीनगर

और जे.पी. नगर के निचले इलाकों में बारिश का पानी घरों में घुस गया। खबर मिलते ही दमकलकर्मी मौके पर पहुँचे और पानी निकालने में कामयाब रहे।

एचएएल थाना क्षेत्र के बसवनगर में विभूति मठ रोड पर एक शेड पर दीवार गिरने से माँ-बेटे घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए कग्गा दसनापुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस जगह पर एक इमारत का निर्माण चल रहा था और लिंगासुर की गंगामा अपने बेटे संगमेश के साथ उसके बगल में एक शेड बनाकर रह रही थी। रात में हुई बारिश के कारण शेड पर दीवार गिरने से यह हादसा हुआ। कुल मिलाकर, शहर में रात में लगभग 3 घंटे हुई बारिश के कारण कई जगहों पर जलभराव हो गया है, जिससे अफरा-तफरी मच गई।

सर्वेक्षण में वोक्कालिगा समुदाय का उल्लेख वोक्कालिगा के रूप में किया जाना चाहिए: निर्मलानंदनाथ स्वामीजी

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आदिचुंचनगिरी मठ के प्रमुख श्री निर्मलानंदनाथ स्वामीजी ने कहा कि कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा 22 सितंबर से 15 दिनों तक किए जाने वाले पिछड़ा वर्ग आयोग के शैक्षिक, सामाजिक और आर्थिक सर्वेक्षण में वोक्कालिगा समुदाय का उल्लेख वोक्कालिगा के रूप में किया जाना चाहिए। उन्होंने मैसूरु के हेब्बल स्थित मठ की आदिचुंचनगिरी शाखा में जाति जनगणना की प्रस्तावना के रूप में जिले के वोक्कालिगा समुदाय के नेताओं की एक बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा कि आगामी सर्वेक्षण में जाति के कॉलम में वोक्कालिगा का उल्लेख किया जाना चाहिए। उपजाति की जानकारी उप-जाति कॉलम में दी जानी चाहिए, अन्यथा उसे वोक्कालिगा के रूप में उल्लेखित किया जाना चाहिए। उन्हें अपनी आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक स्थिति के बारे में सटीक जानकारी प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि नेताओं को स्वेच्छा से प्रत्येक गाँव तक यह जानकारी पहुँचाने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

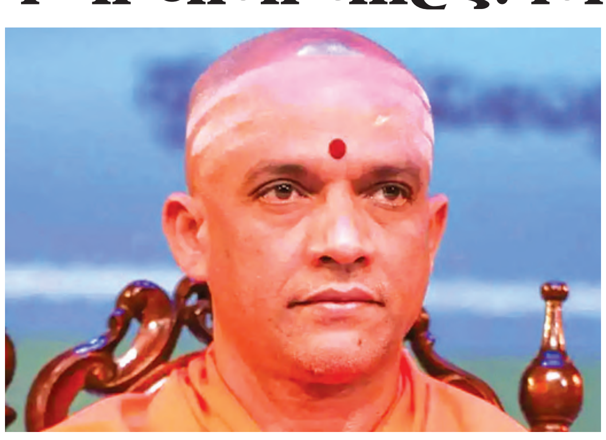

उन्होंने कहा कि सभी को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने चाहिए कि इस सर्वेक्षण में सभी की भागीदारी हो। उन्होंने संबंधित गांव, तालुक और जिला नेताओं से यह जिम्मेदारी लेने और सर्वेक्षण में सहयोग करने का अनुरोध किया। इस अवसर पर मैसूरु शाखा के सोमेश्वरनाथ स्वामीजी, आदिचुंचनगिरी मठ के प्रसन्ननाथ स्वामीजी, विधायक जी.डी. हरीश गौड़ा, वोक्कालिगरा आरक्षण संघर्ष समिति के लेखा परीक्षक नागराज, मैसूरु और जिला वोक्कालिगरा एसोसिएशन के अध्यक्ष सी. मारिस्वामी, मानद अध्यक्ष अलाथुर जयराम, राज्य वोक्कालिगरा एसोसिएशन के निदेशक के.वी. श्रीधर, सी.जी. गंगाधर, एम.बी. मंजेगौड़ा, जिला वोक्कालिगरा एसोसिएशन के महासचिव ई.एम. चेतन, उपाध्यक्ष महेश, कोषाध्यक्ष आर. लोकेश, निदेशक प्रशांत गौड़ा, के.पी. नागन्ना, बी.पी. बोरेगौड़ा, ए. रवि, गुरुराज, यालंदुर कुमार, मैसूरु जिला गारंटी कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष एस. अरुणकुमार, नगर निगम की पूर्व सदस्य प्रेमा शंकरेगौड़ा, कावेरी हॉस्पिटल के नेता डॉ. चन्द्रशेखर, डॉ. एसपी योगन्ना, डॉ. सुश्रुत गौड़ा, एच.के. रमेश, सविता गौड़ा, हेमा नंदीश, योगेश, कुमार, कीलारा जयराम और अन्य उपस्थित थे।

कैदियों को ड्रग्स सप्लाई करने के आरोप में जेल वार्डन गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

परप्पना अग्रहारा पुलिस ने परप्पना अग्रहारा जेल के कैदियों को ड्रग्स और तंबाकू सप्लाई करने के आरोप में एक जेल वार्डन को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किया गया जेल वार्डन कल्लप्पा है, जिसे तीन महीने पहले ही हुब्बल्ली से इस जेल में स्थानांतरित किया गया था। 7 सितंबर को जब कल्लप्पा ड्यूटी पर आया, तो सीआईएसएफ कर्मियों ने उसकी जाँच की, तो उसकी जेब से 100 ग्राम ड्रग्स, आशीष तेल और गुटखा, जो सॉल्यूशन टेप में लिपटा हुआ था, मिला। सीआईएसएफ प्रमुख ने इस संबंध में परप्पना अग्रहारा पुलिस से शिकायत की है। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर कल्लप्पा को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

भड़काऊ भाषण देकर हिंसा भड़काना भाजपा की संस्कृति है: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने इस बात पर रोष व्यक्त किया है कि भड़काऊ भाषण देना और हिंसा भड़काना भाजपा की परंपरा और संस्कृति है।

विधान सौधा में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि का व्यवहार जनता के सामने उजागर हो गया है। भाजपा सरकार के दौरान स्थानीय निकायों में मतपत्रों और वोटिंग मशीनों के इस्तेमाल की अनुमति देने के लिए एक कानून बनाया गया था। उन्होंने कहा कि इसी के अनुरूप हमारी सरकार ने शहरी और ग्रामीण स्थानीय निकायों के चुनाव मतपत्रों से कराने का निर्णय लिया है। भाजपा द्वारा किया गया कानून संशोधन चुनाव आयोग पर भी लागू होता है। उन्होंने कहा कि

हाल ही में ग्रेटर बेंगलूरु अधिनियम बनाते समय उन्होंने भाजपा सरकार द्वारा किए गए कानून संशोधन का पालन किया था।

उन्होंने कहा कि उन्हें गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर के एबीवीपी के कार्यक्रम में शामिल होने की कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि मामले की जानकारी मिलने के बाद वह इस पर प्रतिक्रिया देंगे। शिवाजीनगर मेट्रो स्टेशन का नाम सेंट मैरीज के नाम पर रखने के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के प्रस्ताव पर भाजपा के विरोध के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा कि मेट्रो स्टेशनों के नाम रखने का प्रस्ताव प्रस्तुत करने में कुछ भी गलत नहीं है। हम इस मुद्दे पर चर्चा और निर्णय लेंगे। मल्लिकार्जुन खड़गे एक वरिष्ठ नेता हैं। उन्होंने कहा कि जिसने भी कोई पद और जिम्मेदारी ली है, उसे पार्टी के प्रति निष्ठा से काम करना चाहिए। जिन लोगों ने कार्यकर्ता और पार्टी पदाधिकारी के रूप में जिम्मेदारी ली है, उन्हें इसके लिए समय देना चाहिए। इन पदों को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये पद पार्टी संगठन को दिए जाएँगे और लोगों को पार्टी के सिद्धांतों और विचारों से अवगत कराएँगे।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

डबल-डेकर फ्लाईओवर की योजना के कारण ऑरेंज लाइन में एक साल की हो सकती है देरी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु की महत्वाकांक्षी नम्मा मेट्रो का तीसरा चरण, जिसे ऑरेंज लाइन कहा जाता है, कम से कम एक साल की देरी से शुरू हो सकता है क्योंकि बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) ने इस कॉरिडोर के कुछ हिस्सों में डबल-डेकर फ्लाईओवर बनाने का फैसला किया है। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि डिज़ाइन में इस बदलाव से कुल परियोजना लागत में लगभग 5 प्रतिशत की वृद्धि होगी।

10 अगस्त, 2025 को, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लंबे समय से लंबित येलो लाइन का उद्घाटन किया, जो आर.वी. रोड को बोम्मासंद्रा से जोड़ती है, और उसी कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने मेट्रो नेटवर्क के तीसरे चरण की आधारशिला भी रखी, जो 15,611 करोड़ से अधिक मूल्य की एक बुनियादी ढांचा परियोजना है। तीसरा चरण 3 31 एलिवेटेड स्टेशनों के साथ 44 किलोमीटर से अधिक की कुल दूरी तय करेगा। इसे बेंगलूरु के बढ़ते आवासीय, औद्योगिक, शैक्षणिक और वाणिज्यिक केंद्रों की सेवा के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस परियोजना में दो गलियारे शामिल हैं, पहला जे.पी. नगर चौथे चरण से केम्पापुरा तक 32.15 किलोमीटर लंबा और दूसरा होसाहल्ली से कदबागेरे तक 12.5 किलोमीटर लंबा है। अगस्त 2024 में केंद्रीय मंत्रिमंडल से मंज़ूरी सहित सभी वैधानिक स्वीकृतियाँ प्राप्त करने के बावजूद, परियोजना की प्रगति धीमी रही है। अधिकारी इस देरी का कारण डबल-डेकर वायडक्ट के लिए आवश्यक डिज़ाइन संशोधनों को मानते हैं। एक अधिकारी ने कहा इन बदलावों के लिए स्टेशन संरचनाओं के लिए लगभग 25 प्रतिशत अधिक भूमि की आवश्यकता होगी क्योंकि सरेखण की बढ़ी हुई ऊँचाई के कारण अतिरिक्त सड़क-चौड़ाई उपायों की आवश्यकता होगी। मूल रूप से, बीएमआरसीएल ने परियोजना को पूरा करने के लिए 2029 या 2030 के मध्य तक का लक्ष्य रखा था। संशोधित योजना के साथ, अब समय सीमा मई 2031 तक बढ़ा दी गई है। अधिकारियों के अनुसार, निर्माण शुरू होने के बाद परियोजना को पूरा होने में लगभग साढ़े पाँच साल लगेंगे। बीएमआरसीएल नवंबर 2025 तक निविदाएँ आमंत्रित करने की उम्मीद कर रहा है। बोली प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के बाद, दिसंबर 2025 या जनवरी 2026 तक आधारभूत कार्य शुरू होने की संभावना है। निर्माण कार्य कम से कम आठ निविदा पैकेजों में शुरू करने का प्रस्ताव है।

बीएमआरसीएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा भविष्य में सड़क की भीड़भाड़ को कम करने के लिए हम तीसरे चरण के विशिष्ट हिस्सों पर डबल-डेकर फ्लाईओवर शामिल कर रहे हैं। हालाँकि इससे यातायात की भीड़भाड़ कम होने और जगह का अधिकतम उपयोग होने से महत्वपूर्ण लाभ होगा, लेकिन इसका मतलब यह भी है कि निर्माण में एक अतिरिक्त वर्ष लगेगा। बेंगलूरु के लिए यह योजना नई नहीं है। येलो लाइन पर पहले से ही रागीगुड्डा के पास एक रेल-सह-सड़क डबल-डेकर फ्लाईओवर है, जो सेंट्रल सिल्क बोर्ड जंक्शन से जुड़ता है। दक्षिण भारत में इस तरह की पहली संरचना के रूप में चालू किया गया, यह तीसरे चरण की योजना के लिए एक संदर्भ बिंदु के रूप में कार्य करता है। अधिकारियों का मानना है कि ऑरेंज लाइन पर इस मॉडल को दोहराने से व्यस्त हिस्सों पर यातायात का सुचारू प्रवाह सुनिश्चित होगा, भले ही मेट्रो का संचालन बढ़ रहा हो। तीसरे चरण को नम्मा मेट्रो की मौजूदा और आगामी लाइनों के साथ कई इंटरचेंज पॉइंट प्रदान करके कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इनमें ग्रीन लाइन पर पीन्या और जे.पी. नगर स्टेशन, पर्पल लाइन पर मैसूरु रोड स्टेशन और होसाहल्ली-कडाबागेरे कॉरिडोर पर सुमनहल्ली स्टेशन शामिल हैं।

बेंगलूरु में मेट्रो स्टेशन का नाम सेंट मैरी के नाम पर रखने के प्रस्ताव पर विवाद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने आश्वासन दिया है कि राज्य सरकार बेंगलूरु के एक मेट्रो स्टेशन का नाम सेंट मैरी के नाम पर रखने के प्रस्ताव की केंद्र सरकार को सिफारिश करेगी। शहर में सेंट मैरी के जन्मदिन समारोह के दौरान दिए गए उनके इस बयान का कड़ा विरोध और व्यापक बहस छिड़ गई है। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि एक मेट्रो स्टेशन का नाम सेंट मैरी रखने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि एक सिफारिश केंद्र सरकार को भेजी जाएगी और मंज़ूरी मिलने के बाद नाम बदलने की आधिकारिक तारीख की घोषणा की जाएगी। इस बीच, इस घोषणा की विभिन्न क्षेत्रों में आलोचना हो रही है। सोशल मीडिया पर, कुछ लोगों ने याद दिलाया कि बेंगलूरु की मेट्रो प्रणाली की कल्पना करने वाले शंकर नाग ने शहर को एक और सिंगापुर में बदलने का सपना देखा था और इस परियोजना के लिए उन्नत तकनीक का अध्ययन करने में भी निवेश किया था। उनके योगदान के बावजूद, शंकर नाग के नाम को मेट्रो के ज़रिए सम्मान नहीं दिया गया है, और कई लोगों का मानना है कि उनकी अनदेखी करना अन्याय है। इस निर्णय से सेंट मैरी प्रस्ताव के समर्थकों और शंकर नाग को इस सम्मान का हकदार मानने वालों के बीच तीव्र मतभेद पैदा हो गया है।

ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग जांच में कारवार के कांग्रेस विधायक को गिरफ्तार किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वित्तीय अपराधों पर अपनी कार्रवाई में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग की जाँच के सिलसिले में बेंगलूरु में कांग्रेस विधायक सतीश सैल को गिरफ्तार किया है। कर्नाटक विधानसभा में कारवार सीट से विधायक सैल को एजेंसी के समक्ष पूछताछ के लिए पेश होते समय हिरासत में ले लिया गया। इस घटनाक्रम के साथ, वह हाल के महीनों में ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने वाले राज्य के तीसरे कांग्रेस विधायक बन गए हैं। यह गिरफ्तारी ईडी अधिकारियों द्वारा 13 और 14 अगस्त को उत्तर कन्नड़ जिले के कारवार स्थित सैल के आवास पर की गई लगातार छापेमारी के बाद हुई है। तलाशी के दौरान, जाँचकर्ताओं ने कथित तौर पर बड़ी मात्रा में बेहिसाब नकदी, सोने के आभूषण और आपत्तिजनक दस्तावेज़ जब्त किए। माना जा रहा है कि यह मामला एक अवैध सुपारी परिवहन रैकेट से जुड़ा है, जिसके हवाला नेटवर्क और वित्तीय हेराफेरी से जुड़े होने की संभावना है। ईडी ने विधायक से जुड़े कई ठिकानों पर भी तलाशी ली, जिनमें गोवा, मुंबई और दिल्ली की संपत्तियाँ शामिल हैं, जिससे एक व्यापक वित्तीय जाल का संकेत मिलता है। सूत्रों ने खुलासा किया कि कारवार अभियान के दौरान, अधिकारियों ने करोड़ों रुपये की संपत्ति बरामद की और उसे दो बड़े बक्सों में भरकर, जिसमें सोना, नकदी और दस्तावेज़ शामिल थे, आगे की जाँच के लिए ले जाया गया। छापेमारी के बाद सैल को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। कई दौर की पूछताछ और दस्तावेज़ों की जाँच के बाद, ईडी ने प्रारंभिक निष्कर्षों के आधार पर औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया। हालांकि एजेंसी ने अभी तक विशिष्ट आरोपों का विवरण देते हुए कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया है, यह गिरफ्तारी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के दायरे में आती है। आने वाले दिनों में आगे की कानूनी कार्यवाही और हिरासत में पूछताछ की उम्मीद है। यह गिरफ्तारी कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी की मुश्किलें बढ़ा रही है, क्योंकि ईडी निर्वाचित प्रतिनिधियों से जुड़े हाई-प्रोफाइल वित्तीय मामलों में अपना दायरा बढ़ा रहा है।

डिजिटल गिरफ्तारी घोटाले में पूर्व विधायक को 30 लाख का चूना, राज्यपाल और जज भी निशाने पर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में साइबर अपराध के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और धोखेबाज जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को निशाना बना रहे हैं। हाल ही में सामने आई तीन अलग-अलग घटनाओं में, एक पूर्व विधायक, कर्नाटक के राज्यपाल और एक न्यायाधीश साइबर धोखेबाजों के निशाने पर आए। पहले मामले में, जालसाज़ों ने सीबीआई, ईडी और न्यायपालिका के अधिकारी बनकर औरद के पूर्व विधायक गुंडप्पा वकील से 30 लाख रुपये ठग लिए। 12 अगस्त को, धोखेबाजों ने उन्हें फोन करके दावा किया कि वह मनी लॉन्ड्रिंग

के एक मामले में व्यवसायी नरेश गोयल से जुड़े हैं और उनके एटीएम कार्ड जब्त कर लिए गए हैं। उन्होंने डिजिटल गिरफ्तारी का नाटक किया और संपत्ति की जाँच के लिए 30 लाख रुपये जमा करने के लिए राजी किया। वकील को बताया गया कि वर्चुअल कोर्ट में पेशी के बाद सत्यापन के बाद राशि वापस कर दी जाएगी। बाद में जब उन्हें पता चला कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है, तो पूर्व विधायक ने सीसीबी साइबर अपराध पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसने मामला दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है। एक अन्य मामले में, कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत को केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बनकर दो लोगों ने फोन किया। फोन करने वालों ने उन्हें गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन राजभवन के अधिकारियों ने उस नंबर को फर्जी पाया।

उनकी शिकायत के आधार पर, केंद्रीय साइबर पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। तीसरी घटना में, पंजाब के एक न्यायाधीश बेंगलूरु में धोखेबाजों के शिकार हो गए। 2 सितंबर को, सरकारी कुमारकृपा गेस्ट हाउस में आवास बुक करने आए न्यायाधीश को एक फर्जी वेबसाइट पर सूचीबद्ध एक फर्जी संपर्क नंबर दिया गया। इसे असली मानकर, न्यायाधीश ने बुकिंग के लिए 12,000 रुपये ट्रांसफर कर दिए। 6 सितंबर को पहुँचने पर, न्यायाधीश को पता चला कि कोई बुकिंग नहीं हुई थी और फोन नंबर बंद था। केंद्रीय साइबर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई और एक प्राथमिकी दर्ज की गई। इन घटनाओं पर टिप्पणी करते हुए, बेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने कहा साइबर अपराधी हर बार नई तकनीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। डिजिटल गिरफ्तारी घोटाले बहुत आम हो गए हैं। हम लोगों को इनका शिकार होने से बचाने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से जन जागरूकता बढ़ा रहे हैं।

पुनीत केरेहल्ली निवारक कार्रवाई के तहत गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिणपंथी कार्यकर्ता और गौरक्षक पुनीत केरेहल्ली, जिनके खिलाफ 14 से ज्यादा आपराधिक मामले लंबित हैं, को बसवनगुडी पुलिस ने निवारक कार्रवाई के तहत गिरफ्तार कर लिया। बसवनगुडी पुलिस ने असामाजिक गतिविधियों में उनकी संलिप्तता को देखते हुए उन पर भारतीय राष्ट्रीय राइफल्स (बीएनएस) की धारा 127 (किसी व्यक्ति को कुछ सीमित सीमाओं से आगे बढ़ने से रोकने के लिए उसे गलत तरीके से बंधक बनाना) के तहत मामला दर्ज किया और उनसे एक वचनबद्धता देने को कहा कि वह किसी भी असामाजिक या आपराधिक गतिविधि में शामिल नहीं होंगे और समाज में कानून-व्यवस्था और शांति भंग नहीं करेंगे। आरोपी ने ऐसा करने से इनकार कर दिया, जिसके बाद उसे कार्यकारी मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। जब उसने वचनबद्धता न देने का अपना फैसला दोहराया, तो पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

मेंगलूरु में फर्जी आधार कार्ड रैकेट का भंडाफोड़, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, उरवा पुलिस ने सरकारी कार्यालयों और अदालतों को धोखा देने के लिए फर्जी आधार कार्ड और अन्य जाली दस्तावेज बनाने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

9 सितंबर को रात लगभग 9 बजे, सब इंस्पेक्टर हरीश एम.आर. द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर, पुलिस को उरवा थाना क्षेत्र के दड्डलकड्ड में एक व्यक्ति द्वारा आधार कार्ड जालसाजी में लिप्त होने की विश्वसनीय सूचना मिली। त्वरित कार्रवाई करते हुए, पुलिस उपनिरीक्षक और सीसीबी कर्मियों ने रात 9:30 बजे घटनास्थल पर पहुँचे। घटनास्थल पर, अधिकारियों ने सड़क किनारे एक व्यक्ति को पीले रंग की लंबी बाजू की शर्ट और आसमानी नीले रंग की जींस पहने हुए देखा, जो किसी का इंतज़ार कर रहा था। पूछताछ करने पर, उसने अपनी पहचान मेंगलूरु के मुल्की के बप्पनडु गाँव निवासी अब्दुल रहमान (46) के रूप में बताई। पूछताछ के दौरान, अब्दुल रहमान ने निशांत नाम के एक व्यक्ति के साथ काम करने की बात कबूल की, जो कोडियालबेल में एक ऑनलाइन दुकान चलाता है। साथ मिलकर, उन्होंने कंप्यूटर सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करके आधार विवरण जैसे नंबर, नाम, फोन नंबर, पते और तस्वीरों को संपादित करके नकली आधार कार्ड बनाए। फिर इन जाली पहचान पत्रों को विभिन्न विभागों में असली रिकॉर्ड के रूप में जमा किया गया और आरोपियों की जमानत के लिए अदालतों में भी पेश किया गया। पुलिस ने अब्दुल रहमान से दो मोबाइल फोन जब्त किए।

उसके एक फोन में, निशांत नाम से सेव किए गए संपर्क के साथ व्हाट्सएप के ज़रिए कई आधार कार्ड एक्सचेंज किए गए थे। जब अधिकारियों ने आचारी नाम से सेव किए गए कार्ड को खोला, तो उसमें यूआईडी नंबर के साथ 'व्यासराय अचार' का आधार विवरण दिखाई दिया। हालाँकि एप्लिकेशन के ज़रिए क्यूआर कोड स्कैन करने पर पता चला कि सत्यापित आधार दक्षिण कन्नड़ के पंजिकल निवासी दिनाकरा का था, जिससे यह साबित होता है कि कार्ड के साथ छेड़छाड़ की गई थी। जांच से पता चला कि अब्दुल रहमान और निशांत ने नाम, नंबर, फोटो और अन्य विवरण बदलकर ऐसे कई जाली आधार कार्ड बनाए थे और उन्हें सरकारी कार्यालयों और अदालतों में असली बताकर पेश किया था। पुलिस ने पुष्टि की है कि एक टीम मामले की आगे जाँच कर रही है, दो और मामले दर्ज किए जाएँगे, और जल्द ही और गिरफ्तारियाँ होने की उम्मीद है।

पथराव के कारण तनावग्रस्त मद्दूर में स्थिति सामान्य

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो। जलकर खाक हुए कस्बे में अब जनजीवन सामान्य हो गया है। लोग अपनी सामान्य गतिविधियाँ करते देखे गए। इस बीच, घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए पुलिस हाई अलर्ट पर है। मांड्या जिले के एसपी मल्लिकार्जुन बालादंडी ने बताया कि मद्दूर कस्बे में स्थिति शांतिपूर्ण है। पुलिस सुरक्षा व्यवस्था बनाए हुए है। उन्होंने बताया कि अब तक सात मामले दर्ज किए गए हैं। घटना के सिलसिले में 22 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि पथराव मामले में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी तेज कर दी गई है। उन्होंने बताया कि विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि के खिलाफ मद्दूर कस्बे में गणेश प्रतिमाओं के सामूहिक विसर्जन कार्यक्रम में शामिल होने और भड़काऊ भाषण देने का मामला दर्ज किया गया है।

परफ्यूम निर्माण कंपनी अरोमाजेन में लगी भीषण आग

मंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बैकमपडी औद्योगिक क्षेत्र स्थित परफ्यूम निर्माण कंपनी अरोमाजेन में बुधवार सुबह करीब 5 बजे भीषण आग लग गई, जिससे भारी नुकसान हुआ। सौभाग्य से, इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालाँकि कंपनी को भारी नुकसान हुआ है। सूचना मिलने पर, एमसीएफ, एनएमपीटी और कादरी दमकल केंद्रों से दमकल गाड़ियाँ मौके पर पहुँचीं और आग पर काबू पाया। पनाम्बूर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और आग लगने के सही कारणों का पता लगाने के लिए जाँच जारी है।

गणेश विसर्जन कार्यक्रम में भड़काऊ भाषण देने का मामला

मद्दूर पुलिस ने भाजपा नेता सी.टी. रवि के खिलाफ स्वत: संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो। मद्दूर पुलिस ने बुधवार को कस्बे में आयोजित गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान भड़काऊ और उत्तेजक भाषण देने के लिए भाजपा नेता और विधान पार्षद सी.टी. रवि के खिलाफ स्वत: संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया है। मद्दूर के पुलिस निरीक्षक शिवकुमार ने बताया कि पुलिस अधिकारी मंजूनाथ की शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 (1) (ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है, जो दो अलग-अलग समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने या वैमनस्य और घृणा को बढ़ावा देने को अपराध की श्रेणी में रखती है। रवि ने गणेश जुलूस से पहले मद्दूर में हिंसा भड़काने वाले भड़काऊ भाषण देते हुए अल्पसंख्यक समुदाय का ज़िक्र किया था और ऐतिहासिक संदर्भों का हवाला दिया था। वह भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल में शामिल हुए थे, जो शहर में कड़ी सुरक्षा के बीच आयोजित एक सामूहिक गणेश प्रतिमा विसर्जन कार्यक्रम में भाग लेने के लिए, अपनी

शक्ति का प्रदर्शन करने के लिए, मद्दूर में एकत्र हुए थे। यह घटना 7 सितंबर को हुई झड़पों के बाद हुई, जिसमें पथराव के बाद विसर्जन समारोह में खलल पड़ा था और शहर में तनाव फैल गया था।

हालांकि, उसके बाद से स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो गई है और बुधवार को जुलूस के लिए पुलिस की एक बड़ी टुकड़ी तैनात की गई थी, जो बिना किसी बाधा के संपन्न हुई। लेकिन जुलूस शुरू होने से पहले, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने राज्य सरकार पर निशाना साधा था और रवि ने अपनी टिप्पणियों के लिए जांच के घेरे में आ गए थे, जिसके परिणामस्वरूप पुलिस ने उनके खिलाफ मामला दर्ज किया था। मद्दूर में पथराव की घटना के सिलसिले में अब तक 22 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। रविवार को हुई इस घटना के बाद तनाव बढ़ गया था और सोमवार को कई दक्षिणपंथी संगठनों ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया था। भाजपा ने मंगलवार को मद्दूर में बंद का आह्वान किया था।

30 वर्षों के आंदोलन के बाद जो मिला था वह रास नहीं आया लद्दाख को

राज्य की मांग के लिए लद्दाख में फिर हुआ आंदोलन तेज

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 11 सितंबर।

करीब 30 सालों के आंदोलन के बाद लद्दाख ने केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा 5 अगस्त 2019 को पाया तो मन की मुराद पूरी होने की खुशी यह दर्जा पानी के दो सालों में ही हवा हो चुकी है। कारण स्पष्ट है। वे लोकतांत्रिक अधिकारों से वंचित कर दिए जाने के कारण अब राज्य का दर्जा पाने को छटपटा रहे हैं। केंद्र शसित प्रदेश लद्दाख के निवासियों ने क्षेत्र के हितों के संरक्षण की रणनीति के तहत 2023 से ही राज्य दर्जे को लेकर जो आंदोलन तेज हुआ है उसमें अब जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांचुक की 35 दिनों की भूखहड़ताल सबसे ताजा कदम है। जबकि इन दो सालों में लद्दाख कई बार हड़ताल और बंद का सामना कर चुका है।

जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और लेह एपेक्स बॉडी ने घोषणा की है कि वे लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल कराने और राज्य का दर्जा देने की अपनी मांगों को लेकर लेह में 35 दिन की भूख हड़ताल शुरू कर रहे हैं। एक सर्वधर्म प्रार्थना सभा के बाद हुए संवाददाता सम्मेलन में जलवायु कार्यकर्ता, शिक्षाविद और रेमन मैग्सेसे पुरस्कार विजेता वांगचुक ने कहा कि उन्होंने एक और अनशन शुरू करने का निर्णय लिया है क्योंकि उनकी मांगों को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पिछले दो महीने से कोई बैठक नहीं बुलाई है।

वांगचुक ने कहा कि लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची के तहत राज्य का दर्जा और संरक्षण दिए जाने की मांग को लेकर केंद्र सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही है, इसलिए वह अपना प्रदर्शन तेज करने को मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने कहा, करीब दो महीने पहले केंद्र सरकार के साथ बातचीत रुक गई थी। जैसे ही बातचीत इस मोड़ पर पहुंचने वाली थी जहां मुख्य मांगों पर चर्चा शुरू होती, सरकार ने आगे कोई बैठक नहीं बुलाई। वहीं लेह में हिल काउंसिल के चुनाव जल्द ही होने

वाले हैं और उन्होंने केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को यह याद दिलाया कि पिछले काउंसिल चुनाव में उसने लद्दाख को छठी अनुसूची का दर्जा देने का वादा किया था।

याद रहे यूटी बनाए जाने के बाद से ही लद्दाख के लोग अपनी जमीन, रोजगार, संस्कृति, जलवायु और पहचान को बचाने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। पूर्ण राज्य और संविधान की छठीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर केंद्र से वार्ता जरूर हुईं लेकिन इसे लेकर टालमटोल ही किया गया। अगस्त 2021 में लेह और करगिल के लोगों ने मिलकर संघर्ष करने का फैसला लिया। फिर कोर कमेटी का गठन किया गया, जो दोनों प्रमुख मांगों को लेकर संघर्ष तेज कर चुकी है।

दरअसल जो यूटी का दर्जा बिना विधानसभा के मिला वह अब लद्द-ाखवासियों को रास नहीं आ रहा है। यूटी मिलने के कुछ ही महीनों के बाद उन्होंने आंदोलन छेड़ दिया। हालांकि इस आंदोलन ने अभी उतनी हवा नहीं पकड़ी है जितनी आग यूटी पाने की मांग ने पकड़ी थी। पर इस मुद्दे पर पिछले तीन सालों में कई बार बुलाई गई हड़ताल के बाद केंद्र सरकार लद्दाख को धारा 371 के तहत नार्थ ईस्ट की तर्ज पर हद से बढ़कर अधिकार देने को तैयार है पर लद्दाखी मानने को राजी नहीं हैं। हालांकि कुछ दिनों पहले लद्दाखी नेताओं की केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात के दौरान, उन्होंने दो संसदीय क्षेत्र देने की बात को मान लिया पर राज्य का दर्जा देकर विधानसभा न देने के पीछे कई कारण गिना दिए गए थे।

लद्दाख में अब राज्य का दर्जा पाने के साथ ही विधानसभा पाने को जिस आंदोलन को हवा दी जा रही है उसका नेतृत्व लेह अपेक्स बाडी कर रही है जिसके चेयरमेन थुप्स्टन छेवांग बनाए गए हैं। नार्थ ब्लाक में अधिकारियों से मुलाकातों के बाद छेवांग को भी धारा 371 के तहत ही और अधिकार देने का आश्वान दिया गया है जिसे लेह अपेक्स बाडी तथा करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस मानने को राजी नहीं हैं। ऐसे में लद्दाख से मिलने वाले संकेत यही कहते हैं कि लद्दाख के दोनों जिलों-लेह और करगिल में राज्य का दर्जा पाकर लोकतांत्रिक अधिकार पाने का लावा किसी भी समय फूट सकता है। 6 साल पहले जब करगिल को जम्मू कश्मीर से अलग किया गया था था तब भी उसने इसी चिंता को दर्शाते हुए कई दिनों तक बंद का आयोजन किया था। करगिलवासी भी लोकतांत्रिक अधिकारों की खातिर विधानसभा चाहते हैं।

विधायक की गिरफ्तारी के बाद डोडा में तनाव

इंटरनेट, मोबाइल सेवाएं बंद, स्कूल 14 सितंबर तक बंद

जम्मू, 11 सितंबर (ब्यूरो)।

आम आदमी पार्टी के डोडा से मौजूदा विधायक मेहराज मलिक की पीएसए के तहत गिरफ्तारी का चौथा दिन है, डोडा जिले के बड़े हिस्से में पाबंदियां भी जारी हैं। इन पाबंदियों के कारण रोजमर्रा की जिंदगी में भारी व्यवधान आ गया है क्योंकि डोडा प्रशासन ने पूरे जिले में धारा 163 लागू कर रखी है। पिछले तीन दिनों से इंटरनेट सेवाएं बंद हैं, जबकि भलेसा, कहारा और चिल्ली पिंगल में मोबाइल कनेक्टिविटी दो दिनों से बंद है।एसएसबी, सीआरपीएफ़ और सीआईएसएफ सहित पुलिस और अर्धसैनिक बलों को कई जगहों पर भारी संख्या में तैनात किया गया है। अधिकारियों ने डोडा में 14 सितंबर तक स्कूल बंद रखने का आदेश दिया है। स्थानीय लोग राशन, पेयजल और अन्य आवश्यक वस्तुओं की भारी कमी की शिकायत कर रहे हैं। ठाठरी, गंडोह भलेसा, चिल्ली पिंगल और कहारा में पिछले तीन दिनों से बिजली आपूर्ति भी बाधित है, जिससे संकट और गहरा गया है। नतीजतन प्रतिबंधों और बिजली कटौती से स्थानीय लोग परेशान हैं, क्योंकि जिले में सामान्य जनजीवन अभी भी ठप्प पड़ा हुआ है। बता दें कि चिनाब घाटी के डोडा विधानसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी के एकमात्र विधायक मलिक को सोमवार (8 सितंबर) को डोडा के जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) हरविंदर सिंह ने विधायक द्वारा जिले में एक डायलिपिडेटेड हेल्थ सेंटर को एक निजी भवन में शिफ्ट करने के विवाद में जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत गिरफ्तार कर लिया था। खबरों के मुताबिक, आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह, विधायक इमरान हुसैन और अन्य पदाधिकारियों के साथ श्रीनगर के चर्च लेन स्थित सरकारी गेस्टहाउस (सर्किट हाउस) में हिरासत में लिए गए हैं।

कश्मीर से दिल्ली के लिए पार्सल ट्रेन रोजाना चलेगी: रेल मंत्री

जम्मू, 11 सितंबर (ब्यूरो)।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को कहा कि रेलवे कश्मीर घाटी से दिल्ली के लिए सेब ले जाने वाली एक दैनिक पार्सल ट्रेन सेवा शुरू करेगा। यह सेवा 13 सितंबर से शुरू होगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि आज बडगाम से दिल्ली के लिए सेब ले जाने वाली दो पार्सल वैन चलाई गईं। कश्मीर के फल उत्पादकों को एक बड़ी राहत देते हुए, मंत्री ने कहा कि यह सेवा अब शनिवार से रोजाना शुरू की जाएगी।

जम्मू-श्रीनगर लाइन चालू होने से कश्मीर घाटी में बेहतर कनेक्टिविटी होगी। रेलवे 13 सितंबर 2025 से कश्मीर घाटी के बडगाम से दिल्ली के आदर्श नगर स्टेशन तक एक दैनिक समय-सारिणी वाली पार्सल ट्रेन शुरू कर रहा है। बडगाम से दिल्ली के लिए सेब ले जाने वाली दो पार्सल वैन की लोडिंग आज शुरू हो गई।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने प्रधानमंत्री मोदी और रेल मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सेवा सेब उत्पादकों को बड़ी राहत देगी। उन्होंने कहा कि बडगाम से नई दिल्ली के लिए दैनिक पार्सल ट्रेन सेब उत्पादकों को बड़ी राहत देगी। प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी जी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति मेरी हार्दिक कृतज्ञता। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि रेल मंत्रालय के अधिकारियों और मेरे सचिवालय के अधिकारियों के बीच जम्मू कश्मीर कृषि उत्पादन विभाग से मिली जानकारी के साथ लगभग एक हफ्ते के गहन समन्वय के बाद, अब हमारे फलों को ट्रेन से पहुंचाया जा रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग की समस्या के कारण, यह उन उत्पादकों के लिए बड़ी राहत का स्रोत बन गया है जिनकी उपज बाजार तक न पहुंच पाने के कारण सड़ने का खतरा था। इस काम को जमीन पर उतारने के लिए मेरे फोन और अनगिनत संदेशों का जवाब देने के लिए अश्विनी वैष्णव का उन्होंने धन्यवाद भी किया।

तेजस्वी का नीतीश पर हमला, कहा –

भ्रष्टाचार के भीष्म पितामह से जनता लेगी बदला

पटना, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने नीतीश कुमार को 'भ्रष्टाचार का भीष्म पितामह' बताया है। तेजस्वी यादव ने कहा कि राज्य में बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार और अपराधियों को संरक्षण देने के कारण जनता आने वाले चुनावों में इसका बदला लेगी। यह बात उन्होंने गुरुवार को पटना में कही। इसके साथ ही, उन्होंने वोटर लिस्ट में आधार कार्ड को पहचान पत्र के रूप में शामिल करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया।

तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में अपराध बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री अपराधियों को बचा रहे हैं। ऐसा कोई दिन नहीं जाता जब राज्य में आपराधिक गतिविधियां न हों। उन्होंने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार सेवानिवृत्त अधिकारियों के साथ मिलकर बिहार को लूट रहे हैं। आने वाले चुनावों

में जनता इसका बदला लेगी। तेजस्वी यादव ने यह बातें पटना में पत्रकारों से कहीं।

वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर तेजस्वी यादव ने सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि आधार कार्ड को पहचान पत्र के रूप में शामिल करने की अनुमति देना एक बड़ी जीत है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे एसआईआर के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि इसके संचालन के तरीके से असहमत हैं।

इससे पहले 10 सितंबर को, चुनाव आयोग ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों का एक सम्मेलन आयोजित किया था। इसमें देश भर में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (डखठ) की तैयारियों का जायजा लिया गया। इस साल मुख्य निर्वाचन अधिकारियों का यह तीसरा सम्मेलन था। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने किया। इस अवसर पर चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी भी उपस्थित थे।

चुनाव आयोग की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बिहार के सीईओ ने रणनीतियों, बाधाओं और अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथ-ाओं पर एक प्रस्तुति दी। ताकि देश के बाकी सीईओ उनके अनुभवों से सीख सकें।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि आयोग की इस पहल का समान रूप से कार्यान्वयन हो कि किसी भी मतदान केंद्र पर 1,200 से अधिक मतदाता न हों, मतदान केंद्रों के युक्तिकरण की स्थिति की भी समीक्षा की गई।

सीईओ ने यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दस्तावेजों का सुझाव भी दिया कि कोई भी योग्य नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे और कोई भी अयोग्य व्यक्ति इसमें शामिल न हो। यह दोहराया गया कि ये दस्तावेज योग्य नागरिकों के लिए जमा करने में आसानी को बढ़ावा दें।

गया में अनुशासनहीनता की घटनाओं पर एनडीए सतर्क और सख्त हुआ

पटना, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

गया जिले में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने अपने कार्यकर्ताओं को चेतावनी दी है। यह चेतावनी टिकट चाहने वालों के बीच अनुशासनहीनता की घटनाओं के बाद दी गई है। दरअसल, कुछ दिनों पहले शेरघाटी में पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे के साथ एक घटना हुई थी। इसके बाद अतरी में एनडीए कार्यकर्ताओं की बैठक में भी हंगामा हुआ। इन घटनाओं को देखते हुए एनडीए ने यह कदम उठाया है। एनडीए का कहना है कि टिकट चाहने वाले और उनके समर्थक किसी भी तरह की अनुशासनहीनता से बचें। अगर उनके समर्थकों ने कोई गड़बड़ की, तो इसके लिए उन्हें ही जिम्मेदार माना जाएगा।

शेरघाटी में एक कार्यक्रम के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे मंच पर बैठे थे। तभी किसी ने उनकी कुर्सी पीछे खींच ली, जिससे वे गिर गए। इस घटना के बाद काफी हंगामा हुआ। वहीं, अतरी में एनडीए कार्यकर्ताओं की बैठक में टिकट चाहने वालों के समर्थकों के बीच हाथापाई हो गई। इन दोनों घटनाओं को एनडीए ने गंभीरता से लिया है।

जिला बीजेपी अध्यक्ष प्रेम प्रकाश उर्फ चिंटू ने इन घटनाओं को 'शर्मनाक' बताया है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने टिकट चाहने वालों को चेतावनी दी है कि वे अपने समर्थकों को काबू में रखें। चिंटू ने चौबे के गिरने की घटना के बारे में बताया कि एक पार्टी कार्यकर्ता, जो व्यक्तिगत रूप से पूर्व केंद्रीय मंत्री का ऋणी था, उनका आशीर्वाद लेने के लिए उत्सुक था। इसलिए उसने गलती से कुर्सी पीछे खींच ली। चिंटू ने

यह भी बताया कि जिस कुर्सी पर चौबे बैठने की कोशिश कर रहे थे, वह जेडीयू के मंत्री श्रवण कुमार के लिए थी। चिंटू ने मंच पर बैठे गठबंधन के नेताओं के मुस्कुराने की हरकत को 'बेहद शर्मनाक और टालने योग्य' बताया।

अतरी की घटना के बारे में बताया गया कि एनडीए कार्यकर्ताओं की बैठक में पूर्व एमएलए कृष्ण नंदन यादव के समर्थकों ने लोक गीत गाना शुरू कर दिया। वे यादव की प्रशंसा में गीत गा रहे थे। इसी बीच, दूसरे टिकट चाहने वालों के समर्थक मंच पर चढ़ गए और हंगामा करने लगे। पुलिस को बीच-बचाव करना पड़ा।

जेडीयू के जिला अध्यक्ष द्वारका प्रसाद ने इस घटना को 'मामूली' बताया। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय ऐसी घटनाएं आम हैं और इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि इस मुद्दे को तुरंत और सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया।

वरिष्ठ बीजेपी नेता और सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि उन्हें इन घटनाओं के बारे में जानकारी नहीं है क्योंकि वे दौरे पर थे। उन्होंने कहा कि अगर यह सच है, तो ऐसा नहीं होना चाहिए था। उन्होंने इस पर दुख जताया।

इन घटनाओं के बाद एनडीए सतर्क हो गया है। एनडीए के नेताओं ने कार्यकर्ताओं को अन-ुशासन में रहने की सख्त हिदायत दी है। उसका कहना है कि वह किसी भी तरह की अन-ुशासनहीनता को बर्दाश्त नहीं करेगा। गठबंधन ने कार्यकर्ताओं को चेतावनी दी है कि अगर वे अनुशासनहीनता करते हैं, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एनडीए ने यह भी कहा है कि वह आगामी चुनावों में एकजुट होकर लड़ेगा। इसके नेताओं ने कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे पार्टी को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करें। एनडीए का लक्ष्य है कि वह आगामी चुनावों में भारी बहुमत से जीत हासिल करे। नेताओं का कहना है कि उन्हें पूरा विश्वास है कि जनता का समर्थन उन्हें मिलेगा और वे सरकार बनाने में सफल होंगे। एनडीए ने अपनी रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है और वह जल्द ही अपने उम्मीदवारों की घोषणा करेगा।

पूर्णिया एयरपोर्ट पर 15 सितंबर से उड़ानें शुरू, इंडिगो और स्टार एयर की सर्विस

पूर्णिया, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

बिहार के पूर्णिया के हवाई यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। 15 सितंबर को पूर्णिया एयरपोर्ट (पूर्णिया हवाई अड्डा) से व्यावसायिक उड़ानों की शुरुआत हो रही है। यह एयरपोर्ट 'उड़ान' योजना के तहत संचालित किया जाएगा। इसका उद्देश्य छोटे शहरों को हवाई मार्ग से जोड़ना है।

एयरपोर्ट का उद्घाटन भी इसी दिन होगा। राज्य सरकार ने मार्च में पेश किए गए बजट में बिहार में 15 नए हवाई अड्डे विकसित करने की योजना की घोषणा की थी, जिसकी अनुमानित लागत 115 करोड़ रुपये है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया था कि पूर्णिया एयरपोर्ट, जो पहले एक रक्षा हवाई अड्डा था, टर्मिनल का काम पूरा होने के तीन महीने के भीतर व्यावसायिक परिचालन शुरू कर देगा।

इंडिगो एयरलाइन पूर्णिया से पहली व्यावसायिक उड़ानें शुरू करेगी। यह एयरलाइन कोलकाता के लिए सप्ताह में तीन दिन (सोमवार, बुधवार और शुक्रवार) उड़ानें संचालित करेगी। इसके लिए एटीआर विमानों का उपयोग किया जाएगा। फ्लाइट नंबर 6ए 7924 कोलकाता से दोपहर 12:30 बजे उड़ान भरेगी और दोपहर 1:40 बजे पूर्णिया पहुंचेगी। वापसी की उड़ान 6ए 7925 पूर्णिया से दोपहर 2:30 बजे उड़ान भरेगी और दोपहर 3:40 बजे कोलकाता पहुंचेगी। यह उड़ान पूर्णिया और कोलकाता के बीच यात्रा को काफी आसान बना देगी।

इंडिगो के अलावा, स्टार एयर भी 15 सितंबर से अहमदाबाद और पूर्णिया के बीच सप्ताह में तीन दिन उड़ानें शुरू करेगी। यह कदम यात्रियों को गुजरात जैसे प्रमुख औद्योगिक शहर से सीधे जुड़ने का अवसर देगा।

राहुल गांधी ने वोट चोरी के विस्फोटक सबूत पेश करने का फिर से दावा किया

पटना, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक बार फिर चुनाव आयोग और बीजेपी पर वोट चोरी का आरोप दोहराया है। उन्होंने कहा है कि उनके पास इसके 'विस्फोटक' सबूत हैं। राहुल ने यह बात उत्तर प्रदेश के रायबरेली में कही। उन्होंने पहले हुए चुनावों में वोट चोरी होने का दावा किया है। उनका कहना है कि वे जल्द ही इसके सबूत देंगे। उन्होंने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि आयोग सीधे तौर पर वोटर फ्रॉड में शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस के पास इस चोरी का 'खुला और स्पष्ट प्रमाण' है।

गौरतलब है कि बिहार में अपनी वोटर अधिकार यात्रा के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बीजेपी पर वोट चोरी का आरोप जोरशोर से लगाते रहे। लेकिन मद्रास के हाईकोर्ट ने उनके आरोपों को लेकर दाखिल की गई एक याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। इससे राहुल गांधी के आरोंपों की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं। मद्रास हाईकोर्ट ने राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोपों पर दायर एक जनहित याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने कहा कि याचिका 'पूरी तरह से गलत' थी।

राहुल गांधी ने रायबरेली में पत्रकारों से कहा कि वोट चोरी होना एक 'तथ्य' है। उन्होंने कहा, 'हम आपको गतिशील और विस्फोटक सबूत देने वाले हैं। 'वोट चोर, गद्दी छोड़' का नारा पूरे देश में गूंज रहा है। आग फैल रही है क्योंकि यह सच है। यह एक तथ्य है कि वोट चुराकर सरकारें बन रही हैं। हम गारंटी देते हैं कि हम आपको सबूत देंगे।'

गत सात अगस्त को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि आयोग सीधे तौर पर बड़े पैमाने पर वोटर फ्रॉड में शामिल है।

कांग्रेस के पास कथित रूप से वोट चोरी का 'खुला और स्पष्ट प्रमाण' है। राहुल गांधी ने कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा में वोटिंग पर कांग्रेस की रिसर्च पेश की। उन्होंने 1,00,250 वोटों की 'वोट चोरी' का आरोप लगाया।

उन्होंने बीजेपी और चुनाव आयोग पर जोरदार हमला किया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग और बीजेपी के बीच 'मिलीभगत' हुई, जिसके परिणामस्वरूप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना तीसरा कार्यकाल हासिल किया। उन्होंने आयोग की आलोचना करते हुए कहा कि चुनाव 'कोरियोग्राफ' किए गए हैं। इसका मतलब है कि चुनाव में सब कुछ पहले से तय था। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले गांधी ने बिहार में 16 दिनों की 'वोटर अधिकार यात्रा' की थी जिसमें आरजेडी नेता तेजस्वी यादव भी उनके साथ थे। इस अभियान का उद्देश्य वोटर लिस्ट में कथित अनियमितताओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। विपक्षी नेताओं ने इसे वोट चोरी का मामला बताया है। यह यात्रा 20 जिलों में 1,300 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करते हुए 1 सितंबर को समाप्त हुई थी।

केसर चीनी मिल पर किसानों का 166 करोड़ बकाया

किसानों का ऐलान, केसर मिल को नहीं देंगे गन्ना

बहेड़ी (बरेली), 11 सितंबर (एजेंसियां)।

बरेली के बहेड़ी में सहकारी गन्ना विकास समिति की वार्षिक बैठक में बृहस्पतिवार को किसानों का प्रतिनिधित्व कर रहे बोर्ड ने केसर चीनी मिल को गन्ना सप्लाई न किए जाने का ऐलान कर दिया। दूसरी चीनी मिलों को गन्ना खरीद केंद्र आवंटित करने को हरी झंडी दी गई। बरेली के सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार ने भी चीनी मिल प्रबंधन पर किसानों के साथ धोखा करने का आरोप लगाते हुए किसानों से गन्ना न देने की अपील की। चीनी मिल की ओर से पक्ष रखने के लिए मिलकर गन्ना प्रबंधक मंच पर चढ़े, जिनकी किसानों ने कोई बात नहीं सुनी और उनका बहिष्कार कर दिया।

केसर चीनी मिल पर बहेड़ी क्षेत्र के गन्ना किसानों का 166 करोड़ रुपए बकाया हैं। जिसको लेकर किसान लगातार आंदोलन भी कर रहे हैं। सहकारी गन्ना विकास समिति की वार्षिक साधारण सभा की बैठक में गन्ना समिति बोर्ड के अध्यक्ष, डायरेक्टर, डेलीगेट सदस्यों ने बकाया गन्ना मूल्य भुगतान दिलाने की मांग सचिव से की। इसके बाद चीनी मिल को खरीद केंद्र आवंटन को लेकर चर्चा हुई, जिसमें सभी ने एक स्वर में कहा कि मीरगंज, पीलीभीत, सितारगंज, फरीदपुर तथा बहादुरपुर की चीनी मिलों को गन्ना खरीद केंद्र आवंटित कर दिए जाएं। केसर चीनी मिल को जो गेट पर गन्ना मिलता है उसके लिए आसपास के क्षेत्र में अलग-अलग चीनी मिलों के 25 खरीद केंद्र लगाए जाएं, जिसमें वह गन्ना सप्लाई हो।

डेलीगेट सरदार सतनाम सिंह ने गन्ना समिति के सचिव पर छह साल से यहीं जमे रहने का आरोप लगाया। सरदार तरसेम सिंह ने गन्ना विभाग के अधिकारियों पर किसानों का शोषण कराने का आरोप लगाया। पूर्व अध्यक्ष केंद्र पाल सिंह ने कहा कि एजेंडा में जो एक से लेकर सात तक बिंदु है उनको लेकर दोबारा बैठक हो। गन्ना विभाग ने तीन दिन पहले एजेंडा तथा बैठक का निमंत्रण दिया जबकि यह 15 दिन पहले दिया जाना चाहिए था। कोरोजन दवाई के वितरण में किसानों का शोषण किए जाने का आरोप लगाया। गन्ना समिति के डायरेक्टर चौधरी ओमवीर सिंह ने कहा कि केसर चीनी मिल करीब 10 वर्षों से किसानों को भुगतान दे पाने में सक्षम नहीं है। लिहाजा इस चीनी मिल के सभी खरीद केंद्र दूसरी चीनी मिल को आवंटित किए जाएं। पूर्व अध्यक्ष दिनेश सूर्य ने गन्ना समिति के पास पड़े लाभांश से किसानों का भुगतान करने की बात कही। गन्ना समिति के पूर्व डायरेक्टर चौधरी विनोद सिंह ने केंद्रीय मंत्री व सांसद जितिन प्रसाद को इस बैठक का निमंत्रण न दिए जाने पर हंगामा किया। बरेली सांसद को बुलाने और उनके सांसद को न बुलाए जाने पर आपत्ति जताई।

बैठक के समापन पर बोलते हुए बरेली के सांसद छत्रपाल सिंह ने कहा कि केसर चीनी मिल प्रबंधन हमेशा किसानों को गुमराह करता रहा है। इस चीनी मिल को अब किसान गन्ना न दें। उन्होंने कहा कि बोर्ड अपनी एक रिपोर्ट तैयार करे। गन्ना आयुक्त व शासन में उसको भेजा जाए। वह भी अपने स्तर से इसको लेकर पैरवी भी करेंगे। उन्होंने कहा कि जब दूसरी चीनी मिले गन्ना खरीद कर चीनी बनाकर बेचकर फायदा उठा रही है तो फिर केसर चीनी मिल को घाटा क्यों है। इसका मतलब चीनी मिल की नीयत ठीक नहीं है।

सेना की जमीन पर बना दी पूरी अवैध कॉलोनी

सेना ने झूंसी में सैकड़ों घरों पर लगाया लाल निशान

प्रयागराज, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रयागराज के नई झूंसी इलाके के पूरेसूरदास में करीब 100 घरों पर सेना ने लाल निशान लगाकर खाली करने का निर्देश दिया है। यह जमीन रक्षा मंत्रालय की है जिस पर लोगों ने अवैध रूप से कब्जा जमा रखा है। सेना ने नोटिस जारी कर 17 सितंबर दस्तावेजों के साथ कार्यालय बुलाया है। लाल निशान लगने के बाद इलाके में खलबली मच गई है।

रक्षा मंत्रालय ने नई झूंसी इलाके के पूरे सूरदास के करीब 100 मकानों पर निशान लगा दिया है। इसमें नई झूंसी पुलिस चौकी और भारतीय स्टेट बैंक की शाखा भी शामिल है। सेना ने जल्द से जल्द मकान खाली करने का नोटिस जारी कर दिया है। लाल निशान लगने के बाद पूरे मोहल्ले में खलबली मच गई है। रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि यहां की तकरीबन 75 एकड़ जमीन सेना की है।

सेना की जमीन पर जिन लोगों ने अवैध रूप से कब्जा करके कॉलोनी तैयार कर दी है उन्हें मकान खाली करने के लिए पहले नोटिस दिया जा चुका है, लेकिन इस पर अमल नहीं किया गया। सेना के अधिकारियों ने जिन घरों पर दुकानों पर लाल निशान लगाया है उनके मालिकों को मकान के कागजात और जमीन के दस्तावेजों के साथ 17 सितंबर को कार्यालय में तलब किया है। लाल निशान लगते ही पूरे मोहल्ले में खलबली मच गई है। सेना की जमीन पर लोगों अवैध रूप से कब्जा करके एक दो कॉलोनी ही नहीं पूरा मोहल्ला बस गया है। इन लोगों को मकान खाली करने के लिए पहले नोटिस दिया जा चुका है, लेकिन इस पर अमल नहीं किया गया। सेना के अधिकारियों ने जिन घरों पर दुकानों पर लाल निशान लगाया है उनके मालिकों को मकान के कागजात और जमीन के दस्तावेजों के साथ 17 सितंबर को कार्यालय में तलब किया है। लाल निशान लगते ही पूरे मुहल्ले में खलबली मच गई है।

काशी से ओड़ीशा और लखनऊ जाएंगी दुर्गा प्रतिमाएं

देवी देवताओं की 64 मूर्तियां बाहर भेजी जाएंगी

वाराणसी, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

नवरात्र में अब 10 दिन बचे हैं। दुर्गा पूजा के लिए काशी सजने-संवरने लगी है। यहां तैया हो रहीं दुर्गा प्रतिमाएं पूर्वांचल के अलावा उड़ीसा और लखनऊ भी जाएंगी। बनारस से बाहर मां दुर्गा सहित कुल 64 विग्रहों की प्रतिमाएं जाएंगी। बंगलाचाल की प्रतिमाएं भी रहेंगी।

मिनी बंगाल के नाम से मशहूर काशी में दुर्गा पूजा की तैयारी अंतिम दौर में चल रही है। ऑपरेशन सिंदूर से लेकर पर्यावरण संरक्षण सहित विभिन्न थीम पर मूर्तियां बन रही हैं। यहां से बाहर भी प्रतिमाएं जाएंगी। प्रख्यात मूर्तिकार अभिजीत विश्वास ने बताया कि उड़ीसा के काला हंडी जिले के लिए भी ऑडर आया था। यहां बंगलाचाल मां दुर्गा के साथ कुल आठ विग्रहों की मूर्तियां जाएंगी। जबकि लखनऊ में भी बंगलाचाल की प्रतिमा भेजी जाएगी। यहां के लिए कुल 32 प्रतिमाएं तैयार हो रही हैं। लखनऊ में छह साल से प्रतिमा जा रही है।

पूर्वांचल में मिर्जापुर, भदोही, जौनपुर के लिए 40 प्रतिमाएं तैयार हो रही हैं। अभिजीत विश्वास ने बताया कि मां दुर्गा के साथ मां लक्ष्मी, सरस्वती, गणेश जी व कार्तिकेय, शेर व राक्षस सहित कुल आठ प्रतिमाएं रहती हैं। खोजवां, देवनाथपुरा, शिवपुर, अखरी बाईपास आदि इलाकों में दुर्गा प्रतिमाएं तैयारी हो रही हैं। पश्चिम बंगाल से भी मूर्तिकार बुलाए गए हैं, जो रातभर मूर्तियों को निखारने में लगे हैं। जिले में पांच सौ से अधिक दुर्गा प्रतिमाएं बैठाई जाएंगी।

बनारस में परंपरागत मूर्तियों के अलावा विभिन्न थीम पर आधारित प्रतिमाएं बन रही हैं। अभिजित विश्वास ने बताया कि पूजा समितियां नई थीम पर ज्यादा मूर्तियों को बनवाने की मांग कर रही हैं। ऐसे में बंगलाचाल के अलावा काशी की शैली की प्रतिमाएं काफी बन रही हैं। इस बार यहां के बड़े पूजा पंडालों में 18 हाथों वाली मां दुर्गा, शांति का संदेश देते मुद्रा में, ऑपरेशन सिंदूर, आतंकवाद, पर्यावरण संरक्षण व महिला सशक्तीकरण आदि पर आधारित मां का स्वरूप दिया जा रहा है। मूर्तियों में देशभक्ति और नारी शक्ति का अनूठा संगम भी दिखेगा।

कर चोरी में मिर्जा इंटरनेशनल समूह पर आयकर का छापा

कानपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

कर चोरी मामले में आयकर विभाग ने मिर्जा इंटरनेशनल समूह की उन्नाव स्थित टेनरियों, फैक्टरियों, कानपुर स्थित प्रतिष्ठानों के अलावा नोएडा, गाजियाबाद, दिल्ली, उत्तराखंड और कोलकाता में कार्रवाई की। आयकर विभाग की 150 से ज्यादा अलग-अलग अफसरों की टीमों ने गुरुवार को देश के प्रमुख चमड़ा निर्यातक मिर्जा इंटरनेशनल समूह के कानपुर, उन्नाव, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद समेत दिल्ली, उत्तराखंड और कोलकाता में 45 से ज्यादा अलग-अलग प्रतिष्ठानों पर एक साथ छापा मारा। उन्नाव स्थित पांच टेनरियों और फैक्टरियों के अलावा कानपुर में 25 से ज्यादा स्थानों पर टीमें देर रात तक जांच पड़ताल करती रहीं। बड़े पैमाने पर दस्तावेजों को खंगाला गया है। लैपटॉप, मोबाइल जब्त किए गए हैं।

कानपुर के सिविल लाइंस, पार्वती बांग्ला रोड, ग्वालटोली, जाजमऊ, मालरोड स्थित प्रतिष्ठानों के अलावा उन्नाव स्थित पांच टेनरी, सहायक इकाई यूरो फुटवियर फैक्टरी पर छापा मारा गया। टेनरियों और फैक्टरी में सुबह की शिफ्ट इसी समय शुरू होती थी। कर्मचारी टेनरी और फैक्टरी आ भी गए थे। उन्हें गेट में ही रोक दिया गया और बाद में घर जाने के लिए कह दिया गया। इसके बाद टीमों ने टेनरी में तैयार, कच्चा, पैकिंग, निर्यात ऑर्डरों, आईटीसी, कच्चा माल खरीद से जुड़े दस्तावेजों को खंगाला। उन्नाव स्थित फुटवियर फैक्टरी में भी इसी तरह से जांच-पड़ताल की गई। मिर्जा इंटरनेशनल समूह देश के सबसे बड़े निर्यातकों में शामिल है। मिर्जा इंटरनेशनल के रेडटेप ब्रांड के जूते पूरी दुनिया में मशहूर हैं। अफसरों को नकदी और गहने भी मिले हैं। हालांकि इनके मूल्य का खुलासा नहीं किया गया।

आयकर विभाग ने अकरमपुर औद्योगिक क्षेत्र में भी छापामारी की। उन्नाव जिले के अकरमपुर औद्योगिक क्षेत्र में गुरुवार सुबह आयकर विभाग की टीमों ने यूरो फुटवियर, मिर्जा सहित कई फैक्ट्रियों पर एक साथ छापा मारा। फैक्टरी कर्मचारियों को बाहर ही रोक दिया गया और पूरे परिसर को सील कर दस्तावेज व कंप्यूटर खंगाले जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी के इनपुट मिलने पर यह कार्रवाई शुरू की गई है।

यूपी का रक्षा उद्योग ढांचा और निवेश बन रहा विकास का आधार

अबतक 45 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव, 15 लाख करोड़ धरातल पर
रक्षा उद्योग कॉरिडोर में अबतक 28 हजार करोड़ से अधिक का निवेश

लखनऊ, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश अगले 22 वर्षों में एक नए औद्योगिक और सामरिक अवतार में उभरने की ओर अग्रसर है। निवेश और रक्षा उद्योग दो ऐसे स्तंभ हैं, जो न केवल उत्तर प्रदेश की समृद्धि बल्कि पूरे देश की आत्मनिर्भरता का आधार बनेंगे।

2017 से पहले उत्तर प्रदेश निवेश और उद्योग के क्षेत्र में पिछड़े राज्यों में गिना जाता था। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की स्थिति बेहद सीमित थी और रक्षा क्षेत्र में निजी भागीदारी लगभग नगण्य थी। न तो निवेशकों को सुरक्षित वातावरण मिलता था और न ही पर्याप्त नीति समर्थन। बीते साढ़े आठ साल में यूपी ने निवेश के क्षेत्र में ऐतिहासिक छलांग लगाई है। प्रदेश को अब तक 45 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 15 लाख करोड़ रुपए से अधिक को धरातल पर उतारा जा चुका है। इसके परिणामस्वरूप 60 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार और लाखों परिवारों को स्वरोजगार मिला है। फरवरी 2024 में आयोजित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के दौरान ही 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों का क्रियान्वयन शुरू हुआ। यूपी ने उद्यमियों के लिए 33 सेक्टोरल नीतियां लागू कीं और 'निवेश मित्र' जैसे डिजिटल प्लेटफार्म को शुरू किया, जो देश का सबसे कुशल सिंगल विंडो पोर्टल बन चुका है।

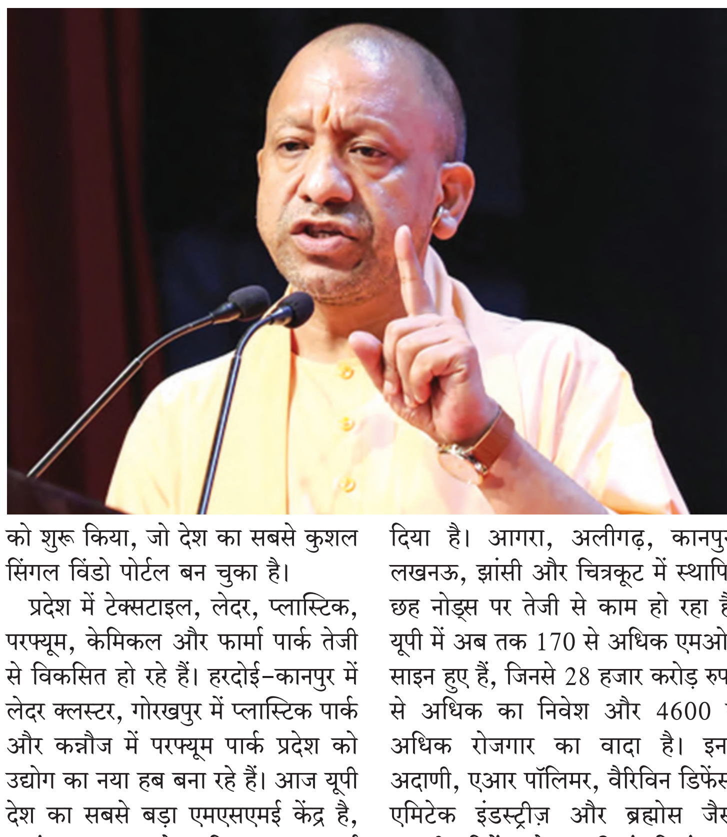

प्रदेश में टेक्सटाइल, लेदर, प्लास्टिक, परफ्यूम, केमिकल और फार्मा पार्क तेजी से विकसित हो रहे हैं। हरदोई-कानपुर में लेदर क्लस्टर, गोरखपुर में प्लास्टिक पार्क और कन्नौज में परफ्यूम पार्क प्रदेश को उद्योग का नया हब बना रहे हैं। आज यूपी देश का सबसे बड़ा एमएसएमई केंद्र है, जहां 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां कार्यरत हैं।

फरवरी 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर ने यूपी को सामरिक मजबूती का केंद्र बना दिया है। आगरा, अलीगढ़, कानपुर, लखनऊ, झांसी और चित्रकूट में स्थापित छह नोड्स पर तेजी से काम हो रहा है। यूपी में अब तक 170 से अधिक एमओयू साइन हुए हैं, जिनसे 28 हजार करोड़ रुपए से अधिक का निवेश और 4600 से अधिक रोजगार का वादा है। इनमें अदाणी, एआर पॉलिमर, वैरिविन डिफेंस, एमिटेक इंडस्ट्रीज़ और ब्रह्मोस जैसी नामचीन डिफेंस सेक्टर की कंपनियां कार्य शुरू कर चुकी हैं। जैसे, कानपुर में बुलेटप्रूफ जैकेट और आधुनिक सैन्य सामग्री का उत्पादन हो रहा है। अलीगढ़ में स्मॉल आर्म्स और राडार तकनीक पर काम चल रहा है। सबसे बड़ी उपलब्धि है, लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल का उत्पादन, जो प्रदेश को वैश्विक स्तर पर रक्षा उत्पादन का हब बनाएगा।

सरकार ने रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए आईआईटी कानपुर और आईआईटी बीएचयू से समझौता किया है। यह संस्थान रक्षा निवेशकों को अनुसंधान एवं विकास, स्टार्टअप्स को इनक्यूबेशन और नई तकनीक उपलब्ध कराने में मदद कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट विजन है कि यूपी को मैन्युफैक्चरिंग एक्सपोर्ट और एफडीआई में देश में प्रथम स्थान दिलाना है। 2047 तक यूपी में फॉर्च्यून ग्लोबल 500 की कम से कम 5 कंपनियां मुख्यालय स्थापित करें, इसके लिए रणनीतिक स्तंभ तय किए गए हैं, इनमें एयरोस्पेस, डिफेंस प्रोडक्शन, अपैरल, ईवी और सेमीकंडक्टर सेक्टर को सबसे अधिक वरीयता दी जा रही है।

फिलहाल यूपी की जीएसडीपी करीब 353 बिलियन डॉलर है। लक्ष्य है कि 2030 तक इसे वन ट्रिलियन डॉलर, 2036 तक दो ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक छह ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचना है। इसके लिए प्रदेश को 16 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर बनाए रखनी होगी। इसमें निवेश और रक्षा उद्योग दोनों प्रमुख आधार स्तंभ होंगे।

हैदरी दल का मास्टरमाइंड मध्य प्रदेश से गिरफ्तार

बरेली, 11 सितंबर (एजेंसियां)।

सोशल मीडिया मंचों से हैदरी दल के नाम पर इस्लामिक कट्टरता और नफरत फैलाने के आरोपी को बरेली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का दावा है कि अकबर अली नाम के उस युवक को मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा से गिरफ्तार किया गया। अकबर अली वहीं से बैठकर सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट किया करता था।

बरेली में सोशल मीडिया पर हैदरी दल के बहाने धार्मिक कट्टरता फैलाने वालों पर कार्रवाई के बाद अब मास्टरमाइंड की गिरफ्तारी की गई है। वह मध्यप्रदेश का निवासी अकबर अली नाम का युवक निकला, जो केवल चौथी कक्षा तक ही पढ़ा है। कोतवाली पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी कर ली। एसपी सिटी की प्रेसवार्ता के बाद बृहस्पतिवार को आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेजा गया है।

एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि कुछ महीने पहले हैदरी दल यूपी-25 नाम के अकाउंट से भड़काऊ पोस्ट की गई थीं। हैदरी दल कार्यकर्ता बताने वालों ने मुस्लिम युवतियों को कंपनी गार्डन में परेशान किया था। इसके बाद कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कई लोगों को जेल भेजा था। युवकों के जेल जाने के बाद मामला ठंडा हो गया था। पुलिस ने इंस्टाग्राम अकाउंट चिह्नित कर बंद करा दिए लेकिन कुछ समय बाद हैदरी दल के अकाउंट दोबारा सक्रिय हो गए। कोतवाली में तीन सितंबर को रिपोर्ट दर्ज की गई।

जांच में सर्विलांस टीम को पता चला कि हैदरी दल के अकाउंट मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के पास से हैंडल किए जा रहे हैं। साइबर और सर्विलांस टीम की मदद से कोतवाली पुलिस ने मध्य प्रदेश के जिला पांढुर्ना थाना सौंसर स्थित पटेल कॉलोनी निवासी अकबर अली को गिरफ्तार कर लिया। वह मूल रूप से यूपी के ही जिला फतेहपुर के थाना रिठवा के गांव अवाजीपुर का निवासी है। मध्य प्रदेश में रहकर हैदरी दल के अकाउंट से नफरत फैला रहा था। पुलिस ने अकबर अली को हिरासत में ले लिया और उसे पूछताछ कर जेल भेज दिया।

सीओ आशुतोष शिवम ने बताया कि चौथी पास अकबर अली हैदरी दल का मास्टरमाइंड है। अकबर अली ने महज कक्षा चार तक पढाई की। इसके बाद वह अपने पिता की कपड़े की दुकान पर काम करने लगा। तीन भाइयों में अकबर अली सबसे छोटा है। वह दिन भर सोशल मीडिया पर सक्रिय रहता था। उसने इंस्टाग्राम पर तीन, यूट्यूब और व्हाट्सएप पर एक-एक अकाउंट बना रखा है। अकबर अली फर्जी वीडियो एडिट कर अपने अकाउंट पर डालता था। कई लोग अकबर अली से सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर जुड़ गए थे। वह कम पढ़ा लिखा था लेकिन खुद को विद्वान दिखाने के लिए दूसरे सोशल मीडिया ग्रुपों से वीडियो आदि लेकर उन्हें एडिट करके भड़काऊ बनाता था और पोस्ट कर देता था। सीओ ने बताया कि उसके और भी साथियों का पता लगाया जा रहा है।

संपादकीय

अब आंदोलन नहीं, हिंसक अपराध

नेपाल के युवाओं का आंदोलन समझ में आता है, मुद्दे और मांग भी वाजिब हैं, लेकिन जिस तरह यह विद्रोह हिंसक और विध्वंसक हुआ है, लोकतांत्रिक समाज में वह कभी भी स्वीकार्य नहीं हो सकता। ऐसा आभास होता है मानो युवा पूरे ही नेपाल को जला कर खाक कर देना चाहते हैं और उनके स्थान पर नई व्यवस्था कायम करना चाहते हैं! किसी भी निर्माण के लिए विध्वंस अनिवार्य नहीं है। जो कल तक नेपाल के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मंत्री थे, उनके निजी आवास फूंक दिए गए। क्यों...उनके परिजनों का अपराध क्या था? पूर्व प्रधानमंत्रियों-शेर बहादुर देउबा, झालानाथ, प्रचंड, बाबूराम भट्टराई-के भी घर आग के हवाले कर दिए गए। देउबा को तो बीच सड़क पर खूब पीटा भी गया। पूर्व प्रधानमंत्री झालानाथ की पत्नी राजलक्ष्मी को जिंदा जलाया गया। बाद में उनकी मौत हो गई। उनका कसूर क्या था? वित्त मंत्री को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा गया। गृह, संचार, विदेश आदि मंत्रियों के घर भी आग की लपटों के हवाले कर दिए गए। यह आंदोलन है? ये सभी नेपाल के जन-प्रतिनिधि थे। नेपाल की जनता ने ही जनादेश दिया था। यदि वे भ्रष्ट, ऐयाश और जन-विरोधी थे, तो आंदोलन ने उनके इस्तीफे करा दिए। अंततः न्याय तो अदालत करेगी। उनके घर खंडहर कर दिए गए अथवा जला कर खाक कर दिए गए। इससे आंदोलित युवाओं को क्या हासिल होगा? रोजगार, रोटी कैसे मिलेगी? महंगाई और भुखमरी कैसे कम होगी? अंततः नेपाल को न्याय कैसे मिलेगा? प्रदर्शनकारी पीढ़ी ने आवेश-आक्रोश में अंधा होकर संसद भवन, सर्वोच्च अदालत और नेपाल की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक पहचान के प्रतीक 'सिंह दरबार' को भी आग की लपटों में घेर दिया। यदि जेनरेशन जेड को इंसाफ की दरकार थी, तो वह सर्वोच्च अदालत से ही संभव था। शुक्र है कि न्यायाधीशों पर निजी हमले नहीं किए गए! संसद भवन तो नेपाल के गणतांत्रिक स्वरूप का सर्वोच्च मंदिर रहा है। अब नए चुनाव होंगे, युवा चेहरे भी सांसद चुने जाएंगे, तो वे कहां बैठ कर देश के लिए कानून बनाएंगे या किस सदन में मुद्दों और समस्याओं पर बहस कर सकेंगे? आंदोलनकारियों ने थानों, बैंकों, मॉल्स में तोड़फोड़ की, लूटपाट मचाई! नेपाली युवाओं की दयनीय स्थिति के लिए ये संस्थान कैसे दोषी, जिम्मेदार हैं? हमें लगता है कि अब यह आंदोलन नहीं, डकैती और हिंसक अपराध हैं। अब कई हथियारबंद चेहरे आंदोलन का नेतृत्व करते दिख रहे हैं। क्या हथियारबंद क्रांति का आह्वान किया गया था? उपद्रवी तो 'ज्योतिर्लिंग' पशुपतिनाथ मंदिर में भी घुसने वाले थे, उन्हें सेना ने किसी तरह काबू किया। तितर-बितर कर दिया। अब ऐसा लगता है कि आंदोलनकारी पूरे नेपाल को ही जला कर खाक करना चाहते हैं, ताकि नया नेपाल, नई व्यवस्था बनाई जा सके। काठमांडू हवाई अड्डे से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को बंद करना पड़ा था। एयर इंडिया और इंडिगो की उड़ानें भी प्रभावित हुई हैं। करीब 700 भारतीय यात्री फंसे हैं। विदेश मंत्रालय ने अपील जारी की है कि फिलहाल नेपाल-यात्रा को स्थगित कर दें। प्रधानमंत्री मोदी को कैबिनेट की सुरक्षा समिति की बैठक तुरंत बुलानी पड़ी। समिति ने सुरक्षा से जुड़े पहलुओं पर विमर्श किया। नेपाल सीमा के क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। गहन जांच-पड़ताल की जा रही है। भारत नेपाल को 600 मेगावाट बिजली देता है और 90 फीसदी पेट्रोल-डीजल की जरूरतों को पूरा करता है। नेपाल के साथ भारत का कारोबार कई स्तरीय है। सुरक्षा के मद्देनजर खुफिया एजेंसियों को पैनी नजर रखने के आदेश दिए गए हैं। बहरहाल अब नेपाली सेना सड़कों पर सक्रिय है। कुछ अपराधी किस्म के आंदोलनकारियों को हिरासत में भी लिया गया है। नेपाल के हालात श्रीलंका और बांग्लादेश से भी भयावह और खतरनाक बन गए हैं। फिलहाल नेपाल सेना की लगाम से चलेगा, लेकिन अंतरिम सरकार जैसी कोई व्यवस्था तो बनानी ही पड़ेगी। कार्यवाहक प्रधानमंत्री के लिए भी राजनीति शुरू हो गई है। सेना प्रमुख जनरल अशोक राज सिग्देल ने देश से अपील की है कि शांति और स्थिरता बनाए रखें। उन्होंने बातचीत के लिए कुछ आंदोलनकारियों को भी बुलाया है। यह आलेख लिखे जाने तक पड़ोसी देश नेपाल में हिंसा कुछ कम हुई है, लेकिन उग्र प्रदर्शन अब भी जारी हैं।

> लोकतांत्रिक समाज में वह कभी भी स्वीकार्य नहीं हो सकता। ऐसा आभास होता है मानो युवा पूरे ही नेपाल को जला कर खाक कर देना चाहते हैं और उनके स्थान पर नई व्यवस्था कायम करना चाहते हैं! किसी भी निर्माण के लिए विध्वंस अनिवार्य नहीं है। जो कल तक नेपाल के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मंत्री थे, उनके निजी आवास फूंक दिए गए। क्यों...उनके परिजनों का अपराध क्या था? पूर्व प्रधानमंत्रियों-शेर बहादुर देउबा, झालानाथ, प्रचंड, बाबूराम भट्टराई-के भी घर आग के हवाले कर दिए गए। देउबा को तो बीच सड़क पर खूब पीटा भी गया। पूर्व प्रधानमंत्री झालानाथ की पत्नी राजलक्ष्मी को जिंदा जलाया गया। बाद में उनकी मौत हो गई। उनका कसूर क्या था? वित्त मंत्री को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा गया। गृह, संचार, विदेश आदि मंत्रियों के घर भी आग की लपटों के हवाले कर दिए गए। यह आंदोलन है? ये सभी नेपाल के जन-प्रतिनिधि थे। नेपाल की जनता ने ही जनादेश दिया था। यदि वे भ्रष्ट, ऐयाश और जन-विरोधी थे, तो आंदोलन ने उनके इस्तीफे करा दिए। अंततः न्याय तो अदालत करेगी। उनके घर खंडहर कर दिए गए अथवा जला कर खाक कर दिए गए। इससे आंदोलित युवाओं को क्या हासिल होगा? रोजगार, रोटी कैसे मिलेगी? महंगाई और भुखमरी कैसे कम होगी? अंततः नेपाल को न्याय कैसे मिलेगा? प्रदर्शनकारी पीढ़ी ने आवेश-आक्रोश में अंधा होकर संसद भवन, सर्वोच्च अदालत और नेपाल की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक पहचान के प्रतीक 'सिंह दरबार' को भी आग की लपटों में घेर दिया।

आज का मुद्दा

क्यों जला नेपाल?

पड़ोसी देश नेपाल जल रहा है। वहां युवाओं ने तख्ता पलट दिया है। कुछ हद तक श्रीलंका और बांग्लादेश की तरह। इस समय वहां के प्रधानमंत्री ओली भाग गए हैं और सेना के हाथ में कमान है। सैकड़ों वर्षों से हिंदू राष्ट्र के रूप में स्थापित यह देश जब कम्युनिस्टों के हाथ आया तो इसे सेक्युलर का दर्जा दे दिया गया। कम्युनिस्टों ने सत्तर के दशक से ही यहां की राजनीति में दस्तक देना शुरू कर दिया था। महाराजा वीरेंद्र वीर विक्रम शाह देव ने 1972 से 2001 तक यानी मृत्यु तक यहां शासन किया था। उस साल उनके पूरे परिवार की हत्या कर दी गई थी और आरोप लगा था उनके बड़े बेटे दीपेंद्र पर, जबकि सच्चाई उससे कोसों दूर थी। उनके निधन के बाद उनके छोटे भाई ज्ञानेंद्र को महाराजा बनाया गया, लेकिन यह बहुत अलोकप्रिय हो गए और माओवादियों के नेतृत्व में जनता ने विद्रोह कर दिया। नेपाल राजशाही राज्य से एक लोकतांत्रिक राष्ट्र बन गया। सत्ता कम्युनिस्टों के हाथ में चली गई। भारत-चीन के संबंधों में आम तौर पर तटस्थ रहने वाला यह देश चीन का पिछलग्गू बनने लगा। कम्युनिस्ट पार्टी के शीर्ष नेता प्रचंड और केपी शर्मा ओली दोनों चीन की लाइन पर चलते थे। प्रधानमंत्री ओली की चीन परस्ती और कार्यशैली से सभी निराश होने लगे थे। उनका व्यवहार एक डिक्टेटर की तरह होने लगा था। उनके पास नेपाल की समस्याओं के हल का कोई फॉर्मूला नहीं था। वह बात-बात में चीन पहुंच जाते थे और वहां से निर्देश लेते थे। चीन के इशारे पर ही उन्होंने भारत से झगड़ा मोल लिया और लिपूलेख, कालापानी तथा लिम्पियाधुरा को नेपाल का घोषित कर दिया। इतना ही नहीं, ओली ने तो इन्हें अपने झंडे में स्थान भी दिया। इससे दोनों देशों के संबंधों में खटास आ गई।

अलग-अलग जनजातीय समुदाय के लोगों के बीच सौहार्द का माहौल बना रहे हैं

मणिपुर में शांति की पहल

प्रमोद भार्गव

फरवरी 2023 में मणिपुर में वुकी और मैतेई समुदायों के बीच दंगों की शुरुआत हुई थी। अब जाकर यहां स्थायी शांति की दिशा में वेंद्र सरकार के हस्तक्षेप से वुकी समुदायों के संगठनों के बीच समझौते पर सहमति बन पाई है। वुकी नेशनल ऑग्रेनाइजेशन (केएनओ) और यूनाइटेड पीपुल्स प्रंट (यूपीएफ) ने एक साल के लिए सभी ऑपरेशन निलंबित करने का पैसला लिया है। वुकीजो परिषद ने राष्ट्रीय राजमार्ग-2 को खोलने का निर्णय किया है, जिससे हिसा के बाद पहली बार मुफ्त आवाजाही शुरू हो। इन उपायों से राज्य में शांति की उम्मीद जगी है। इससे पहले मणिपुर में जारी खूनी संघर्ष के चलते संबंधित पक्ष अपनी शर्तो को मनवाने के लिए अडिग थे। इस कारण समझौते का रास्ता नहीं खुल रहा था। अब वुकी-जो के दोनों प्रमुख संगठनों और वेंद्र व राज्य सरकार के बीच समझौते पर हस्ताक्षर हो गए हैं। बावजूद यह कहना मुश्किल है कि स्थायी शांति बनी रहेगी? वुकी गुटों ने मुख्य रूप से मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता बरकरार रखने पर सहमति जताई है, जो मैतेई समुदाय की प्रमुख मांग थी। वरना इसके पहले वुकी संगठन अलग पहाड़ी राज्य बनाने की मांग कर रहे थे। यह चुनौती बड़ी थी, जिसे सरकार द्वारा स्वीकारना कठिन था। इसीलिए अब उम्मीद की जा रही है कि टकराव और हिसक संघर्ष की स्थिति समाप्त होगी और यह समझौता स्थायी सामाधान होगा। हालांकि इस समझौते के सामानांतर मणिपुर की नगाओं की संस्था ने मुत्त आवागमन के साथ भारत-म्यामां सीमा पर बाड़बंदी करने का विरोध करते हुए कारोबारी प्रतिबंध की घोषणा कर दी है। इस वत्तव्य के बाद वुकीजो परिषद ने कहा है कि समझौते को मैतेईं बस्तियों और वुकी-जो के क्षेत्रों के बीच के बफरजोन में किसी तरह की आवाजाही के रूप में नहीं समझा जाए। अब लोगों की सुरक्षित आवाजाही सुनिति करना सरकार का काम है। इससे स्थायी शांति की आशंका बनी हुई है। संभावना बन रही है कि 13 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मिजोरम पहुंच रहे हैं। उम्मीद है कि उसके एक दिन पहले मोदी मणिपुर जा सकते हैं। सूत्रों से मिल रही जानकारियों के अनुसार प्रधानमंत्री के लिए मैतेईं बहुल इंफाल के साथ-साथ वुकी बहुल चुड़चांदपुर में भी आगमन की तैयारियां शुरू हो गईं हैं। प्रधानमंत्री दोनों समुदायों को साधने की कोशिश करेंगे। मणिपुर में हिसा भड़कने के बाद यह पहला दौरा होगा। विपक्ष प्रधानमंत्री के मणिपुर नहीं जाने पर तल्ख टिप्पणी करके लगातार निशाना साध रहा था। 13 फरवरी 2025 को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। उसके बाद से लगातार गृह मंत्रालय के अधिकारियों के साथ केएनओ और यूपीएफ के प्रतिनिधियों से गंभीर बातचीत चल रही थी। इसी बातचीत के फलतः यह सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन्स (एसओएस) त्रिपक्षीय समझौता संभव हुआ है। यह समझौता एक साल के लिए लागू रहेगा। याद रहे कि वुकी गुटों के साथ 2008 में ही एसओएस पर समझौता हुआ था, जिसे हर साल बढ़ाया जा रहा था। लेकिन हिसा के चलते 2024 में इसे बढ़ाया नहीं गया था और अब नईं शर्तो के साथ एसओएस पर समझौता हुआ है। समझौते में मणिपुर की अखंडता बनाए रखने के साथ ही स्थायी शांती और स्थिरता लाने के लिए वार्तालाप के माध्यम से सामाधान निकालने की जरूरत पर बल दिया गया है। इसके तहत मैतेईं समुदाय की प्रमुख आपत्तियों के सामाधान भी तलाशे हैं। इसके तहत वुकी गुटों को अपने शिविर ऐसे स्थलों से हटाने होंगे, जो मैतेईं समुदाय से सटे हुए हैं। दरअसल मैतेईं समुदाय आरोप लगाता रहा है कि वुकी अपने शिविरों से मैतेईंयों पर हमले करते रहते हैं। इन गुटों को यह भी सत्यापित करना होगा कि उनके गुटों में कोईं विदेशी नागरिक तो शामिल नहीं है। इन गुटों के पास जो भी मारक हथियार हैं, उन्हें बीएसएफ और सीआरआरपीएफ के नजदीकी शिविरों में जमा करना होगा। जिससे हिसक मुठभेड़ की आशंका पर विराम लग सके। इन शर्तो पर कठोरता से पालन के लिए संयुत्त निगरानी समिति बनाईं जाएगी। फरवरी 2023 में राज्य सरकार ने पहाड़ी और जंगली क्षेत्रों से अवैध प्रवासियों को बाहर करने की शुरूआत की थी। इन क्षेत्रों की नगा और वुकी समुदाय की 34 जातियां, जनजाति की श्रेणी में अधिसूचित हैं। अतएव इनके लिए चिन्हित भूभाग पर किसी गैर-जनजातीय समुदाय के लोग काबिज नहीं हो सकते हैं। विडंबना यह रही कि जिन लोगों को प्रवासी बताकर विस्थापन का सिलसिला शुरू हुआ तो उन्हें इस इलाके के मूल निवासी वुकी समुदाय ने अपना बताया। किंतु सरकार ने इस तथ्य पर ध्यान न देते हुए वूकियों की बेदखली का सिलसिला तो बनाए ही रखा, साथ ही मैतेईं समुदाय को जब जनजाति का दर्जा मिल गया, तब उन्हें बलपूर्वक नगा और वूकी समुदाय के लोगों को आरक्षित भूखंडों पर भी काबिज होने से नहीं रोका। विवाद की असली जड़ यही विरोधाभास रहा था। इससे उपजे संघर्ष में वुकी और मैतेईं समुदायों के बीच इतनी गहरी दुर्भावना पैदा हो गईं थी कि बीते सवा-दो-ढाईं साल से इस समस्या का हल नहीं निकल रहा था। यह जातीय हिसा इस हद तक भड़की कि अनेक निदरेष महिलाओं पर बर्बर अत्याचार के साथ जघन्य बालात्कार के मामले भी सामने आते रहे हैं। करीब 250 लोग इस हिसा में अपने प्राण गवां चुके हैं। मैतेईं समुदाय इस इलाके में शैक्षिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से सक्षम वर्ग है। संख्याबल में भी वे अधिक हैं। ज्यादातर मैतेईं हिदू होने के साथ वैष्णव संप्रदाय से जुड़े हैं। इनमें से वुछ मतांतरित मुसलमान भी हैं। जबकि नगा और वूकियों में से 90 फीसदी धर्मांतरित ईंसाईं हैं। इस लिहाज से यह विवाद आसानी से धरमिक रंग में बदलकर हिसक हो गया था। इसे धरमिक रंग देने में ड्रग माफिया ने भी आग में घी डालने का काम किया। समूचे पूवरेत्तर भारत में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निर्यांत नशे का कारोबार खूब फल-पूल रहा है। यहां प्रत्येक माह हेरोइन बड़ी मात्रा में पकड़ी जाती है। बड़ी मात्रा में यहां अफीम की खेती भी खूब होती है। पूवरेत्तर में अलगाव एवं हिसा कम हुईं है। एक बड़े भूभाग में प्रगति व विकास का वातावरण बना है। लोग इसी मानसिक दृष्टि से आगे बढ़ रहे हैं। अलग-अलग जनजातीय समुदाय के लोगों के बीच सौहार्द का माहौल बना रहे हैं। इस दृष्टि से लंबे समय से चल रहे प्रयासों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिका भी समझौते की पृष्ठभूमि में रही है। संवाद स्थापित करके जो समझौता अब किया गया है, वह जातीय हिसा भड़कने के तत्काल बाद किया जाता तो न केवल मणिपुर बल्कि समूचे पूवरेत्तर भारत के लिए कहीं अधिक शुभ रहता।

> वुकीजो परिषद ने राष्ट्रीय राजमार्ग-2 को खोलने का निर्णय किया है, जिससे हिसा के बाद पहली बार मुफ्त आवाजाही शुरू हो। इन उपायों से राज्य में शांति की उम्मीद जगी है। इससे पहले मणिपुर में जारी खूनी संघर्ष के चलते संबंधित पक्ष अपनी शर्तो को मनवाने के लिए अडिग थे। इस कारण समझौते का रास्ता नहीं खुल रहा था। अब वुकी-जो के दोनों प्रमुख संगठनों और वेंद्र व राज्य सरकार के बीच समझौते पर हस्ताक्षर हो गए हैं। बावजूद यह कहना मुश्किल है कि स्थायी शांति बनी रहेगी? वुकी गुटों ने मुख्य रूप से मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता बरकरार रखने पर सहमति जताई है, जो मैतेई समुदाय की प्रमुख मांग थी। वरना इसके पहले वुकी संगठन अलग पहाड़ी राज्य बनाने की मांग कर रहे थे।

देश दुनिया से

हो जाए दुनिया खुशनुमा

एक प्रसिद्ध व्यक्ति ने एक बार कहा था कि जब मैं छोटा था तो मेरे ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं थी, मेरी कल्पनाओं की भी कोई सीमा नहीं थी। मैं दुनिया बदलने के बारे में सोचा करता था। जब मैं थोड़ा बड़ा हुआ, बुद्धि कुछ बढ़ी तो सोचने लगा कि ये दुनिया बदलना तो बहुत मुश्किल काम है, इसलिए मैंने अपना लक्ष्य थोड़ा छोटा कर लिया, सोचा दुनिया न सही, मैं अपना देश तो बदल ही सकता हूं। पर जब कुछ और समय बीता तो लगा कि ये देश बदलना भी कोई मामूली बात नहीं है, मैं बस अपने परिवार और करीबी लोगों को बदलता हूं, पर मैं वो भी नहीं कर पाया, और अब जब मैं इस दुनिया में कुछ दिनों का ही मेहमान हूं तो मुझे एहसास होता है कि अगर मैंने खुद को बदलने की राह पकड़ी होती तो मैं तो बदलता ही, मुझे देखकर मेरा परिवार भी बदल जाता, और क्या पता उनसे प्रेरणा लेकर कुछ और लोग भी बदल जाते। देश बदलता या न बदलता, पर हमारे आसपास की दुनिया जरूर बदल जाती। हम सब हर किसी से कुछ न कुछ सीखते हैं, कुछ प्रेरणा लेते हैं, हम सब का कोई न कोई रोल-मॉडल होता है, कोई हीरो होता है, कोई आदर्श व्यक्ति होता है और हम उस जैसा बनना चाहते हैं। यह एक प्राकृतिक बात है। अगर हम इस छोटी-सी बात को समझ लें तो जीवन खुशनुमा हो जाएगा। खुद हमेशा खुश रहना, मुस्कुराते रहना, खुद भी खुश रहना और दूसरों को भी खुश रखना बहुत ज्यादा मुश्किल नहीं है। किसी की बात का बुरा न मानना, किसी ने कुछ गलत कह दिया तो मीठे शब्दों में जवाब देना एक ऐसा गुण है जिसका कोई सानी नहीं है। इससे हमारे आसपास के लोग हमसे प्रेम करने लगते हैं। तीन बातें ऐसी हैं जो सच हैं, सब पर लागू होती हैं और सब उससे लाभ उठा सकते हैं। पहली बात तो यह है कि हमारी महंगी चीजों से, महलनुमा घर से, बड़ी गाड़ी से, ब्रांडेड कपड़ों के कारण कोई हमसे प्रभावित नहीं होता। लोग देखते हैं, उनकी आंखें हैरानी से और प्रशंसा से फैलती हैं, पर वो उस चीज की प्रशंसा होती है, हमारी नहीं। जब हम किसी की बड़ी गाड़ी देखते हैं तो विचार यही आता है कि काश, हमारे पास भी वैसी गाड़ी होती। गाड़ी के अंदर कौन बैठा है, हम उसकी ओर देखते भी नहीं। हम गाड़ी के मालिक को नहीं देखते, गाड़ी देखते हैं, जबकि गाड़ी वाला इस गलतफहमी में रहता है कि लोग उसे देख रहे हैं। महंगी चीजों के बजाय जब हम किसी से प्रेम करते हैं, किसी की प्रशंसा करते हैं, किसी की हिम्मत बंधाते हैं, किसी के काम आते हैं, तब हम रिश्ते बनाते हैं या रिश्ते मजबूत करते हैं। दूसरी बात यह है कि दुनिया हर रोज बदल रही है, नई तकनीक आ रही है, नए आविष्कार हो रहे हैं, काम करने के ढंग बदल रहे हैं। इसलिए हमें हर रोज कुछ न कुछ नया सीखना चाहिए। नया सीखेंगे तो ही नया कर पाएंगे और दुनिया के साथ चल पाएंगे, वरना पीछे रह जाएंगे। सच तो यह है कि सीखना बंद, तो जीतना बंद। तीसरी बात यह कि अक्सर जीवन में ऐसे क्षण आते हैं जब कोई हमें अपना दुख बताना चाहता है, अपनी चिंता जाहिर करना चाहता है, अपनी समस्या के बारे में बात करना चाहता है, लेकिन हम हैं कि सुनते ही नहीं, पूरी बात सुने बिना सलाह देने लग जाते हैं, या तो उसकी गलती निकालने लग जाते हैं या फिर तरह-तरह के हल सुझाने शुरू कर देते हैं। हमने पूरी स्थिति को समझा नहीं, जाना नहीं, समस्या से जुड़े बाकी तथ्यों और लोगों के बारे में कुछ भी जाने बिना सलाह देने पर उतर आते हैं। हम में सुनने का धीरज ही नहीं है। जो व्यक्ति हमें अपनी समस्या बताकर दिल की भड़ास निकालने आया था, हमारे व्यवहार से वह और भी परेशान होकर वापस चला जाता है। सच तो यह है कि बहुत से मामलों में समस्याग्रस्त व्यक्ति को हमारी सलाह की आवश्यकता ही नहीं होती, उन्हें बस धीरज से सुन पाने वाला कोई व्यक्ति चाहिए, जो सहानुभूतिपूर्वक उनकी बात सुन ले, कोई सलाह न दे, कोई सुझाव न दे, बस बात सुनता जाए और 'हां', 'हूं' करता रहे। जो व्यक्ति अपनी समस्या बता रहे हैं, समस्या बताते-बताते ही उन्हें कोई कारगर हल भी सूझ सकता है क्योंकि उनका दिमाग समस्या बताने के साथ-साथ समस्या का विश्लेषण भी करता चल रहा है। समस्या से जुड़े होने के कारण उन्हें समस्या के हर पहलू का ज्ञान है, अपनी समस्या के बारे में बताते हुए बातचीत में उन्हें कुछ ऐसे पहलू भी नजर आ गए जिन पर पहले उनकी नजर नहीं गई थी। सामने वाले की बात को सुनना, पूरी बात सुनना, धीरज से सुनना ही मानो सबसे बढिया इलाज है। किसी की बात सुनना, ध्यान से सुनना, बिना किसी पूर्वाग्रह के सुनना तपस्या सरीखा है क्योंकि सामने वाले को सहानुभूतिपूर्वक सुनने वाला मिल गया, उनका दिल हल्का हो गया। यह किसी तपस्या से कम नहीं है। 'सहज संन्यास मिशन' के अनुयायी हम संन्यासियों की दिनचर्या का यह महत्वपूर्ण अंग ही है कि हम किसी का दुख बंटाएं, किसी की बात धीरज से सुनें, किसी का दर्द बांटें। आत्महत्या के जितने भी मामले होते हैं उनके पीछे एक मुख्य कारण यह भी है कि आत्महत्या करने वाले के पास कोई ऐसा व्यक्ति नहीं था जो उनकी बात सुनता, समझता, उन्हें धीरज बंधाता और उनमें जीवन की जिजीविषा को, जीवन जीने की चाह को फिर से जगाता। लब्बोलुबाब यह कि परिवार में, समाज में, व्यवसाय में, पेशेवर जीवन में रहते हुए हम बातचीत की कला सीखें या न सीखें, सुनने की कला में महारत अवश्य हासिल करें ताकि जीवन सुखमय हो जाए। हम सब में दुनिया बदलने की ताकत है, पर इसकी शुरुआत खुद से होती है। कुछ और बदलने से पहले हमें खुद को बदलना होता है, खुद को तैयार करना होता है, अपनी योग्यता बढ़ानी होती है, अपने दृष्टिकोण को सकारात्मक रखना होता है, अपने साहस को फौलाद करना होता है, तभी हम वो बदलाव लाने के काबिल हो पाते हैं, जो हम लाना चाहते हैं। इसी बात को महात्मा गांधी ने बड़े प्रभावी ढंग से कहा है, 'बी दि चेंज, दैट यू विश टु सी इन दि वल्ड।' यानी, खुद वो बदलाव बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं। हम सुधरेंगे तो युग सुधरेगा, और हम बदलेंगे तो युग बदलेगा। तो चलिए, आज हम यह प्रण लें कि दुनिया बदलने की चिंता छोडक़र हम खुद को बदलेंगे। जब सब लोग ऐसा करेंगे तो दुनिया खुद-ब-खुद बदल जाएगी। आज से, अभी से हम खुद वो बदलाव बनते हैं जो हम दुनिया में देखना चाहते हैं तो दुनिया बदल जाएगी, या कम से कम हमारी दुनिया तो बदल ही जाएगी।

> हम सब हर किसी से कुछ न कुछ सीखते हैं, कुछ प्रेरणा लेते हैं, हम सब का कोई न कोई रोल-मॉडल होता है, कोई हीरो होता है, कोई आदर्श व्यक्ति होता है और हम उस जैसा बनना चाहते हैं। यह एक प्राकृतिक बात है। अगर हम इस छोटी-सी बात को समझ लें तो जीवन खुशनुमा हो जाएगा। खुद हमेशा खुश रहना, मुस्कुराते रहना, खुद भी खुश रहना और दूसरों को भी खुश रखना बहुत ज्यादा मुश्किल नहीं है।

आप का नजरिया

दागदार चुने जन प्रतिनिधि

जन प्रतिनिधि यह सूचना न केवल चौंकाती है बल्कि हमें सोचने पर मजबूर करती है कि जिन मंत्रियों, सांसदों, विधायकों को हम अपना भाग्य बनाने के लिए चुनते हैं वह अंदर खाते कितने दागदार हैं। उनके खिलाफ कितने गंभीर आरोप लगे हुए हैं। आपराधिक मामलों में भी हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध के गंभीर मामले शामिल हैं। चुनाव अधिकार संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफाम्र्स (एडीआर) ने अपनी नईं रिपोर्ट में चौंकाने वाले आरोपों की लंबी लिस्ट दी है। अभी हाल ही में तीन विधेयक संसद में पेश किए गए थे ताकि गंभीर आपराधिक मामलों में अगर किसी प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री को 30 दिन भी जेल में रहना पड़े तो उसे स्वतः पद मुक्त मान लिया जाए। हालांकि विपक्ष ने इसका जमकर विरोध किया और आशंका जताईं गईं कि अगर ये कानून बन गए तो उनका दुरुपयोग होगा, जिससे विपक्षियों को निशाना बनाया जाएगा। फिलहाल ये कानून जेपीसी को सौंपा गया है और उसकी रिपोर्ट आने के बाद ही इस पर आगे कार्रवाईं होगी। पर हम एडीआर की रिपोर्ट की तरफ लौटते हैं। रिपोर्ट के अनुसार देशभर के 302 मंत्री (करीब 47 प्रतिशत) खुद पर आपराधिक केस होने की बात स्वीकार कर चुके हैं। इनमें 174 मंत्री ऐसे हैं जिन पर हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप हैं वहीं वेंद्र सरकार के 72 मंत्रियों में से 29 (40 प्रतिशत) ने आपराधिक केस होने की बात मानी है। एडीआर ने 27 राज्यों, 3 वेंद्र शासित प्रदेशों और वेंद्र सरकार के वुल 643 मंत्रियों के शपथ पत्रों का विश्लेषण किया। यानी कि ये सब केस नेताओं ने अपने शपथ पत्रों में दिए हैं, यह सब अपराध उन्होंने खुद स्वीकार किए हैं। एडीआर ने यह भी कहा कि जिस शपथ पत्रों के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गईं है वे 2020 से 2025 के बीच चुनावों के दौरान दाखिल हुए थे। इन मामलों की स्थिति बदल भी सकती है। जिन मुख्यमंत्रियों पर आपराधिक मामले चल रहे हैं। उस सूची में सबसे ऊपर तेलंगाना के कांग्रेसी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी हैं जिन पर 89 केस चल रहे हैं। अगला नंबर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन का आता है जिन पर 47 केस चल रहे हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और मोदी सरकार की बैसाखी बने चंद्रबाबू नायडू पर 19 केस चल रहे हैं। कनार्टक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर 13, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर 5, देवेंद्र फणनवीस व भाजपा के महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पर 4, हिमाचल के सुखविंदर सिंह सुक्खू पर 4, केरल के पी. विजयन पर 2, सिक्किम के पीएस तमांग, भगवंत मान, मोहन मांझी और भजनलाल पर एक-एक केस चल रहा है। पार्टिवार स्थिति वुछ ऐसी है भाजपा के 336 मंत्रियों में से 136 (40 प्रतिशत) पर आपराधिक केस हैं। वहीं 88 (26 प्रतिशत) पर गंभीर आरोप हैं। कांग्रेस के 61 मंत्रियों में से 45 (74 प्रतिशत) पर केस हैं, 18 (30 प्रतिशत) पर गंभीर आरोप हैं। डीएमके के 31 में से 27 (87 प्रतिशत) मंत्री आरोपी हैं, 14 (48 प्रतिशत) पर गंभीर केस हैं। टीएमसी के 40 में से 13 (33 प्रतिशत) पर केस हैं, 8 (20 प्रतिशत) पर गंभीर आरोप हैं। तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के 23 में से 22 (96 प्रतिशत) मंत्री आरोपी हैं। इनमें से 13 (57 प्रतिशत) पर गंभीर केस हैं। आम आदमी पार्टी के 16 में से 11 (69 प्रतिशत) मंत्री आरोपी हैं, 5 (31 प्रतिशत) पर गंभीर वेंस हैं। दुखद पहलु तो यह है कि इस हमाम में सभी नंगे हैं। वास्तव में देश में कोईं ऐसी पार्टी नहीं है जिसमें आपराधिक दाग वाले नेता न हों। आपराधिक मामलों के आंकड़े यह साफ बताते हैं कि कथित साफ छवि का दावा करने वाले में राजनीतिक दल भी अपने नेताओं पर लगने वाले दाग को गंभीरता से नहीं लेते। वे अगर सबसे पहले वुछ देखते हैं तो यह कि कौन आदमी यह सीट निकाल सकता है भले ही उसकी छवि वुछ भी हो। बहरहाल, एडीआर ने मंत्रियों की औसत संपत्ति के भी दिलचस्प आंकड़े पेश किए हैं कर्नाटक में सबसे अधिक आठ अरबपति मंत्री हैं। इसमें कोईं दो राय नहीं कि देश में अमीर नेताओं की संख्या समय के साथ बढ़ती चली जाएगी। यही नहीं चुनाव लड़ना भी महंगा होता जा रहा है।

> तीन विधेयक संसद में पेश किए गए थे ताकि गंभीर आपराधिक मामलों में अगर किसी प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री को 30 दिन भी जेल में रहना पड़े तो उसे स्वतः पद मुक्त मान लिया जाए। हालांकि विपक्ष ने इसका जमकर विरोध किया और आशंका जताईं गईं कि अगर ये कानून बन गए तो उनका दुरुपयोग होगा, जिससे विपक्षियों को निशाना बनाया जाएगा। फिलहाल ये कानून जेपीसी को सौंपा गया है और उसकी रिपोर्ट आने के बाद ही इस पर आगे कार्रवाईं होगी। पर हम एडीआर की रिपोर्ट की तरफ लौटते हैं। रिपोर्ट के अनुसार देशभर के 302 मंत्री (करीब 47 प्रतिशत) खुद पर आपराधिक केस होने की बात स्वीकार कर चुके हैं। इनमें 174 मंत्री ऐसे हैं जिन पर हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप हैं वहीं वेंद्र सरकार के 72 मंत्रियों में से 29 (40 प्रतिशत) ने आपराधिक केस होने की बात मानी है। एडीआर ने 27 राज्यों, 3 वेंद्र शासित प्रदेशों और वेंद्र सरकार के वुल 643 मंत्रियों के शपथ पत्रों का विश्लेषण किया।

दृष्टि कोण

प्राकृतिक आपदा और पुनर्निर्माण पर विमर्श

हिमाचल प्रदेश में मौसम का मिजाज अभी भी बिगड़ा हुआ है और आमजन में इस बार हुई तबाही को लेकर बेचैनी का आलम है। 20 जून से 9 सितंबर, 2025 तक बादल फटने, अचानक बाढ़ आने और भूस्खलन की घटनाओं से इस बार हिमाचल प्रदेश को अनुमानित 4122 करोड़ का नुकसान हुआ है। हिमाचल में तीन नेशनल हाईवे के साथ 744 सडक़ें बंद पड़ी हुई हैं। इसके साथ ही प्रदेश में 959 बिजली ट्रांसफार्मर खराब हुए हैं तो 472 पेयजल की योजनाएं भी बंद हैं और 466 लोगों की मृत्यु हुई है। इसी बीच मंगलवार 9 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने हिमाचल दौरे के दौरान हुए नुकसान का जायजा लिया, 1500 करोड़ रुपए के राहत पैकेज की घोषणा की और मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दिए जाने की बात कही है। दूसरी तरफ हिमाचल प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र इस बार सिर्फ विधायी औपचारिकताओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सत्र से पहले और सत्र के दौरान ही प्रदेश में भारी बारिश, भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं से आमजन को हो रही पीड़ा, संकट और उम्मीदों पर चर्चा का गवाह भी बना। 18 अगस्त से 2 सितंबर 2025 तक चले इस सत्र में बारह बैठकों में कई बार राजनीतिक टकराव, विपक्ष के बहिष्कार और सत्ता पक्ष की सफाई पर ध्यान आकर्षित किया, लेकिन सबसे गहरी गूंज आपदा और उससे जुड़े पुनर्निर्माण की ही रही। इस बार लगातार बारिश, भूस्खलनों और बादल फटने की घटनाओं ने प्रदेश के कई जिलों के नागरिकों को असहज और असहाय स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया। चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग लंबे समय तक ठप रहा तो वहीं मणिमहेश यात्रा भी स्थगित करनी पड़ी। कई जगहों पर कई किलोमीटर सडक़ें धरातल पर से ही गायब हो चुकी हैं। बागवानों का नुकसान अलग है क्योंकि उनके सेब बॉक्स सेब बागानों से निकल ही नहीं पा रहे हैं, वहीं दूरसंचार सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। मॉनसून और बारिश के तांडव के चलते हिमाचल के शिक्षण संस्थानों में छुट्टियां करनी पड़ी हैं। कुल मिलाकर इस बार मॉनसून की बारिशों ने हिमाचल के नागरिकों को वर्षों न भूलने वाले जख्म दिए हैं। हिमाचल सरकार ने राज्य में आई इस आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का प्रस्ताव पारित किया है और मानचित्र आधारित क्षति का विस्तृत आकलन, जीआईएस आधारित तस्वीरें और व्ययों का ब्यौरा केंद्र सरकार को भेजा गया है। इन हालात ने यह साफ कर दिया कि हिमाचल की त्रासदी महज प्राकृतिक आपदा भर नहीं है, बल्कि अव्यवस्थित निर्माण, अंधाधुंध कटान और जलवायु परिवर्तन के संगम से पैदा हुआ एक संरचनात्मक संकट है। वहीं कई नागरिकों की मान्यता में धर्मस्थलों में लोगों का गैर मर्यादित व्यवहार, आचरण एवं पहनावा भी कहीं न कहीं देवताओं की नाराजगी से उपजा संकट है। आपदा की गूंज के साथ-साथ विधानसभा में आर्थिक हालात का बोझ भी चर्चा में रहा। राज्य का राजस्व घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 2.5 प्रतिशत यानी लगभग 6390 करोड़ रुपए आंका गया है, जबकि वित्तीय घाटा 4 प्रतिशत यानी 10338 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। कर्ज का बोझ एक लाख करोड़ रुपए के करीब पहुंच गया है, ऐसे में राहत और पुनर्निर्माण के लिए संसाधन जुटाना सरकार के लिए किसी कठिन पहाड़ी चढ़ाई चढने जैसा ही है। इसी बीच कर्मचारियों और पेंशनरों की मांगों की आवाज भी सदन के गलियारों में गूंजती रही। जुलाई 2023 से लंबित महंगाई भत्ते का एरियर, छठे वेतन आयोग के लाभ और लंबे समय से रोके गए महंगाई भत्तों की मांग को लेकर कर्मचारी आंदोलित हैं तो विपक्ष ने भी इसे मुद्दा बनाकर सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया है।

फेक निकला चीन का मदर रोबोट बच्चे पैदा नहीं कर सकती मशीन

बीजिंग,11 सितंबर (एजेंसियां)।

कुछ दिनों पहले खबर आई थी कि चीन में अब ऐसी तकनीक बन रही है कि जिसके जरिये वो इंसानों के बच्चे रोबोट से पैदा करा लेगा। इस खबर को लेकर फैक्ट चेक के बाद दावा किया है कि ऐसी कोई तकनीक नहीं बनी है, जो मां के गर्भ को मशीन से बदल दे।

ये अजीबोगरीब दावा कब और कैसे किया गया, इसके बारे में तो जानकारी नहीं है लेकिन चीनी से खबर आने के बाद दुनिया में हर कोई हैरान रह गया था।दावा किया जा रहा था कि इस अनोखे प्रोजेक्ट पर रोबोटिक्स कंपनी न सिर्फ काम कर रही है बल्कि ये तकनीक लगभग पूरी हो चुकी है। इस रिपोर्ट में जिस वैज्ञानिक का नाम दिया गया था, दरअसल वैसा कोई वैज्ञानिक है ही नहीं। रिपोर्ट में बताया है कि सिंगापुर की नायांग टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी का नाम भी इस प्रोजेक्ट के साथ जोड़ा गया था लेकिन वहां पर ऐसा कोई प्रोजेक्ट चल ही नहीं रहा है। उन्होंने किसी तरह के जेस्टेशन रोबोट पर काम नहीं शुरू किया है।

रिपोर्ट ने इस पर भी प्रकाश डाला है कि आगे क्या ऐसी किसी तकनीक पर काम हो सकता है रिपोर्ट में येल यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के रिप्रोडक्टिव एंड प्लेसेंटल रिसर्च यूनिट के डायरेक्टर डॉक्टर हार्वे किलमैन का हवाला देते हुए कहा गया है कि ऐसी कोई तकनीक नहीं बन सकती। उन्होंने कहा जब हम गर्भावस्था में आने वाली कठिनाइयों और चुनौतियों के बारे में सोचते हैं तो यह हमें यह समझने में मदद करता है कि एक सामान्य और स्वस्थ गर्भावस्था कितनी अद्भुत और चमत्कारी होती है।

दरअसल प्रेग्नेंसी रोबोट वाली कहानी वायरल इसलिए हुई क्योंकि चीनी रिपोर्ट में कई नामों का इस्तेमाल किया गया है, जो दिखने में काफी ऑथेंटिक लग रहे थे। ये किसी साइंस फिक्शन की तरह लगते हैं, जिसकी वजह से लोगों ने इस प्रोटोटाइप टेक्नोलॉजी पर भरोसा भी कर लिया। हालांकि ऐसी किसी तरह की रिसर्च की जानकारी अब तक उजागर नहीं हुई है। न सिर्फ सोशल मीडिया बल्कि दुनिया की मेनस्ट्रीम मीडिया में भी ये खबर फैल गई, जो अब झूठी साबित हो रही है।

न्यूज ब्रीफ

उज्बेकिस्तान ने अफगानिस्तान का अनुरोध स्वीकार किया, 57 सैन्य हेलीकॉप्टर सौंपेगा

काबुल (अफगानिस्तान)। इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान के प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि उज्बेकिस्तान कथित तौर पर अफगानिस्तान को 57 सैन्य हेलीकॉप्टर वापस करने पर सहमत हो गया है। इन सैन्य हेलीकॉप्टर को अगस्त 2021 में पूर्व गणराज्य के पतन के दौरान देश से बाहर भेज दिया गया था। मुजाहिद ने बुधवार को कहा कि इन हेलीकॉप्टर को गणराज्य के पतन के समय भागे हुए अफगान सैन्य कर्मियों ने ले लिया था। यह कुछ वर्षों से उज्बेकिस्तान की धरती पर ही हैं। उन्होंने कहा कि इन हेलीकॉप्टरों के भविष्य को लेकर काबुल और ताशकंद के बीच चुपचाप बातचीत चल रही थी और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी राष्ट्रीय संपत्तियों को पुनः प्राप्त करने के व्यापक प्रयासों के तहत लगातार इनकी वापसी का अनुरोध कर रही थी। प्रवक्ता ने आशा व्यक्त की, निकट भविष्य में 57 सैन्य हेलीकॉप्टरों का हस्तांतरण होने की उम्मीद है। यह अफगानिस्तान की हवाई क्षमताओं को बहाल करने और दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, हेलीकॉप्टरों की वापसी को एक प्रतीकात्मक और रणनीतिक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। यह मध्य एशिया में शांति और संपर्क बनाए रखने की उज्बेकिस्तान की इच्छा को दर्शाता है।

महिला के खून में मिले पुरुषों वाले एक्सवाय क्रोमोसोम, वैज्ञानिक हैरान

लंदन। ब्राजील में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है जो दुनिया भर के वैज्ञानिकों और डॉक्टरों के लिए पहेली बन गया है। यहां एना पाउला मार्टिंस नाम की महिला के खून में पुरुषों वाले एक्सवाय क्रोमोसोम मिले हैं, जबकि उसके शरीर की बाकी कोशिकाओं में महिलाओं वाले सामान्य एक्सएक्स क्रोमोसोम मौजूद थे। इस वाकये ने मेडिकल साइंस को भी हैरान कर दिया है। यह अब तक का पहला केस माना जा रहा है। यह मामला साल 2022 में सामने आया, जब एना का गर्भपात हुआ और जांच के दौरान डॉक्टर्स ने पाया कि उसकी ब्लड सेल्स में पुरुषों वाले क्रोमोसोम मौजूद हैं। इसके बावजूद उसके गर्भाशय और अंडाशय पूरी तरह सामान्य थे और महिला शरीर की सभी विशेषताएं सही ढंग से काम कर रही थीं। आश्चर्य की बात यह भी है कि एना स्वाभाविक रूप से गर्भ धारण करने में सक्षम थी। यही नहीं, कुछ समय बाद उसने एक स्वस्थ बेटे को जन्म भी दिया, जिसका डीएनए पूरी तरह सामान्य पाया गया। जांच के दौरान एना ने बताया कि उसका एक जुड़वां भाई भी है। डीएनए टेस्ट से पता चला कि उसके खून की कोशिकाएं उसके भाई से मेल खाती हैं। यानी एना वास्तव में अपने भाई का एक हिस्सा अपने अंदर लेकर जी रही थी।

एआई की वजह से देखने को मिल सकती है बेरोजगारी: जेफ्री हिंटन

वाशिंगटन। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के 'गॉडफादर' कहे जाने वाले कंप्यूटर वैज्ञानिक और

नोबेल पुरस्कार विजेता जेफ्री हिंटन ने फिर एआई को लेकर चौंकाने वाली भविष्यवाणी की है। हिंटन ने कहा है कि आने वाले समय में एआई की वजह से बड़े पैमाने पर बेरोजगारी देखने को मिल सकती है। कंपनियां अपने मुनाफे को बढ़ाने के लिए कर्मचारियों की जगह एआई का इस्तेमाल करेंगी। उनका कहना है कि यह एआई की गलती नहीं, बल्कि पूंजीवादी व्यवस्था का परिणाम होगा, जिसमें लाभ को प्राथमिकता दी जाती है और मानवीय श्रम को कम करके अधिक कमाई का रास्ता तलाशा जाता है। उन्होंने कहा कि अभी तक बड़ी छंटनी के मामले सामने नहीं आए हैं, लेकिन शुरुआती सबूत साफ दिखाते हैं कि एआई खासतौर पर एंट्री-लेवल नौकरियों को कम कर रहा है। यह वही नौकरियां होती हैं, जिनसे कॉलेज से निकले नए युवा अपने करियर की शुरुआत करते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि धीरे-धीरे अमीर तबका और बड़ी कंपनियां एआई को अपनाकर कार्यबल को घटाएंगी। इससे बेरोजगारी बढ़ेगी और अमीर और ज्यादा अमीर होंगे, जबकि गरीब और पिछड़ जाएंगे। हिंटन ने कहा, हकीकत यह है कि अमीर लोग एआई का इस्तेमाल वर्कर्स को हटाने के लिए करेंगे। इससे बेरोजगारी बढ़ेगी और कुछ लोगों की जेबें और भरेंगी, जबकि ज्यादातर लोग और गरीब होंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एआई कंपनियां लंबे समय के खतरों और संभावित नुकसान की बजाय केवल अल्पकालिक मुनाफे पर ध्यान देती हैं।

अमेरिका में ट्रंप के करीबी चार्ली किर्क की हत्या, हिल गया देश, व्हाइट हाउस में झंडा आधा झुकाया गया

वाशिंगटन (अमेरिका),11 सितंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के करीबी और दक्षिणपंथी युवा कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या से सारा देश हिल गया। दलगत भावना से ऊपर उठकर शोक में डूबे देश में फिर से बंदूक हिंसा के खिलाफ आवाज भी उठनी शुरू हो गई है। कुछ लोग इसे राजनीतिक हत्या बता रहे हैं। चार्ली किर्क को बुधवार दोपहर यूटा वैली विश्वविद्यालय में टर्निंग पॉइंट यूएसए कार्यक्रम के दौरान गोली मारी गई। लहूलुहान चार्ली को बचाया नही जा सका। अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में उन्होंने दम तोड़ दिया।

संयुक्त राज्य अमेरिका के हर-छोटे बड़े सूचना संचार माध्यम में चार्ली की मौत को महत्व दिया गया है। द न्यूयॉर्क टाइम्स और एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, चार्ली की मौत की सूचना मिलते ही राष्ट्रपति ट्रंप अवाक रह गए। कुछ देरतक उनके आसपास सन्नाटा पसरा रहा। पूरी पड़ताल के बाद उन्होंने दोपहर बाद ट्रुथ सोशल पर उनके निधन की घोषणा की। ट्रंप ने किर्क को महान बताते हुए लिखा, अमेरिका में युवाओं के दिल को चार्ली से बेहतर कोई नहीं समझ सकता था। सभी उन्हें प्यार करते थे। उन्होंने कहा कि वह चार्ली को कभी भुला नहीं पाएंगे।

राष्ट्रपति ट्रंप ने सूचना मिलते ही व्हाइट हाउस के अधिकारियों को सच्चाई पता करने के लिए यूटा वैली विश्वविद्यालय भेजा गया। वहां हर कोई सदमे में दिखा। विश्वविद्यालय के अधिकारी 31 वर्षीय किर्क की मौत से आहत थे। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने उनसे बातकर ट्रंप को अनहोनी की सूचना दी। किर्क की मृत्यु की घोषणा के बाद व्हाइट हाउस के ऊपर लगे झंडों को आधा झुका दिया गया। राष्ट्रपति के बेटे एरिक ट्रंप ने भी कहा कि पिता की सभी संपत्तियों पर झंडे आधे झुके रहेंगे।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि टर्निंग पॉइंट के सह संस्थापक किर्क बाहरी लोगों से जुड़ी सामूहिक गोलीबारी की घटनाओं के बारे में बोल रहे थे, तभी अज्ञात बंदूकधारी ने उन्हें निशाना बनाया और गोली उनकी गर्दन को चीरती हुई बाहर निकल गई। अपने मोबाइल फोन पर कार्यक्रम के वीडियो बना रहे लोग अचानक गोली चलने से सकते में आ गए। मगर तब तक चार्ली को गोली लगने का दृश्य सैकड़ों मोबाइल फोन पर कैद हो चुका था। इसके बाद इस घटना का वीडियो

सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया। उसे देखकर लोग रो पड़े।

राष्ट्रपति ट्रंप के कट्टर विरोधी और डेमोक्रेट कैलिफ़ोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने इस साल अपने पॉडकास्ट पर किर्क की मेजबानी की थी। उन्होंने किर्क की हत्या की निंदा की। न्यूसम ने एक्स पर लिखा, चार्ली किर्क पर हमला घृणित, घिनौना और निंदनीय है। संयुक्त राज्य अमेरिका में हमें हर तरह की राजनीतिक हिंसा को रोकना होगा। अनेक डेमोक्रेट्स ने बंदूक संबंधी कड़े नियमों की वकालत की है।

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक्स पर एक प्रार्थना पोस्ट की, हे प्रभु, उन्हें शाश्वत शांति प्रदान करें। किर्क की गोली लगने के तुरंत बाद भेजे गए एक पुराने संदेश में, उन्होंने सहयोगियों और आलोचकों, दोनों के साथ खुलकर बातचीत करने के लिए किर्क की प्रशंसा की। वेंस ने लिखा, चार्ली कुछ जगहों में वामपंथ और दक्षिणपंथ के बीच खुला और ईमानदार संवाद करते हैं। वह किसी भी सवाल का जवाब देते और सभी से बात करते।

डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ने एक्स पर एक लंबा, भावपूर्ण संदेश पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि किर्क मेरे लिए एक छोटे भाई जैसे थे। उन्होंने लिखा, ऐसे पल हमें याद दिलाते हैं कि जिंदगी कितनी नाजुक है। हम लोगों को यह बताने के लिए बेताब हैं कि वे हमारे लिए कितने मायने रखते हैं। हम चुपचाप उनकी प्रशंसा नहीं कर सकते। चार्ली जानता था कि उसे प्यार किया जाता है, लेकिन मैं फिर से कहना चाहता हूं, वह मेरे लिए भाई था और मैं उसे हमेशा अपने साथ रखूंगा।

पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने एक्स पर लिखा: यूटा में हुई गोलीबारी से मैं बहुत व्यथित हूं। डग और मैं चार्ली किर्क और उनके परिवार के लिए प्रार्थना करते हैं। उन्होंने कहा, मैं स्पष्ट कर दूं-अमेरिका में राजनीतिक हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। मैं इस कृत्य की निंदा करती हूं। हम सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अब और हिंसा न हो।

ट्रंप प्रशासन के पूर्व अधिकारी और एक्स के मालिक अरबपति एलन मस्क ने लिखा, वामपंथी हत्या करने वाली पार्टी है। उन्होंने यह संदेश किर्क की मौत की पुष्टि होने से पहले पोस्ट किया। कुछ प्रमुख डेमोक्रेट्स जेमी रस्किन मैरीलैंड, पूर्व प्रतिनिधि गैबी गिफर्ड्स डेमोक्रेटिक-एरिजोना आदि ने बंदूक संस्कृति पर तत्काल बंदिश लगाने की मांग की है। पिछले साल जुलाई में पेंसिल्वेनिया में एक चुनावी रैली में ट्रंप को भी गोली मारी जा चुकी है। एरिजोना की गवर्नर केटी हॉब्स ने कहा, यह त्रासदी इस बारे में नहीं है कि चार्ली किर्क ने राजनीतिक रूप से किसका समर्थन किया।

ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस की ताकत देख अब रूस भी भारत से खरीदेगा ब्रह्मोस-एनजी

मॉस्को,11 सितंबर (एजेंसियां)।

रूस ने संकेत दिए हैं कि वह ब्रह्मोस को अपनी सेना में शामिल कर सकता है। ब्रह्मोस को लेकर शुरू से ही दावा किया जा रहा था कि दुनिया का कोई भी एयर डिफेंस सिस्टम इसे इंटरसेप्ट नहीं कर सकता है और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान यह देखा भी गया है, जिसके बाद अब रूस की सेना ब्रह्मोस-एनजी को अपने बेड़े में शामिल करने पर विचार कर रही है।

दरअसल, भारत और रूस की संयुक्त कंपनी अब अपने प्रोडक्शन लाइन को काफी तेजी से विस्तार दे रही है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के बाद कई देशों ने ब्रह्मोस खरीदने के लिए संपर्क किया है, जिससे उत्साहित ब्रह्मोस एयरोस्पेस अब इस मिसाइल को ज्यादा संख्या में बनाने की कोशिश कर रहा है, ताकि ब्रह्मोस बनाने में लागत को कम किया जा सके, जिससे खरीदने वाले देशों की संख्या बढ़े।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फिलहाल ब्रह्मोस मिसाइल बनाने में काफी खर्च आता है। इसलिए पिछले 25 सालों में सिर्फ 1000 ब्रह्मोस मिसाइलों का ही निर्माण किया गया है यानि एक साल में सिर्फ 25 यूनिट, जिससे ब्रह्मोस का प्रोडक्शन काफी महंगा है, लेकिन अब जबकि इसकी मांग में जबरदस्त उछाल आया है, तो भारत और रूस ने ब्रह्मोस के प्रोडक्शन को बढ़ाने का फैसला किया है। रिपोर्ट के मुताबिक रूस के पास जमा भारतीय रुपये का इस्तेमाल रूस की सरकार ब्रह्मोस के प्रोडक्शन को बढ़ाने के लिए कर सकती है। इससे एक संकेत और मिलता है कि भारत की डिफेंस स्ट्रैटजी अब सिर्फ डिफेंसिव ना होकर अटैकिंग होने वाली है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस के डिप्टी सीईओ ने कहा है कि यह संभव है कि रूस अपनी सेनाओं के लिए भी यह मिसाइल हासिल कर ले। उन्होंने कहा है कि रूसी और भारतीय पक्ष, दोनों ही मिसाइलों की लागत कम करने के लिए काम कर रहे हैं ताकि एक ही समय में ज्यादा से ज्यादा ऑर्डर पूरे किए जा सकें। निर्यात के साथ-साथ अपनी सशस्त्र सेनाओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए, हमें अपनी उत्पादन सुविधाओं को बढ़ाने की जरूरत है।

भारत की इसी बदली हुई स्ट्रैटजी का सबसे बड़ा प्रतीक नेक्स्ट जनरेशन है। ये मौजूदा ब्रह्मोस मिसाइल से काफी हल्का और उससे काफी ज्यादा तेज होगा। भारत के रिटायर्ड जगुआर पायलट ने लिखा है कि अगले साल 2026 में ब्रह्मोस-एनजी का ऑटोनॉमस फ्लाइट टेस्ट शुरू हो सकता है।

पृथ्वी पर इतना पानी कहां से आया क्या इसे कोई एस्ट्रॉयड लाया, बना हुआ है रहस्य

वाशिंगटन। पृथ्वी का 71 फीसदी हिस्सा पानी में है, हमारा शरीर पानी से बना है, हमें जीवित रहने के लिए पानी की जरुरत है, लेकिन ये पृथ्वी पर आया कहां से यह एक सवाल है क्या इसे कोई एस्ट्रॉयड अपने साथ लेकर आया या ये पहले से यहां मौजूद था आखिर जीवन की ये सबसे जरूरी चीज आई कहां से है धरती पर पानी के आने को लेकर दो मुख्य थ्योरी हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पहली थ्योरी कहती है कि साढ़े 400 करोड़ साल पहले धरती के बनने के दौरान यहां पर पहले से पानी मौजूद था। उस समय धरती की मैंटल लेयर में मौजूद चट्टानों में ही पानी था। शुरुआत में धरती बहुत ज्यादा गर्म थी, अगर ऐसा है भी तो इतनी गर्मी से पानी भाप में बदल जाना चाहिए। तापमान 2 हजार डिग्री से भी ज्यादा पहुंच चुका था। इस थ्योरी के मुताबिक ज्वालामुखी फटने से ये पानी चट्टानों से निकलकर, भाप बनकर वायुमंडल में पहुंचा और बाद में बारिश के रूप में धरती की सतह पर गिरा। विशेषज्ञों का मानना है कि धरती के अंदर की चट्टानों में महासागरों के मुकाबले 18 गुना ज्यादा पानी है। वहीं दूसरी थ्योरी से पता चलता है कि एस्ट्रॉयड्स बाहर से अपने साथ यहां पानी लेकर आए हैं। जब लेट हेवी बोम्बार्डमेंट के दौरान ये पृथ्वी से लगातार टकरा रहे थे, तब वह सतह पर पानी छोड़ गए। वैज्ञानिकों ने जुपीटर और मार्स के आसपास कोन्ड्राइट नाम के बर्फीले मीटियोराइट खोजे हैं, जिनके मिनरल्स में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के मॉलिक्यूल हैं।

मेक्सिको में गैस टैंकर में विस्फोट, तीन की मौत, 70 लोग घायल

मेक्सिको सिटी (मेक्सिको),11 सितंबर (एजेंसियां)।

मेक्सिको की राजधानी मेक्सिको सिटी के इज्टापलासा में बुधवार को हाइवे अंडरपास में एक गैस टैंकर में विस्फोट के बाद आग लग गई। इस हादसे में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कम से कम 70 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की।

रिपोर्ट के अनुसार, शहर की मेयर क्लारा ब्रुगाडा ने सोशल मीडिया पर आग से झुलसे लोगों की सूची जारी की। ब्रुगाडा ने पत्रकारों को बताया था कि कम से कम 19 लोगों की हालत गंभीर है। मौके पर पहुंचीं ब्रुगाडा ने कहा, यह दुखद है। अभियोजक कार्यालय ने जांच शुरू कर दी है।

मेक्सिको सिटी के गृहमंत्री पाब्लो वाज़क्वेज़ कैमाचो के अनुसार, टैंकर चालक को अस्पताल ले जाया गया। वह अभी भी जीवित है, लेकिन उसकी हालत गंभीर है। बताया गया है कि विस्फोट के बाद लगी आग ने आसपास के वाहनों को लपटों में घेर लिया। इससे इज़्टापलापा में अफरा-तफरी मच गई। इज़्टापलापा में मजदूरों की संख्या अधिक है। यह

राजधानी का सबसे अधिक आबादी वाला नगर है, जहां 18 लाख लोग रहते हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कई लोग जले हुए कपड़ों के साथ दर्द से कराहते हुए इधर-उधर भटकते रहे। दोपहर तक दमकलकर्मियों ने आग बुझा दी थी, लेकिन गैस टैंकर से रिसाव को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे थे। राजधानी के अग्निशमन विभाग की प्रवक्ता जूडिथ रोड्रिग्ज वर्गास के अनुसार, टैंकर में अभी भी लगभग 20,000 लीटर (लगभग 5,300 गैलन) ईंधन होने का अनुमान है।

नेपाल में अंतरिम सरकार की प्रमुख हो सकती हैं पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्की

काठमांडू (नेपाल),11 सितंबर (एजेंसियां)।

नेपाल में सोशल मीडिया पर सरकार के प्रतिबंध लगाने के खिलाफ हुए बवाल और खूनखराबा के बीच प्रधानमंत्री केपी ओली (खड्ग प्रसाद ओली) शर्मा इस्तीफा दे चुके हैं। इसके बाद उनके किसी स्थान पर चले जाने से आई राजनीतिक शून्यता को भरने की कवायद तेज हो गई है। आंदोलन का नेतृत्व करने वाले जेन जी समूह में शामिल युवाओं ने कई नामों पर विचार किया है। नेताओं के भ्रष्टाचार और राजनीति में फैले भाई-भतीजावाद से आजिज गोरखाओं के धैर्य का बांध एक तरह से टूट चुका है। जन विद्रोह की लपटों में अठतालीस घंटे से अधिक झुलसे हिमालयी देश में फैली अराजकता को रोकने के लिए नेपाली सेना को मंगलवार शाम कमान संभालनी पड़ी। पटरी पर लौट रहे देश को संभालने के लिए फिलहाल अंतरिम सरकार के चयन पर विचार-विमर्श हो रहा है । अंतरिम सरकार की प्रमुख उच्चतम न्यायालय की पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्की हो सकती हैं। उनके नाम पर सहमति बनती दिख रही है।

जेन जी समूह के अधिकांश प्रतिनिधियों ने सैन्य अधिकारियों से देश की पूर्व प्रधान न्यायाधीश कार्की के नाम पर सहमति जताई। इस बीच काठमांडू के महापौर बालेंद्र शाह का नाम भी उछला। मगर शाह पीछे हट गए। उन्होंने सुशीला कार्की का समर्थन किया। कुछ ने पूर्व मंत्री सुमना श्रेष्ठ का नाम भी आगे बढ़ाया पर उन्होंने कहा, वह फिलहाल जहां हैं, ठीक हैं। इस पद के लिए कुलमन घीसिंग भी कुछ आंदोलनकारियों की पसंद बनकर उभरे हैं। घीसिंग बिजली बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष हैं। मगर सुशीला कार्की के नाम पर लगभग आंदोलनकारी नेता सहमत हैं। बुधवार देररात तक अंतरिम प्रमुख के नाम पर माथापच्ची जारी रही। नेपाल के तीन समाचार पत्रों नेपाली टाइम्स, द राइजिंग नेपाल और द हिमालयन टाइम्स की रिपोर्ट्स में भी इसकी पुष्टि की गई है।

भारत के बीएचयू की पूर्व छात्रा हैं न्यायविद

सुशीला कार्की सुशीला कार्की ने 1972 में महेन्द्र मोरंग कैंपस बिराटनगर से बीए करने के बाद भारत के प्रमुख विश्वविद्यालय बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू) का रुख किया। 1975 में उन्होंने बीएचयू वाराणसी से राजनीति शास्त्र से एमए किया। इसके बाद, 1978 में उन्होंने त्रिभुवन यूनिवर्सिटी नेपाल से कानून की पढ़ाई की। बनारस में पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने दुर्गा प्रसाद सुबेदी से शादी की। दुर्गा प्रसाद सुबेदी उस समय नेपाली कांग्रेस के लोकप्रिय युवा नेता थे। इस समय विडंबना यह है कि ओली के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद पिछले 24 घंटे या उससे अधिक समय से नेपाली सरकार विहीन है।

सेना मुख्यालय में भी होगा विचार-विमर्श - प्रदर्शनकारियों के प्रतिनिधियों ने काठमांडू स्थित सेना मुख्यालय में सैन्य अधिकारियों से मुलाकात कर अंतरिम सरकार के संभावित नेता के नाम पर चर्चा की। प्रदर्शनकारियों के एक प्रतिनिधि रेहान राज दंगल ने कहा कि उनके समूह ने सैन्य नेताओं के सामने प्रस्ताव रखा है कि कार्की अंतरिम सरकार का नेतृत्व करें। कार्की उच्चतम न्यायालय की प्रधान न्यायाधीश के रूप में सेवा करने वाली एकमात्र महिला हैं। उन्होंने 2016-2017 के बीच इस पद पर कार्य किया और एक लोकप्रिय रहीं। हालांकि, सेना मुख्यालय के बाहर एकत्र भीड़ में से अन्य प्रदर्शनकारियों ने कार्की के चयन का विरोध किया। सैन्य अधिकारियों ने विरोध करने वालों को गुरुवार को बातचीत के लिए बुलाया है।

सेना प्रमुख मिल रहे युवा नेताओं से - जेन जी समूह के हजारों युवाओं ने बुधवार को डिस्कॉर्ड पर घंटों ऑनलाइन चर्चा की और पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए समर्थन दिया। इस समूह ने सेना प्रमुख अशोकराज सिगडेल को अपनी पसंद के बारे में सूचित किया, लेकिन वे कम से कम 12 अन्य समूहों के नेताओं से भी मिल रहे हैं जो खुद को असली जेन जी होने का दावा कर रहे हैं। इनमें राजभक्त और अन्य समूह भी शामिल हैं। इससे पहले मंगलवार को हिंसा की लपटों में सिंह दरबार, संसद और सर्वोच्च न्यायालय की इमारतें जलकर खाक हो गईं और देश भर में पार्टी कार्यालयों, मीडिया, स्कूलों और निजी आवासों पर हमले हुए। मूल जेन जी समूह ने इसमें अपनी संलिप्तता से इनकार किया।

कंधे की चोट के कारण भारत दौरे से बाहर हुए ऑलराउंडर एरॉन हार्डी

नई दिल्ली,11 सितंबर (एजेंसियां)।

ऑलराउंडर एरॉन हार्डी कंधे की चोट के कारण भारत दौरे से बाहर हो गए हैं। हार्डी की जगह विक्टोरिया के ऑलराउंडर विल सदरलैंड को टीम में शामिल किया गया है। सदरलैंड पहले से ही वनडे टीम का हिस्सा थे और अब वे दूसरे चार दिवसीय मैच के लिए लखनऊ पहुंचेंगे। हार्डी की जगह वनडे टीम में किसी और खिलाड़ी का चयन बाद में किया जाएगा। हार्डी के शुरुआती शेफ़ील्ड शील्ड मुकाबलों तक फिट होने की उम्मीद है। वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया का पहला मैच 4 अक्टूबर को वाका मैदान पर न्यू साउथ वेल्स के खिलाफ होगा। हार्डी हाल ही में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज़ का हिस्सा रहे थे। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और उन्हें न्यूजीलैंड के छोटे दौरे (तीन टी20) के लिए नहीं चुना गया था, बल्कि ए टीम में शामिल किया गया था। उनके फिटनेस पर निर्भर करेगा कि वे भारत के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज़ में वापसी कर पाएंगे या नहीं। हार्डी का बाहर होना ऑस्ट्रेलिया के लिए परेशानी बढ़ाता है क्योंकि कई तेज गेंदबाज पहले ही चोटिल हैं। कप्तान पैट कमिंस की पीठ की चोट ने उनकी एशेज में उपलब्धता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हार्डी के टीममेट लांस मॉरिस पीठ की सर्जरी के चलते 12 महीने के लिए बाहर हो गए हैं, जबकि युवा तेज गेंदबाज कैलम विडलर को स्ट्रेस फ्रैक्चर हुआ है। मॉरिस चार दिवसीय मैचों में खेलते, जबकि विडलर वनडे स्क्वॉड का हिस्सा थे। मॉरिस की जगह आए ब्रॉडी काउच भी चोटिल हो गए और अब उनकी जगह साउथ ऑस्ट्रेलिया के हेनरी थॉर्नटन को बुलाया गया है। भारत ए के खिलाफ पहला चार दिवसीय मैच 16 सितंबर से और दूसरा 23 सितंबर से खेला जाएगा। इसके बाद कानपुर में 30 सितंबर, 3 और 5 अक्टूबर को तीन वनडे मुकाबले होंगे।

अपडेटेड ऑस्ट्रेलिया ए चार दिवसीय टीम – ज़ेवियर बार्टलेट, कूपर कॉनॉली, जैक एडवर्ड्स, कैंपबेल केलावे, सैम कॉन्स्टास, नाथन मैकस्वीनी, टॉड मर्फी, फर्गस ओ 'नील, ओलिवर पीक, जोश फिलिप, कोरी रोचिचिओली, लियाम स्कॉट, विल सदरलैंड (दूसरे मैच से), हेनरी थॉर्नटन।

न्यूज ब्रीफ

कुलदीप ने एक ही ओवर में तीन विकेट लेकर धमाकेदार वापसी की, सचिन के एक रिकार्ड की बराबरी की

दुबई। कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने एशिया कप से भारतीय टीम में धमाकेदार वापसी की है। कुलदीप ने यूएई के खिलाफ पहले ही मैच में एक ही ओवर में तीन विकेट ले लिए। इस मैच में कुलदीप की घातक गेंदबाजी के सामने यूएई के खिलाड़ी टिक नहीं पाये। कुलदीप ने एक ही ओवर में 3 विकेट लेकर विपक्षी टीम की बल्लेबाजी को धवस्त कर दिया। कुलदीप ने इस मैच में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के एक रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली। कुलदीप ने 2.1 ओवर में 7 रन देकर 4 विकेट लिए। इस प्रकार कुलदीप ने एशिया कप में चौथी बार 3 विकेट लिए है। इससे पहले सचिन ने भी एशिया कप में चार बार 3 विकेट लिए थे। भारतीय टीम की ओर से एशिया कप में सबसे ज्यादा बार तीन विकेट हॉल लेने का रिकॉर्ड रवींद्र जडेजा के नाम है। जडेजा ने 5 बार एशिया कप में 3 विकेट अपने नाम किये थे। कुलदीप ने इससे पहल जून 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। कुलदीप ने अपने दूसरे ओवर में यूएई के बल्लेबाज राहुल चोपड़ा को आउट किया। कुलदीप ने इसके बाद दूसरी गेंद पर एक रन दिया। चौथी गेंद पर कुलदीप न यूएई के कप्तान मुहम्मद वसीम को आउट कर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। कुलदीप ने वसीम को एलबीडब्ल्यू आउट किया।

कार्डिफ़ टी20: बारिश से बाधित मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को 14 रन से हराया

कार्डिफ़। बारिश से प्रभावित पहले टी20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने डकवर्थ-लुईस-स्टर्न (डीएलएस) विधि से इंग्लैंड पर 14 रन की जीत दर्ज की। मुकाबला दो घंटे की देरी से शुरू हुआ और इसे नौ ओवर का कर दिया गया। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी का फैसला लिया, लेकिन डेवाल्ड ब्रेविस, एडेन मार्करम और डोनोवन फरेरा की आतिशी बल्लेबाज़ी ने दक्षिण अफ्रीका को मज़बूत स्थिति में पहुंचा दिया। पहले ही ओवर में ल्यूक वुड ने रयान रिकेलटन को गोल्डन डक पर चलता किया। वुड ने अपने दूसरे ओवर में ल्हुआन-ड्रे प्रिटोरियस को भी आउट कर मेज़बानों को शानदार शुरुआत दिलाई। हालांकि, मार्करम ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 14 गेंदों में 28 रन बनाए और पारी को रफ्तार दी। उन्हें 24 पर जीवनदान मिला लेकिन जल्द ही आदिल राशिद ने उन्हें पवेलियन भेज दिया। इसके बाद ब्रेविस ने लगातार तीन छक्के जड़े और फरेरा ने भी दो छक्कों के साथ रनगति तेज़ कर दी। 7.5 ओवर तक दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 97/5 था, तभी बारिश ने खेल रोक दिया। लगभग 50 मिनट बाद खेल दोबारा शुरू हुआ और इंग्लैंड को 5 ओवर में 69 रन का संशोधित लक्ष्य मिला। लेकिन इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। कागिसो रबाडा ने पहली ही गेंद पर फिल सॉल्ट को आउट कर दिया। कप्तान जोस बटलर ने कुछ आकर्षक शॉट्स लगाए और 25 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत की राह पर नहीं ले जा सके।

हार्दिक से तुलना पर भड़के शिवम

दुबई। युवा ऑलराउंडर शिवम दुबे एशिया कप के अपने पहले मैच में यूएई के खिलाफ शानदार गेंदबाजी से उत्साहित हैं। शिवम ने पहले ही मैच में 12 गेंदों पर 4 रन देकर तीन विकेट लिए। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और कसी हुई गेंदबाजी के कारण शिवम की तुलना हार्दिक पंड्या से होने लगी है। वहीं शिवम ने इसपर नाराजगी जतायी है। शिवम ने कहा कि पंड्या से उनकी बराबरी नहीं की जा सकती क्योंकि वह उनसे काफी कुछ सीखते हैं। उनके पास आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय मैचों का लंबा अनुभव है। यूएई के खिलाफ एशिया कप के पहले ही मैच में शिवम ने काफी कसी हुई गेंदबाजी की। ऐस में वह एक बेहतर ऑलराउंडर साबित हो रहे हैं। अभी तक भारतीय टीम के लिए ऑलराउंडर की जिम्मेदारी पंड्या ही निभाते रहे हैं। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि शिवम और हार्दिक के बीच जगह को लेकर प्रतिस्पर्घा है। वहीं शिवम ने कहा, ' हार्दिक मेरे भाई जैसे हैं जिनसे मैं बहुत कुछ सीखता हूं क्योंकि आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके पास मुझसे कहीं ज्यादा अनुभव है। मैंने कभी तुलना के बारे में नहीं सोचा, क्योंकि मेरा एकमात्र प्रयास ये रहता है ।

कडल कोंडट्टम 2025 : तूतीकोरिन में सजेगा भारत का सबसे बड़ा ओशन स्पोर्ट्स महोत्सव

तूतीकोरिन (तमिलनाडु),11 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत का बहुप्रतीक्षित ओशन स्पोर्ट्स फेस्टिवल – 'कडल कोंडट्टम 2025' – इस साल 12 से 14 सितंबर तक तमिलनाडु के तटीय शहर तूतीकोरिन में आयोजित होगा। यह तीन दिवसीय उत्सव समुद्री खेलों के रोमांच, अंतरराष्ट्रीय एथलीटों की भागीदारी और तमिलनाडु की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का शानदार संगम होगा। फेस्टिवल की प्रमुख स्पर्धाओं में स्टैंड-अप पैडलिंग, काइटबोर्डिंग, काइटसर्फिंग, कयाकिंग और बीच ऑब्स्टेकल रेस शामिल होंगी। पूर्व राष्ट्रीय काइटबोर्डिंग चैंपियन अर्जुन मोथा के नेतृत्व में और तमिलनाडु पर्यटन व राज्य सरकार के सहयोग से एक्वा आउटबैक द्वारा आयोजित यह महोत्सव भारत में ओशन-बेस्ड स्पोर्ट्स की बढ़ती लोकप्रियता का प्रतीक बनने जा रहा है। वेयर ओसिन एडवेंचर मीट्स तमिल हेरिटेज टैगलाइन के साथ यह आयोजन न केवल खेलों का उत्सव होगा बल्कि तमिलनाडु को भारत का प्रमुख ओशन एडवेंचर डेस्टिनेशन बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम भी साबित होगा। इस आयोजन में भारत और विदेशों से 150 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। वियतनाम, श्रीलंका, मालदीव समेत कई देशों के खिलाड़ी भारतीय एथलीटों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। वहीं, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, गोवा, आंध्र प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों के प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी पदक की दौड़ में शामिल होंगे। हर खेल में जूनियर, सीनियर और ओपन डिवीजन की पुरुष और महिला श्रेणियां होंगी, जिससे उभरती प्रतिभाओं से लेकर अनुभवी पेशेवरों तक सभी को समान अवसर मिलेगा। एक्वा आउटबैक के संस्थापक अर्जुन मोथा ने कहा,कडल कोंडट्टम सिर्फ खेल नहीं है, बल्कि हमारे महासागरों, हमारी संस्कृति और हमारे समुदाय का उत्सव है। हम चाहते हैं कि पूरी दुनिया तमिलनाडु को भारत के ओशन एडवेंचर के केंद्र के रूप में देखे। यह आयोजन नई पीढ़ी के एथलीटों को प्रेरित करेगा, अंतरराष्ट्रीय सहभागिता को बढ़ाएगा और खेल, पर्यटन व सतत विकास के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करेगा। 'कडल कोंडट्टम 2025' केवल प्रतिस्पर्धी खेलों तक सीमित नहीं रहेगा। इसमें आगंतुकों के लिए तमिलनाडु की पाक-परंपरा का परिचय कराने वाला कोस्टल फूड फेस्टिवल, सनसेट योगा सत्र, कैलिस्थेनिक्स और फिटनेस वर्कशॉप्स, बीच क्लीन-अप ड्राइव्स और ओशन अवेयरनेस प्रोग्राम्स भी आयोजित किए जाएंगे।

इंग्लैंड टी20 सीरीज से बाहर हुए लुंगी एनगिडी

नई दिल्ली। सोफिया गार्डन्स में अभ्यास के दौरान चोटिल हुए दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने बुधवार (10 सितंबर) को इसकी पुष्टि की। मंगलवार को प्रशिक्षण सत्र के दौरान एनगिडी के हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। स्कैन के बाद उनकी चोट की पुष्टि हुई, जिसके चलते उन्हें सीरीज से बाहर होना पड़ा। एनगिडी स्वदेश लौटेंगे। उनकी जगह नांद्रे बर्गर को टीम में शामिल किया गया है। बर्गर हाल ही में खेले गए वनडे सीरीज में हिस्सा थे, जिसे दक्षिण अफ्रीका ने 2-1 से जीता था। हालांकि, बर्गर टी20 टीम से मैनचेस्टर में होने वाले दूसरे मुकाबले से जुड़ेंगे। इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की यह टी20 सीरीज में अफ्रीकी टीम 1-0 से आगे है। दक्षिण अफ्रीका ने पहले टी 20 में इंग्लैंड को 14 रन से हराया। दोनों टीमों के बीच दूसरा मैच 12 सितंबर दिन शुक्रवार को खेला जाएगा। आखिरी मैच रविवार (14 सितंबर) को ट्रेंट ब्रिज में खेला जाएगा।

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025: पूजा रानी सेमीफाइनल में पहुंचीं, पदक पक्का

लिवरपूल,11 सितंबर (एजेंसियां)।

अनुभवी भारतीय मुक्केबाज पूजा रानी पोलैंड की एमिलिया कोटेरस्का पर आसान जीत हासिल करके विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं के 80 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। इसी के साथ पूजा रानी ने एक पदक भी पक्का कर लिया है। अब सेमीफाइनल में पूजा का सामना स्थानीय मुक्केबाज़ एमिली एस्क्विथ से होगा।

पहले दौर में बाई पाने वाली 34 वर्षीय पूजा ने अपने अपार अनुभव का फायदा उठाते हुए बुधवार देर रात क्वार्टर फाइनल में युवा मुक्केबाज कोटेरस्का को 3-2 से हराया। 80 किग्रा भार वर्ग ओलंपिक से इतर है और इस प्रतियोगिता में 12 मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं। इस जीत के साथ दो बार की एशियाई चैंपियन पूजा जैस्मीन लाम्बोरिया (57 किग्रा) और नुपुर श्योराण (80+ किग्रा) के साथ टूर्नामेंट के इस संस्करण में भारत के लिए पदक पक्के करने में सफल रहीं।

इस बीच, भारत के पुरुष अभियान को एक और झटका लगा जब अभिनाश जामवाल 65 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में जॉर्जिया के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लाशा गुरुली से 1-4 के विभाजित निर्णय से हारकर बाहर हो गए। उनके बाहर होने के साथ पुरुष टीम में केवल जदुमणि सिंह (50 किग्रा) ही दौड़ में बचे हैं। अंतिम आठ चरण में उनका सामना मौजूदा विश्व चैंपियन कज़ाकिस्तान के संझार ताशकेनबे से होगा।

यह ताशकंद में हुए पिछले संस्करण की तुलना में भारी गिरावट है, जहां भारत के दीपक भोरिया (51 किग्रा), मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) और निशान देव (71 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते थे। महिला टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में मेज़बान भारत ने चार स्वर्ण पदक जीते थे, जिसमें नीतू घनघस (48 किग्रा), निखत (50 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) और स्वीटी बूरा (81 किग्रा) तीनों ने अपने-अपने फाइनल जीते थे।

इस बार एशिया कप से क्यों बाहर हुआ नेपाल

नई दिल्ली। नेपाल इन दिनों दोहरी चुनौतियों से जूझ रहा है। एक तरफ देश में हिंसा, बगावत और तख्तापलट की वजह से राजनीतिक संकट गहरा गया है, तो दूसरी ओर क्रिकेट के मैदान पर भी उसे बड़ा झटका लगा है। जनरेशन जी की अगुवाई में हुई भारी बगावत के बाद प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा और देश में इमरजेंसी लागू करनी पड़ी। ऐसे हालात में जब भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसे देश एशिया कप 2025 में अपनी ताकत दिखा रहे हैं, नेपाल इस बार टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं बन पाया। सवाल उठना स्वाभाविक है कि नेपाल, जिसने पिछला एशिया कप और टी-20 वर्ल्ड कप दोनों खेले थे, अब क्यों बाहर है। दरअसल, एशिया कप का आयोजन एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के बैनर तले होता है। इसके तहत भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान को फुलटाइम सदस्य होने के कारण डायरेक्ट एंट्री मिलती है, जबकि बाकी तीन स्थानों के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट यानी एसीसी मैंन्स प्रीमियर कप आयोजित किया जाता है। 2024 में हुए प्रीमियर कप में नेपाल ने अपने ग्रुप में टॉप किया और सेमीफाइनल तक पहुंचा, लेकिन वहां उसे यूएई ने छह विकेट से हरा दिया। इस हार के बाद नेपाल को एशिया कप की आखिरी क्वालीफाइंग पोजिशन हासिल करने के लिए हांगकांग से भिड़ना पड़ा।

हांगकांग ओपन : सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में, सेन का सामना प्रणय से

हांगकांग,11 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने गुरुवार को यहां थाईलैंड के पीराचाई सुकफुन और पक्कापोन तीरात्साकुल को हराकर 500,000 अमेरिकी डॉलर इनामी हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। आठवीं वरीयता प्राप्त पूर्व विश्व नंबर एक जोड़ी ने पहले गेम में मिली हार के बाद वापसी करते हुए गैर-वरीय थाई जोड़ी को 63 मिनट तक चले मुकाबले में 18-21, 21-15, 21-11 से हराया। पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में अपना दूसरा कांस्य पदक जीतने वाले विश्व नंबर 9 सात्विक और चिराग का अगला मुकाबला मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप से होगा। भारतीय जोड़ी की शुरुआत धीमी रही और पहले गेम में वे 8-11 से पीछे चल रही थीं, जबकि सुकफुन और तीरात्साकुल का दबदबा था। हालांकि, उन्होंने वापसी करते हुए स्कोर 18-18 कर लिया, लेकिन थाई जोड़ी ने आखिरी तीन अंक हासिल कर पहला गेम अपने नाम कर लिया। भारतीयों ने दूसरे गेम में नए जोश के साथ खेला। 2-2 से 7-7 तक के कड़े मुकाबले के बाद उन्होंने मध्य-खेल ब्रेक तक 11-10 की बढ़त हासिल कर ली और लगातार बढ़त बनाते हुए मैच को निर्णायक गेम तक ले गए। तीसरा गेम एकतरफ़ा रहा, जिसमें सात्विक और चिराग ने 7-2 की बढ़त बनाई और फिर थाई जोड़ी के लड़खड़ाने पर बढ़त और बढ़ा दी। बाद में लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय एक अखिल भारतीय मुकाबले में भिड़ेंगे, जबकि रुतपर्णा और श्वेतपर्णा पांडा की महिला युगल जोड़ी पाँचवीं वरीयता प्राप्त चीन की ली यी जिंग और लुओ जू मिन से भिड़ेगी।

विश्व चैंपियनशिप में सड़क पर होने वाले मुकाबले 30 मिनट पहले होंगे शुरू

नई दिल्ली,11 सितंबर (एजेंसियां)।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के आयोजकों ने टोक्यो की गर्मी से बचने के लिए इस सप्ताहांत रेस वॉक और मैराथन स्पर्धाओं के प्रारंभ समय को 30 मिनट पहले सुबह 7:30 बजे (22:30 तरूज्ञ) कर दिया है। कई देशों की तरह जापान भी इस वर्ष अत्यधिक गर्म मौसम की मार झेल रहा। इस महीने अब तक टोक्यो में औसत तापमान 33 डिग्री सेल्सियस (91.4 डिग्री फारेनहाइट) रहा है, जो सितम्बर में उच्चतम रिकॉर्ड बनाने की ओर अग्रसर है।

महानगरीय अग्निशमन विभाग के अनुसार पिछले महीने जापानी राजधानी में 3,300 से ज़्यादा लोगों को हीट स्ट्रोक के कारण अस्पताल ले जाया गया था। स्थानीय आयोजन समिति ने एक बयान में कहा कि विश्व चैंपियनशिप सितंबर के मध्य में होने वाली थी, जब टोक्यो में गर्मियों के मुकाबले तापमान कम रहने की उम्मीद थी, लेकिन इस साल तापमान मध्य गर्मियों के स्तर पर ही बना हुआ है। उन्होंने अपने इस फैसले के पीछे स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी जोखिम का हवाला दिया।

बयान में कहा गया कि 2021 में महामारी के कारण विलंबित ओलंपिक खेलों में मैराथन स्पर्धा टोक्यो की गर्मी से बचने के लिए लगभग 800 किलोमीटर (500 मील) उत्तर में स्थित साप्पोरो में आयोजित की गई थी, हालाँकि दोनों शहरों में तापमान लगभग समान ही रहा। गुरुवार तक तीन दिवसीय सप्ताहांत में टोक्यो में अधिकतम तापमान 31-34 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है, जबकि 35 किलोमीटर पैदल चाल और मैराथन स्पर्धाएँ मूल रूप से सुबह 8 बजे शुरू होने वाली थीं।

शनिवार को आर्द्रता 75 फीसदी दर्ज की गई। मैराथन के लिए एथलीटों को पानी पिलाने के लिए मार्ग में 185 जल स्टॉप स्थापित किए जायेंगे, जो टोक्यो खेलों के लिए निर्धारित संख्या से कहीं अधिक है। आयोजकों ने बताया कि शनिवार से शुरू होने वाली नौ दिवसीय चैंपियनशिप के दौरान अन्य जगहों पर गर्मी से बचाव के उपायों के लिए, स्टेडियम और वार्म-अप स्थल के आसपास एथलीटों और आगंतुकों के लिए विकिरण-रोधी शीतलन सामग्री वाले कपड़े से बने टेंट लगाए जायेंगे।

स्वयंसेवकों और कर्मचारियों पर घड़ी जैसे उपकरणों से हीट स्ट्रोक की निगरानी की जाएगी, जो शरीर के मुख्य तापमान को मापते हैं और खतरनाक स्तर पर अलार्म बजाते हैं ।

नितिन गडकरी ने ई20 ईंधन पर 'पेट्रोल लॉबी' के दुष्प्रचार को बताया निराधार

पेट्रोलियम मंत्रालय भी ईंधन दक्षता में कमी की आशंकाओं को गलत मानता है

नई दिल्ली,11 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ई20 ईंधन को लेकर सोशल मीडिया पर चल रहे विवाद को 'पेट्रोल लॉबी' द्वारा प्रायोजित दुष्प्रचार करार दिया। ई20 ईंधन में 80 प्रतिशत पेट्रोल और 20 प्रतिशत एथेनॉल होता है। हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर यह चिंता जताई गई कि ई20 ईंधन से वाहन की माइलेज और इंजन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। गडकरी ने फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के वार्षिक सम्मेलन में कहा कि पेट्रोल लॉबी बहुत मजबूत और अमीर है और वह ईंधन के खिलाफ गलत प्रचार कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह दुष्प्रचार निराधार है और पेट्रोलियम मंत्रालय भी ईंधन दक्षता में कमी की आशंकाओं को गलत मानता है। मंत्री ने भारतीय वाहन उद्योग में सेमीकंडक्टर चिप और दुर्लभ खनिज मैग्नेट की कमी को भी उजागर किया। ये कमियां भारत की चीन पर निर्भरता के कारण आई थीं। लेकिन उन्होंने बताया कि अब भारत में सेमीकंडक्टर चिप का उत्पादन शुरू हो चुका है। साथ ही, देश की स्टार्टअप कंपनियां नई बैटरी तकनीकों जैसे सोडियम आयन, लीथियम आयन, जिंक आयन और एल्युमीनियम आयन बैटरियों पर काम कर रही हैं। गडकरी ने पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग को भी दुर्लभ खनिज प्राप्त करने का स्रोत बताया और सरकार की प्रोत्साहन नीतियों का जिक्र किया। गडकरी ने कहा कि वैकल्पिक ईंधन और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के बावजूद पेट्रोल और डीजल वाहनों की मांग बढ़ती रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

घरेलू एल्युमीनियम उद्योग को नीतिगत सुधारों की जरूरतः हिंडाल्को

नई दिल्ली। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के एक मुख्य अधिकारी ने कहा है कि घरेलू एल्युमीनियम उद्योग को विकास के अगले चरण में ले जाने के लिए कई नीतिगत उपायों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन, आयातित मशीनरी पर आयात शुल्क का सुधार और भारतीय गुणवत्ता मानकों का सख्ती से पालन इस उद्योग की मजबूती के लिए जरूरी हैं। उन्होंने वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए उद्योग की तीन मुख्य प्राथमिकताएं बताईं। पहली, बेहतर डाई तक पहुंच जिससे उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार हो। दूसरी, सर्कुलरिटी और रीसाइकलिंग को अपनाकर संसाधनों की बचत। तीसरी, डिजिटलीकरण के माध्यम से लागत कम करना और नवाचार को बढ़ावा देना। उन्होंने सरकार के एल्युमीनियम विजन दस्तावेज का हवाला देते हुए कहा कि अगले पांच वर्षों में एल्युमीनियम की खपत वर्तमान 50 लाख टन से बढ़कर 1 करोड़ टन तक पहुंच जाएगी। इसके पीछे तेज शहरीकरण, औद्योगिक विकास, बुनियादी ढांचे पर खर्च और पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा स्रोतों की बढ़ती मांग मुख्य कारण होंगे ।

रूस से भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति में इजाफा, सितंबर में सप्लाई बढ़कर 15.5 लाख बैरल प्रतिदिन हुई

नई दिल्ली। पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के दबाव के बावजूद रूस से भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति नियमित और बढ़ती हुई बनी हुई है। केप्लर के वैश्विक शिपिंग डेटा के मुताबिक सितंबर के शुरुआती नौ दिनों में भारत को रूस से प्रतिदिन 15.5 लाख बैरल कच्चा तेल मिला, जो अगस्त के 14.9 लाख बैरल प्रति दिन से अधिक है। यह स्पष्ट संकेत है कि भारत रूस से रियायती दरों पर तेल खरीदने में रुचि रखता है। भारत की प्रमुख सरकारी तेल रिफाइनर कंपनियां जैसे इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी रखे हुए हैं। इन कंपनियों का तर्क है कि रूस के तेल पर सीधे कोई प्रतिबंध नहीं लगे हैं, इसलिए वे इसका लाभ उठा रही हैं। केप्लर के रिफाइनिंग एंड मॉडलिंग के एक प्रमुख अधिकारी के अनुसार स भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता है, जो कुल आयात का एक तिहाई से अधिक हिस्सा देता है। यह प्रतिबंधों के बीच भारत की रूस से अधिकतम रियायती तेल हासिल करने की रणनीति को दर्शाता है।

चीन के आश्वासन के बावजूद भारत को खनिज और मैग्नेट की आपूर्ति नहीं मिली

नई दिल्ली। भारत के वाहन और अन्य उद्योगों के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण खनिजों और मैग्नेट की चीन से आपूर्ति अभी तक नहीं हो पाई है। चीन ने भारत को निर्यात प्रतिबंधों में ढील देने का आश्वासन दिया था, लेकिन घरेलू कंपनियों को अभी तक कोई सप्लाई नहीं मिली है। विदेश मंत्री वांग यी ने हाल ही में भारत दौरे के दौरान इस मामले में सकारात्मक संकेत दिए थे कि ये खनिज वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स, मेडिकल और रक्षा उद्योगों के लिए अत्यंत जरूरी हैं। चीन ने 4 अप्रैल के बाद से इन सामग्रियों के निर्यात पर कड़े नियम लागू किए हैं। इन नियमों के तहत विक्रेताओं को निर्यात के लिए विशेष लाइसेंस लेना होता है, जिससे निर्यात प्रक्रिया जटिल और लंबी हो गई है। नए नियमों के अनुसार आयातकों को यह गारंटी देनी होती है कि सामग्री का दोहरा उपयोग या रक्षा से संबंधित उद्देश्य के लिए उपयोग नहीं होगा। इस प्रक्रिया में देरी के कारण सप्लाई में बाधाएं आई हैं, जिससे भारतीय उद्योग प्रभावित हुए हैं। चीन से आवश्यक खनिजों की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए भारत राजनयिक स्तर पर वार्ता कर रहा है। चीन ने भारत को निर्यात प्रतिबंधों में ढील देने का दिया था आश्वासन जून में वाहन उद्योग ने सरकार के समक्ष चिंता जताई थी कि इन कच्चे माल की आपूर्ति में देरी से इलेक्ट्रिक वाहनों सहित वाहन निर्माण प्रभावित हो रहा है। सरकार और उद्योग इस मुद्दे के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

शाओमी 15टी सीरीज लॉन्च करने की तैयारी

नई दिल्ली,11 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय बाजार में चाइनीज कंपनी शाओमी 15टी सीरीज लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। कंपनी की इस सीरीज में दो मॉडल शाओमी 15टी और शाओमी 15टी प्रो शामिल होंगे। हाल ही में लीक हुई रिपोर्ट्स ने दोनों स्मार्टफोन्स के डिजाइन, फीचर्स और संभावित कीमत का खुलासा किया है। शाओमी 15टी में प्लास्टिक फ्रेम जबकि 15टी प्रो में प्रीमियम मेटल फ्रेम दिया जाएगा। दोनों ही फोन में 6.83 इंच का अमोलेड डिस्प्ले होगा, जिसे कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास 7आई से सुरक्षा मिलेगी।

डिस्प्ले एचडीआर10 प्लस, डोल्बी विजन, डीसीआई-पी3 कलर कवरेज और 3200 निट्स पीक ब्राइटनेस के साथ आएगा। जहां शाओमी 15टी में 120एचझेड रिफ्रेश रेट मिलेगा, वहीं प्रो मॉडल 144 एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ और भी स्मूथ अनुभव देगा।

परफॉर्मेंस की बात करें तो शाओमी 15टी में मीडियाटेक डायमेंसिटी 8400 अल्ट्रा प्रोसेसर होगा, जबकि शाओमी 15टी प्रो में शक्तिशाली डायमेंसिटी 9400 प्लस चिपसेट मौजूद रहेगा। दोनों ही डिवाइस 12जीबी रैम और 256जीबी व 512जीबी स्टोरेज ऑप्शंस के साथ पेश किए जाएंगे। कैमरा सेटअप भी खास होगा। 15टी प्रो में 50एमपी लाइट फयूजन 900 मेन सेंसर, 50एमपी 5एक्स टेलीफोटो और 12 एमपी अल्ट्रा-वाइड कैमरा दिया जाएगा, वहीं 15टी में 50एमपी लाइट फयूजन 800 मेन सेंसर, 2 गुना टेलीफोटो और 12 एमपी अल्ट्रा-वाइड कैमरा मिलेगा। दोनों फोन 32 एमपी फ्रंट कैमरे से लैस होंगे, जो लेइका ब्रांडिंग के साथ आएंगे। बैटरी के मामले में दोनों डिवाइस दमदार होंगे। इनमें 5500 एमएएच बैटरी होगी, जहां 15टी प्रो 90वॉट फास्ट चार्जिंग और शाओमी 15टी प्रो 90वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करेगा। हालांकि, बॉक्स में चार्जर शामिल नहीं होगा। इसके अलावा, दोनों स्मार्टफोन आईपी68 वाटरप्रूफ रेटिंग और ईसिम सपोर्ट जैसी प्रीमियम सुविधाओं से लैस होंगे। कीमत को लेकर लीक रिपोर्ट्स का दावा है कि शाओमी 15टी की शुरुआती कीमत लगभग रुपए 67,000 और 15टी प्रो की लगभग रुपए 82,500 हो सकती है।

इंफोसिस करेगी पांचवां शेयर बायबैक, निवेशकों को मिल सकता है बड़ा फायदा

नई दिल्ली। देश की प्रमुख आईटी कंपनी इंफोसिस लिमिटेड अपने पांचवें शेयर बायबैक प्रोग्राम की तैयारी में है। कंपनी के बोर्ड की बैठक में इस प्रस्ताव पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। जैसे ही बायबैक की खबर सामने आई, निवेशकों की दिलचस्पी इंफोसिस के शेयर में एक बार फिर बढ़ गई है। शेयर बायबैक का मतलब है कि कंपनी अपने शेयर बाजार से खुद के ही शेयर खरीदती है। इससे शेयरों की कुल संख्या घटती है और बचे हुए शेयरों की वैल्यू बढ़ जाती है। कंपनियां अक्सर तब बायबैक करती हैं जब उनके पास नकदी भंडार अधिक होता है या वे निवेशकों को यह संदेश देना चाहती हैं कि मौजूदा कीमतें आकर्षक हैं। इंफोसिस अब तक चार बायबैक कर चुकी है और कुल 39,760 करोड़ रुपए खर्च कर चुकी है। 2017 का सबसे बड़ा बायबैक था, जिसमें 13,000 करोड़ रुपए की लागत से 113 मिलियन शेयर वापस खरीदे गए थे। इतिहास बताता है कि इंफोसिस के बायबैक के बाद शेयरों में अच्छा प्रदर्शन देखने को मिला है। चार बार में 39,760 करोड़ खर्च! अब इंफोसिस करने जा रही 5वां बायबैक, निवेशकों की निगाहें टिकीं 2021 और 2022 के बायबैक के बाद शेयरों में लंबी अवधि में 20 फीसदी से ज्यादा तेजी दर्ज की गई। फिलहाल इंफोसिस का शेयर 1,534 रुपए पर ट्रेड कर रहा है, जो इसके हालिया निम्न स्तर के 1,428 से काफी ऊपर है, लेकिन अब भी अपने ऑल टाइम हाई से 28 फीसदी नीचे है। साल 2025 में अब तक इसमें 18.5 फीसदी की गिरावट आई है।

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में पुनः तेजी, दोनों नेता सकारात्मक

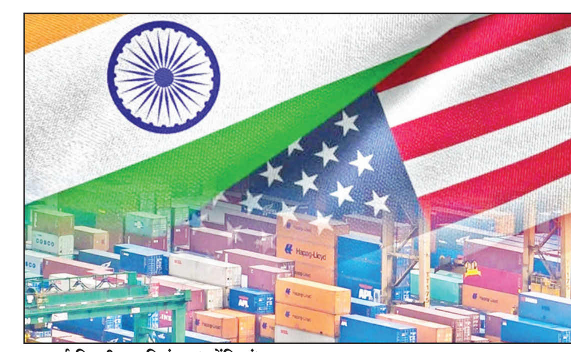

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कहा, वे प्रधानमंत्री मोदी से मिलने के लिए उत्सुक हैं

नई दिल्ली,11 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से रुकी व्यापार वार्ता में फिर से गति आ गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए बातचीत जल्द पूरा करने की उम्मीद जताई है। दोनों नेताओं ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से सकारात्मक संदेश दिए हैं और आगामी हफ्तों में बातचीत को अंतिम रूप देने के लिए उत्सुकता जताई है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कहा कि भारत-अमेरिका के बीच व्यापार बाधाओं को दूर करने की बातचीत जारी है और वे प्रधानमंत्री मोदी से मिलने के लिए उत्सुक हैं। मोदी ने एक्स पर कहा कि भारत और अमेरिका घनिष्ठ मित्र हैं और दोनों देशों की टीमें व्यापार वार्ता जल्द से जल्द पूरी करने के लिए काम कर रही हैं। उन्होंने दोनों देशों के उज्जवल भविष्य के लिए सहयोग की बात भी कही। हालांकि, अभी कुछ विवादित मुद्दे जैसे डेयरी एवं जीन संवर्धित फसलों के लिए बाजार खोलना और वाहनों पर शुल्क में रियायत देना, समाधान नहीं हो पाए हैं। इसके अलावा रूस से तेल खरीद पर लगाए गए अमेरिका के अतिरिक्त शुल्क भी दोनों देशों के बीच तनाव का कारण बने हैं। फरवरी में दोनों नेताओं ने इस साल के अंत तक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को रा करने की इच्छा जताई थी। मार्च में शर्तें तय हुईं और जुलाई तक पांच दौर की वार्ता हुई, लेकिन अंतरिम समझौते को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका। इस बार दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता की सफलता से द्विपक्षीय संबंधों में मजबूती आने की उम्मीद जताई जा रही है।

नई मिड-साइज़ एसयूवी 'विक्टोरिस' लॉन्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी ने अपनी नई मिड-साइज़ एसयूवी 'विक्टोरिस' लॉन्च कर दी है। विक्टोरिस का मुकाबला ह्युंडई क्रेटा, किया सैल्टॉस, होंडा एलीवेट, स्कोडा कुशाक और फॉक्सवैगन टाइगन से होगा। इसमें पहली बार लेवल-2 अडास फीचर्स दिए गए हैं, जिनमें एडाप्टिव क्रूज़ कंट्रोल, लेन कीप असिस्ट, ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग और ब्लाइंड स्पॉट मॉनिटरिंग शामिल हैं। इसके अलावा इसमें सेगमेंट-फर्स्ट अंडरफ्लोर सीएनजी टैंक दिया गया है, जिससे बूट स्पेस पूरी तरह उपलब्ध रहता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत ने की...

भारत और मॉरीशस का रिश्ता केवल द्विपक्षीय साझेदारी नहीं बल्कि रक्त-संबंधों जैसा है, जहाँ संस्कृति, परंपरा और प्रवासी भावना एक साझा सेतु का निर्माण करती है।

काशी केवल भारत की धार्मिक राजधानी नहीं, बल्कि विश्व के सबसे प्राचीन जीवित नगरों में एक है। यहाँ से निकली भारतीय संस्कृति ने मॉरीशस की मिट्टी में भी अपनी जड़ें जमाई हैं। जब प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और मॉरीशस परिवार हैं, तो यह वाक्य प्रवासी भारतीयों की पीढ़ियों के अनुभव का संक्षेप था। वाराणसी की यह मुलाकात भारत की सांस्कृतिक कूटनीति का एक उज्ज्वल उदाहरण है।

आपदाग्रस्त उत्तराखंड...

पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

प्रधानमंत्री ने बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनका दर्द सुना और मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने तत्काल राहत के तौर पर उत्तराखंड के लिए 1200 करोड़ की वित्तीय सहायता की घोषणा की। साथ ही, आपदा में जान गंवाने वालों के परिवारों को 2 लाख और गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को 50,000 की अनुग्रह राशि देने का ऐलान किया।

बाढ़ और भूस्खलन से अनाथ हुए बच्चों को पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत दीर्घकालिक देखभाल और कल्याण का भरोसा दिया गया। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह सहायता आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत अस्थायी है, लेकिन राज्य सरकार की माँग और केंद्रीय टीमों की रिपोर्ट के आधार पर आगे की मदद पर विचार किया जाएगा।

उत्तराखंड में इस साल अप्रैल से अब तक प्राकृतिक आपदाओं में 85 लोगों की मौत, 128 घायल और 94 लापता हुए हैं। उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, पौड़ी, बागेश्वर और नैनीताल के कई हिस्सों में करोड़ों की संपत्ति नष्ट हुई है।

राज्य सरकार ने केंद्र से 5700 करोड़ की विशेष सहायता माँगी है, जिस पर पीएम के दौरे से सकारात्मक निर्णय की उम्मीद जताई जा रही है।पुनर्निर्माण के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत ङ्खविशेष परियोजनाफ के माध्यम से क्षतिग्रस्त ग्रामीण घरों को वित्तीय मदद दी जाएगी। इसके अलावा, राष्ट्रीय राजमार्गों की मरम्मत, स्कूलों का पुनर्निर्माण, पीएम राष्ट्रीय राहत कोष से सहायता और पशुधनों के लिए मिनी किट वितरण जैसे कदम उठाए जाएँगे। प्रधानमंत्री ने राहत कार्यों में जुटे एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, राज्य प्रशासन और सेवा संगठनों के जवानों की सराहना की।

पीएम मोदी ने कहा, केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर इस मुश्किल वक्त में हर संभव मदद करेंगी। दौरे के बाद प्रधानमंत्री दिल्ली रवाना हो गए।

चुनाव आयोग ने ...

स्वास्थ्य योजना के तहत चिकित्सा लाभ के लिए जारी किया जाता है, न कि नागरिकता प्रमाण के रूप में। आयोग ने इस आधार पर प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया।

सूत्रों के अनुसार, अगर सब कुछ योजना के अनुसार चला, तो बंगाल सहित पूरे देश में एसआईआर प्रक्रिया अक्टूबर में दुर्गा पूजा के बाद शुरू की जा सकती है। आयोग ने सभी राज्यों को 30 सितंबर तक तैयारी पूरी करने के निर्देश दिए हैं। बंगाल में पिछली बार एसआईआर वर्ष 2002 में हुआ था, और आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए यह प्रक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

राज्य सरकार का तर्क था कि स्वास्थ्य साथी कार्ड जारी करने से पहले नागरिक की पहचान की पुष्टि की जाती है, इसलिए इसे नागरिकता प्रमाण माना जाना चाहिए। हालांकि आयोग ने इसे अस्वीकार कर दिया। इस निर्णय के बाद राज्य और केंद्र के बीच मतदाता पहचान को लेकर मतभेद और राजनीतिक बयानबाज़ी तेज़ हो सकती है।

4 राज्यों में ऑपरेशन...

अधिकतर समय कमरे में ही रहता था।

मध्य प्रदेश के ब्यावरा से कामरान कुरैशी, दिल्ली से आफताब और सूफियान तथा हैदराबाद से एक अन्य आतंकी को गिरफ्तार किया गया है। आफताब को हथियार खरीदने की जिम्मेदारी दी गई थी और उसकी गिरफ्तारी के बाद सूफियान को भी पकड़ा गया। सभी आतंकी सोशल मीडिया के माध्यम से एक-दूसरे से संपर्क में रहते थे और ट्रेनिंग के दौरान उन्हें सिखाया गया था कि वे अपनी गतिविधियों की जानकारी किसी से साझा न करें। पुलिस के अनुसार, दानिश को पाकिस्तान का हैंडलर लगातार निर्देश देता था और भारत में एक निश्चित स्थान पर खिलाफत की घोषणा कर आतंकी हमलों की शुरुआत करने की योजना बनाई जा रही थी।

यह कार्रवाई देश की सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, जिसने समय रहते एक गंभीर आतंकी साजिश को विफल कर दिया। गिरफ्तार किए गए सभी आतंकियों से पूछताछ जारी है और उनके नेटवर्क से जुड़े अन्य संभावित सहयोगियों की तलाश की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों ने इस ऑपरेशन को छह महीने की निगरानी और खुफिया इनपुट के आधार पर अंजाम दिया, जिससे देश में संभावित आतंकी खतरे को टालने में सफलता मिली है।

महाराष्ट्र पुलिस ...

मई 2023 में अकोला के ओल्ड सिटी क्षेत्र में पैगंबर मोहम्मद से जुड़ी एक आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट के बाद सांप्रदायिक हिंसा भड़क उठी थी। इसमें विलास महादेवराव गायकवाड़ की हत्या हुई और याचिकाकर्ता सहित आठ लोग घायल हुए थे।

महाराष्ट्र पुलिस ने कुछ आरोपितों को गिरफ्तार कर हत्या में इस्तेमाल हथियार बरामद किए और चार्जशीट दाखिल की। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि पुलिस ने याचिकाकर्ता की शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया और जाँच में पूर्वाग्रह दिखाया। कोर्ट ने सभी दोषी अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश भी दिए हैं।

इससे पहले बॉम्बे हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता की अपील यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि उन्होंने समय पर पुलिस को जानकारी नहीं दी और चार्जशीट पहले ही दाखिल हो चुकी थी। कोर्ट को याचिका में ङ्खछिपा हुआ मकसदफ नजर आया था। इसके खिलाफ याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि एसआईटी तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करे और पुलिस विभाग को अपने अधिकारियों को संवेदनशीलता और कानून के प्रति ज़िम्मेदारी का प्रशिक्षण देने के लिए कदम उठाने को कहा है।

दुनिया में पहले नंबर पर...

इथेनॉल के खिलाफ था लेकिन राजनीतिक रूप से यह उन्हें निशाना बनाने के लिए था।

उन्होंने कहा कि इथेनॉल पेट्रोलियम आयात का विकल्प है, इससे प्रदूषण कम होता है और किसानों की आमदनी बढ़ाने वाला है।

उन्होंने वाहन उद्योग से वाहन परीक्षण केंद्र स्थापित करने और स्क्रैपिंग को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने कहा कि वह पुराने वाहन को स्क्रैप करके नये वाहन खरीदने वालों के लिए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में छूट पर भी सरकार के अंदर पैरवी कर रहे हैं। देश में हर साल 60 लाख टन स्क्रैप स्टील का आयात किया जाता है जबकि नयी स्क्रैप नीति लाने के बाद अब 3.76 लाख टन स्क्रैप स्टील की घरेलू आपूर्ति हो रही है।

क्रॉस-वोटिंग और...

सुदीप बंद्योपाध्याय और सौगत रॉय जैसे वरिष्ठ नेता अस्वस्थ होने के बावजूद मतदान करने पहुँचे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट), राष्ट्रीय जनता दल (तेजस्वी यादव) और डीएमके ने भी दावा किया कि उनके सांसदों ने विपक्षी उम्मीदवार को वोट दिया।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मतदान के बाद दावा किया था कि विपक्षी एकता पूरी तरह कायम है और सभी सांसदों ने रेड्डी के पक्ष में मतदान किया। लेकिन नतीजों ने इस दावे को कमजोर कर दिया। भाजपा नेताओं ने विपक्ष के भीतर असहमति और रणनीतिक विफलता की ओर इशारा करते हुए कहा कि विपक्षी खेमे में अंतरात्मा की आवाज़ ने एनडीए को फायदा पहुँचाया।

इस चुनाव ने विपक्षी खेमे में अंदरूनी असहमति, रणनीतिक असंतुलन और नेतृत्व की चुनौतियों को उजागर कर दिया है। विपक्षी एकता की जो तस्वीर चुनाव से पहले पेश की गई थी, वह नतीजों के बाद बिखरती नजर आई। अब यह देखना होगा कि विपक्ष इस झटके से कैसे उबरता है और आगामी चुनावों के लिए अपनी रणनीति को कैसे पुनर्गठित करता है।

केंद्र योग में निम्न राशियों को धन लाभ के शुभ संयोग बनेंगे और आर्थिक स्थिति होगी मजबूत

आज यानी 12 सितंबर, शुक्रवार के दिन मेष राशि में चंद्रमा और शुक्र चंद्रमा की राशि कर्क में रहेंगे और एक दूसरे के केंद्र स्थान पर होकर चतुर्थ दशम भाव में होकर केंद्र योग बनाएंगे। ऐसे में धन की देवी माता लक्ष्मी मिथुन, सिंह, तुला और धनु राशि को खूब लाभ दिलाने वाली हैं। इनके बिगड़े काम बनने लगेंगे, जिससे आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। राजनीति के क्षेत्र से जुड़े लोगों को सफलता मिलेगी और भौतिक सुख के साधनों में वृद्धि होगी। व्यापार में नई योजनाएं बनेंगी और नए संपर्क बनाने से लाभ मिलेगा। धन लाभ के शुभ संयोग बनते जाएंगे और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरी करने वालों के अधिकार बढ़ेंगे और करियर में सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा और संतान की ओर से कोई शुभ समाचार सुनने को मिलेगा।

मेष : आत्मविश्वास में वृद्धि होगी

कारोबार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है और कामकाज की स्थिति अच्छी बनी रहेगी। इससे आपके आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी। व्यापार के मामले में पुराने मित्रों का सहयोग प्राप्त हो सकता है, जिससे अनुकूल परिणाम देखने के मिलेंगे। आप जो भी निर्णय बुद्धि और विवेक के साथ लेंगे उससे सुखद परिणाम जरूर मिलेंगे। राजनीति के क्षेत्र से जुड़े लोगों का दिन भी अच्छा रहने वाला है।

वृषभ : भौतिक सुख के साधन बढ़ेंगे

आपको भूमि और संपत्ति संबंधी मामलों में सावधान रहने की जरूरत है, अन्यथा कोई विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। हालांकि, आपको भौतिक सुख के साधनों में वृद्धि होगी। कार्यस्थल पर आप अपनी बातों को सभी के सामने दृढ़तापूर्वक रखने में सफल रहेंगे। लेकिन किसी भी यात्रा के दौरान आपको सावधान रहने की जरूरत होगी। शाम में दोस्तों के साथ वक्त बिताने का मौका मिल सकता है।

मिथुन : व्यापार में बनेंगी नई योजनाएं

व्यापार के मामले में आप नई योजनाएं बना सकते हैं, जो भविष्य के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती हैं। वहीं, अगर लंबे समय से किसी कर्ज में फंसे थे तो अब उससे भी छुटकारा मिल सकता है। कुछ सुख के साधनों पर धन खर्च कर सकते हैं और परिवार में संतान की ओर से पूर्ण सहयोग व सुख प्राप्त होगा। लेकिन आर्थिक मामलों में आपको ज्यादा खर्चे से बचना होगा।

कर्क : व्यापार में नए संपर्कों से लाभ मिलेगा

कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों के साथ बोलचाल बढ़ेगी और आपको उनका सहयोग भी प्राप्त होगा। भौतिक सुख के साधनों में वृद्धि हो सकती है और जीवन में समृद्धि आएगी। व्यापार के मामले में नए संपर्क बनाने से लाभ हो सकता है और निवेश से भी मुनाफा कमाने के संकेत हैं। आप कुछ शुभ कार्यों में शामिल हो सकते हैं जिससे प्रसिद्धि बढ़ेगी। वहीं, पारिवारिक माहौल सामान्य रहेगा।

सिंह : व्यवसाय के क्षेत्र में पाएंगे सफलता

आपकी कुछ अधूरी इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। लेकिन इसके लिए आपको मेहनत करते रहनी होगी। व्यापार के मामले में यात्राओं द्वारा सुखद परिणाम प्राप्त हो सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। लेकिन कार्यक्षेत्र में आपको किसी भी उच्च अधिकारी से बहस या वाद-विवाद करने से बचना होगा, अन्यथा समस्या खड़ी हो सकती है। व्यवसाय के क्षेत्र में योजनाएं सफल होने की संभावना है।

कन्या : आर्थिक स्थिति होगी मजबूत

अगर कार्यक्षेत्र में किसी व्यक्ति या सहकर्मी के साथ कोई विवाद चल रहा था तो अब आपको उससे छुटकारा मिल सकता है। खर्चों में कमी आ सकती है और बचत बढ़ेगी, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती जाएगी। आपको नए वाहन का सुख भी प्राप्त हो सकता है। कामकाज के सिलसिले में आपके रुके हुए सभी काम बनने शुरू हो सकते हैं। ऐसे में सुकून महसूस होगा।

तुला : धन लाभ के बनेंगे शुभ योग

नौकरी करने वालों के लिए दिन बेहद शुभ रहने वाला है। कार्यस्थल पर आपके अधिकारों में वृद्धि हो सकती है और पदोन्नति होने की भी संभावना है। धन लाभ के शुभ योग बनते जाएंगे जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा और राजनीति के क्षेत्र में सफलता प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक माहौल शांतिपूर्ण बना रहेगा और जीवन में सुख-शांति आएगी।

वृश्चिक : किसी बड़े अधिकारी से मिलेंगे

राजनीति के क्षेत्र में आपकी मुलाकात किसी महान व्यक्ति या नेता से हो सकती है, जो भविष्य के लिए लाभदायक भी सिद्ध होगी। व्यापार के सिलसिले में आपको किसी यात्रा पर भी जाना पड़ सकता है। लेकिन सेहत पर खास ध्यान देने की जरूरत होगी, अन्यथा इसका प्रभाव कामकाज पर भी पड़ सकता है। ऐसे में खानपान का विशेष ख्याल रखें।

धनु : नई योजनाओं से होगा लाभ

नए व्यापार को शुरू करने के लिए आप कई योजनाएं बना सकते हैं। इनसे आगे चलकर धन लाभ होने के भी संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में सभी बिगड़े काम बनने शुरू हो जाएंगे, जिससे आपके आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी। परिवार में भाई-बहनों से पूर्ण सहयोग व सुख प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में भी लाभ मिलने की संभावना है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

मकर : पैसों की लेन-देन में सतर्क रहें

आर्थिक मामलों में आपको सतर्क रहने की जरूरत है, अन्यथा किसी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है और धन हानि होने के भी संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में आपको विरोधियों से सावधान रहना होगा क्योंकि, वे आपके खिलाफ कोई योजना बना सकते हैं। हालांकि, आप अपनी बुद्धिमानी से स्थिति को सामान्य बना सकते हैं। पारिवारिक मामले में दिन अच्छा रहने वाला है।

कुंभ : जरूरी मीटिंग में होंगे शामिल

अगर कार्यक्षेत्र में आपके कुछ पुराने कार्य अटके हुए हैं, तो कुछ बाधाओं और धन खर्च के बाद वे पूरे हो जाएंगे। इससे आपको थोड़ा सुकून महसूस होगा। आप किसी महत्वपूर्ण मीटिंग या चर्चा का हिस्सा भी बन सकते हैं, जहां आपके सुझाव को गंभीरता से लिया जाएगा। कार्यस्थल पर विरोधी पराजित होंगे और आपके प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आप किसी धार्मिक समारोह में भी शामिल हो सकते हैं।

मीन : मिलेगा कोई शुभ समाचार

आपके पराक्रम में वृद्धि होगी और व्यापार के मामले में दिन शुभ रहने वाला है। आपके द्वारा किए गए प्रयासों और योजनाओं से अनुकूल परिणाम प्राप्त हो सकता है। नौकरी करने वाले अपने कामकाज में ज्यादा व्यस्त रहेंगे, जिसके चलते आपकी प्रशंसा भी की जाएगी। परिवार में संतान की ओर से कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

पितृपक्ष में पितरों की शांति के साथ राशि अनुसार दान दिलाए सुख-समृद्धि

पितृपक्ष में दिवंगत पूर्वजों की स्मृति में, उनकी राशि यदि ज्ञात हो, तो उसके अनुसार दान अथवा स्वयं की राशि अनुसार दान अत्यन्त प्रभावशाली माना गया है। भले ही हमारे पूर्वज आज इस धरती पर न हो, लेकिन आज भी हमारा जुड़ाव उनसे है। पितरों से जुड़ाव होने के कारण आप जो दान करते हैं, उसका शुभ फल पितृपक्ष के दौरान उन्हें प्राप्त होता है। पितृपक्ष में अपने पितरों के निमित्त शास्त्र सम्मत विधि से पिंड दान, तर्पण आदि धर्म शास्त्रों में वर्णित कर्मकांड शास्त्र विधि से करना अनिवार्य है क्योंकि पितृपक्ष के दौरान पितरों के निमित्त श्रद्धा से किया गया प्रत्येक कर्म पितरों को सद्गति प्रदान करता है।प्रत्येक शिशु का जुड़ाव उसके पूर्वजों से बना रहता है। क्रोमोजोम्स के माध्यम से वैज्ञानिकों ने प्रमाणित किया है कि नवजात शिशु में कुछ गुण दादा व परदादा के व कुछ गुण नानामह व नाना के समाहित रहते हैं। पितरों के निमित्त श्राद्ध आदि कर्म करने से पितरों के साथ-साथ स्वयं का भी कल्याण होता है।

दान का महत्व विशेष- विष्णु पुराण में पितृ पक्ष में दान देने की महत्व के बारे में बताया गया है। पितृपक्ष के दौरान दक्षिण दिशा की ओर मुंह करके दान देने से पितृदोष का निवारण होता है। जो लोग जाने-अनजाने और भूल वश अपने पितरों का तर्पण, श्राद्ध नहीं करते उन्हें पितृगण श्राप दे देते हैं। पूर्वजों की याद में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए उनके नाम से श्राद्ध, तर्पण दान आदि अवश्य करना चाहिए, इसी के साथ ही राशियों के अनुसार पूर्वजों की स्मृति में दान किया जाए तो यह सोने पे सुहागा समान होता है।

मेष राशि- राशि स्वामी मंगल - भूमिदान अथवा संकल्प और दक्षिणा सहित मिट्टी के ढेले का दान विशेष फलदायक अथवा लाल वस्तुओं का दान, तांबा दान

वृषभ राशि- शुक्र- सफेद गाय का दान अथवा कन्या को खीर खिलाएं

मिथुन राशि- बुध- आवंला, अंगूर, मूंगा का दान, मूंग की दाल का दान

कर्क राशि- चन्द्रमा- नारियल, जौ, दूध, दही, चांदी का दान

सिंह राशि- सूर्य- स्वर्ण दान, खजूर दान, अन्न का दान

कन्या राशि- बुध- गुड़दान, आंवला, अंगूर, मूंगा का दान, मूंग की दाल का दान

तुला राशि- शुक्र- खीर दान, दूध से बनी वस्तुओं का दान

वृश्चिक राशि- मंगल- भूमि दान अथवा संकल्प और दक्षिणा सहित मिट्टी के ढेले का दान

धनु राशि- गुरु- राम नाम लिखा वस्त्र, अगोंछा दान

मकर राशि- शनि-तिल के तेल का दान, तिल दान

कुम्भ राशि- शनि- तिल दान, तेल से बने पदार्थ आदि का दान

मीन राशि- गुरु- धार्मिक पुस्तक गीता आदि का दान

ग्रहों को ध्यान में रखकर किया गया दान दिलाता है अनिष्ट ग्रहों से मुक्ति इसलिए राशि अथवा लग्न के अनुसार किया गया दान कभी भी व्यर्थ नहीं जाता है। यदि किसी व्यक्ति को उसके दिवंगत पूर्वजों की तिथि याद नहीं है तो अमावस्या के दिन राशि अनुसार दान आदि कर श्राद्ध व तर्पण अवश्य करना चाहिए।

अमावस्या तिथि को अमावस्या ही क्यों कहा जाता है?

नामकरण के पीछे है एक अनसुनी गाथा

अनादिकाल में एक प्रतापी ऋषि कन्या के हृदय में कामना उत्पन्न हुई कि वह सशरीर पितृलोक की यात्रा करें और वहां जाकर अपने पूर्वजों के दर्शन करें। इसके लिए उसने वर्षों तक कठोर तपस्या की जिससे प्रसन्न होकर उसके पूर्वजों ने प्रकट होकर उसे दर्शन दिये और उससे उसकी इच्छा पूछी, लेकिन पितरों के स्वरूप को देखते ही वह अपनी इच्छा को भूल गई। पूर्व में उसने सोचा था कि सभी पितृगण वृद्ध और शरीर से अशक्त होंगे, लेकिन उसने देखा कि पितृगण युवा और कांतियुक्त शरीर के दिख रहे थे। चूंकि पितृलोक में आयु का कोई प्रभाव नहीं पड़ता, अतः सभी पितर नवयुवक थे। इसलिए ऋषि कन्या आश्चर्यचकित होकर अपनी कामना को भूल गई। प्रकट हुए पितरों में एक अमावसु नाम के पितर थे जो अत्यन्त सुंदर थे। ऋषि कन्या उनका स्वरूप देखकर उन पर मोहित हो गई और वह उस कामना को भूल गई जिसके लिए उसने तप किया था। जब पितरों ने उससे पुनः उसकी इच्छा पूछी तो ऋषि कन्या ने अत्यन्त सुन्दर दिखने वाले अमावसु नामक पितृ से कहा, 'मेरी इच्छा आप स्वयं हैं, मैं चाहती हूं कि आप मुझे अपनी धर्मपत्नी के रूप में स्वीकार करें।'

ऋषि कन्या की बात सुन कर समूचे पितृलोक में आत्मग्लानि के भाव उत्पन्न हो गए। भला किसी पितर की अपनी संतान उससे विवाह की कामना करें, यह कैसे संभव हो सकता था? मानव की अपेक्षा पितृगण अपनी सीमा और अपने उत्तरदायित्व को भलीभांति जानते थे। अतः उन्होंने नादान ऋषि कन्या को स्नेह पूर्वक समझाने का प्रयत्न किया लेकिन ऋषि कन्या ने उनकी एक भी बात नहीं मानी। उसका हठ देखकर अमावसु पितृ को क्रोध आ गया। उन्होंने उसे शाप दिया कि तुम न तो पितृलोक में आ सकोगी और न कभी तुम्हारी कोई तपस्या सफल होगी, यह कहकर पितृ वापस लौट गये। उनके जाने के पश्चात ऋषि कन्या का मोह टूटा, पर अब किया ही क्या जा सकता था।

कहा जाता है कि अमावसु की विद्वता देखकर सभी पितृगण प्रसन्न हुए। देवताओं ने भी अमावसु की प्रशंसा की और घोषणा की कि यह दिन धरती पर अमावसु के नाम पर अमावस्या के नाम से प्रसिद्ध होगा। इस अमावस्या का महत्व सर्वाधिक माना जाएगा, जिसको भी अपने पितरों के दिवंगत होने की तिथि ज्ञात नहीं है, वे भी अपने ज्ञात-अज्ञात पितरों को इसी अमावस्या को पूर्ण संतुष्ट कर सकेंगे। पितृपक्ष में पितृ धरती पर आकर अपनी संतानों से भोजन प्राप्त करते हैं और अमावस्या तिथि तक अपना-अपना अंश ग्रहण कर पितृ लोक वापस लौट जाते हैं। अमावस्या तिथि को जो भी अपने पितरों के निमित्त श्रद्धापूर्वक नमन करता है, पितरों के आशीर्वाद से उसकी बाधाएं दूर होती हैं और उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है।

अगर दिख जाएं ये शुभ चीजें, तो समझ लीजिए अमीर बनने वाले हैं आप, मां लक्ष्मी दे रही हैं संकेत!

हिंदू धर्म में मां लक्ष्मी को धन, वैभव और समृद्धि की देवी माना गया है। मान्यता है कि जब मां लक्ष्मी किसी व्यक्ति पर कृपा करती हैं तो उसके जीवन में अचानक सुख-समृद्धि और धन का आगमन होता है। शास्त्रों और पुराणों में ऐसे कई संकेत बताए गए हैं, जिन्हें देखकर समझा जा सकता है कि मां लक्ष्मी आपके जीवन में प्रवेश कर रही हैं। ये शुभ संकेत यदि आपके आस-पास दिखाई दें तो समझ लीजिए कि आने वाला समय आपको अमीर बना सकता है।

सुबह-सुबह शंख या मंदिर की घंटी की आवाज सुनाई देना

सुबह का समय बेहद शुभ माना जाता है। अगर आप सुबह उठते ही शंख या मंदिर में बजने वाली घंटी की आवाज सुनते हैं, तो यह बहुत ही अच्छा संकेत है। यह इस बात का संकेत है कि आपके जीवन में सकारात्मकता और समृद्धि आने वाली है। यह सीधे तौर पर मां लक्ष्मी के आगमन का प्रतीक माना जाता है।

धार्मिक स्थानों पर बार-बार बुलावा मिलना

यदि बार-बार आपके मन में मंदिर जाने की इच्छा होने लगे या अचानक किसी धार्मिक यात्रा का योग बन जाए, तो यह भी इस बात का संकेत है कि मां लक्ष्मी आप पर प्रसन्न हैं और जल्द ही आपको धन-संपत्ति की प्राप्ति होगी।

सोने-चांदी के सपने देखना

स्वप्न शास्त्र में बताया गया है कि अगर कोई व्यक्ति सपने में सोना-चांदी, गहने या रुपए देखे, तो यह मां लक्ष्मी की कृपा का विशेष संकेत है। ऐसा सपना बताता है कि शीघ्र ही आपके घर में धन का आगमन होगा।

घर के मुख्य द्वार पर काली चींटियों का समूह दिखना

यह सुनकर थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में काली चींटियों का घर में दिखना, विशेषकर मुख्य द्वार पर, बहुत शुभ माना जाता है। अगर आपको चावल के दानों को ले जाती हुई काली चींटियों का झुंड दिख जाए, तो यह धन लाभ का स्पष्ट संकेत है। यह बताता है कि आपकी मेहनत रंग लाएगी और जल्द ही आपके घर में पैसा आने वाला है।

सपने में झाड़ू, उल्लू या कमल का फूल देखना

कुछ सपने ऐसे होते हैं जिनका गहरा अर्थ होता है। अगर आपको सपने में झाड़ू दिखती है, तो यह सफाई और समृद्धि का प्रतीक है। वहीं, उल्लू को मां लक्ष्मी का वाहन माना जाता है। सपने में उल्लू देखना धन आगमन का बहुत बड़ा संकेत है। इसके अलावा, कमल का फूल भी मां लक्ष्मी का प्रिय आसन है। अगर आपको ये चीजें सपने में दिखाई दें, तो समझिए कि मां लक्ष्मी आपसे प्रसन्न हैं और आपको मालामाल करने वाली हैं।

अचानक मोर या उल्लू का दिखना

अगर घर से बाहर निकलते समय या अचानक कहीं आपको मोर या उल्लू दिख जाए, तो यह बेहद शुभ माना जाता है। मोर को भी धन और सौभाग्य का प्रतीक माना गया है। वहीं, उल्लू का अचानक दिखना इस बात का संकेत देता है कि मां लक्ष्मी आपके घर पधारने वाली हैं और आपके जीवन में खुशहाली आने वाली है।

हाथों में खुजली होना

ज्योतिष में यह एक बहुत ही प्रचलित मान्यता है कि अगर आपके सीधे हाथ (दाहिने हाथ) की हथेली में खुजली हो, तो इसका मतलब है कि आपको धन लाभ होने वाला है। इसके विपरीत, अगर बाएं हाथ की हथेली में खुजली हो तो इसका मतलब है कि धन का खर्च होने वाला है। हालांकि, यह एक पुरानी मान्यता है, पर इसे अक्सर लोग आज भी मानते हैं।

क्यों भाग्य आकर लौट जाता है, सफलता के लिए इन दोनों का एक समय पर मिलन है जरूरी

यदि कोई ज्योतिषी आपकी जन्मपत्री देखकर यह बताए कि आपके जीवन में शुभ समय आने वाला है, तो इसे केवल भाग्य का संकेत समझें, जब इस संकेत के अनुसार आप अपनी पूरी तैयारी के साथ उस अवसर को प्राप्त करने के लिए जी-तोड़ परिश्रम करते हैं, तभी भविष्यवाणी की शर्त पूरी होती है।

भाग्य को अक्सर लोग किसी अदृश्य शक्ति के रूप में देखते हैं, लेकिन भाग्य दरअसल अवसर और तैयारियों का एक साथ मिलन है। हमेशा ध्यान रखें कि जब अवसर आपकी ओर बढ़े और आप तैयार हों, तभी भाग्य आपके साथ खड़ा होगा। परंतु यदि आप उस समय लापरवाह रहें, अवसर को टाल दें या आलस्य दिखाएं, तो भाग्य तुरंत लौट जाएगा क्योंकि भाग्य बार-बार आपके द्वार पर दस्तक नहीं देता।

सफलता का साथ अचानक नहीं मिलता, मेहनत और तैयारी का परिणाम भाग्य के रूप में प्राप्त होता है। अगर कोई ज्योतिषी आपकी जन्मकुण्डली देखकर आपको आपके जीवन में आने वाले अवसरों के बारे में बताए, तो ध्यान रखिएगा, जब भाग्य दस्तक दे, यानि जब अवसर आपके सामने आए, तो तुरन्त अपनी पूरी काबिलीयत के साथ अवसर को पकड़ लीजिए, अगर आपने देर की तो भाग्य लौट जाएगा। ये मत समझिएगा कि भाग्य रूपी अवसर हमेशा आपके लिए रुका रहेगा। जो लोग ज्योतिषी की बातों को गम्भरीता से नहीं लेते हैं, वे सफलता के लिए आने वाले अवसरों का लाभ नहीं उठा पाते हैं। भाग्य कभी भी अचानक आपके द्वार पर खड़ा हो सकता है, इसलिए जब भी अवसर दिखाई दे, साहस जुटाइए, तुरंत निर्णय लीजिए और उसका स्वागत कीजिए, अगर आप ऐसा नहीं कर पाते हैं, तो किसी और को दोष मत दीजिए।

भाग्य केवल तैयार लोगों का साथ देता है- यदि आपके पास अवसर आता है पर आप तैयार नहीं है, तो सब व्यर्थ चला जाता है, यदि आप तैयार हैं लेकिन भाग्यवश आपके पास अवसर नहीं आता है, तो धैर्य रख अच्छे समय की प्रतीक्षा करें, ज्योतिषीय उपाय, प्रार्थना करें और जब अवसर आए तो तुरन्त उसका प्रयोग कर जीवन में बड़ी उपलब्धि प्राप्त करें।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे

नो मेक-अप लुक में बॉलीवुड की ये पांच अभिनेत्रियों ने हासिल की है महारत

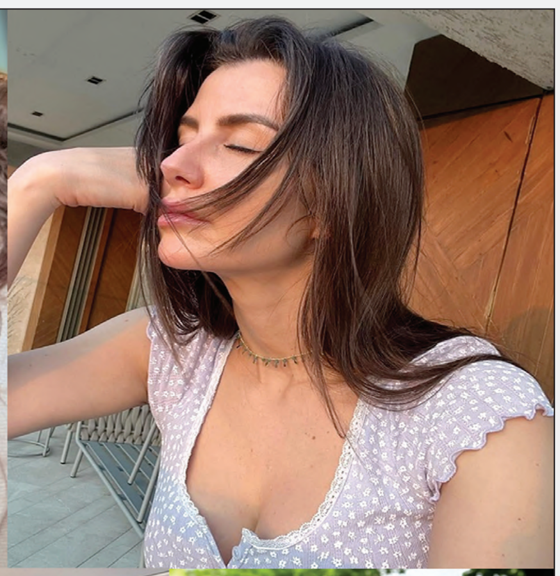

आज की दुनिया जहां हर कोई कॉन्टूरिंग, हाईलाइटिंग और इंस्टाग्राम-परफेक्ट मेकअप के पीछे भाग रहा है, वहीं अपनी नेचुरल ब्यूटी को अपनाना एक सुखद और ताज़गीभरा एहसास देता है। नो-मेकअप ट्रेंड अब चर्चा का विषय बन गया है, जो साबित करता है कि कभी-कभी सबसे बेहतरीन लुक वही होता है जो सिर्फ़ स्वस्थ और दमकती त्वचा के साथ सहज स्टाइलिंग से उभरता है। पूल साइड सेल्फी से लेकर कैफ़े में कैज़ुअल पलों तक, बी-टाउन की ये पाँच खूबसूरत अभिनेत्रियाँ नेचुरल ब्यूटी की कला में महारत हासिल करने का तरीका दिखाती हैं - जहां आत्मविश्वास ही आपकी सबसे बेहतरीन एक-सेसरी बन जाता है और औथेंटिसीटी हर बार परफेक्शन पर भारी पड़ती है।

आलिया भट्ट की पूल साइड चमक:

जैसे आलिया भट्ट ने बताया, 'समुद्री नमक और समुद्री हवा' से सजे गीले बाल और पानी से निकली ताज़ी चमकती त्वचा ने एक सहज और आकर्षक लुक दिया। नैचुरल फ्लश और बेहद कम मेकअप ने इस बात को साबित किया कि कैमरों से दूर आलिया का सिग्नेचर लुक यही है - और कई बार सबसे सुंदर लुक वो होता है जिसमें कोई मेकअप ही नहीं होता।

जॉर्जिया एंड्रियानी की सुबह की सॉफ्ट ग्लो:

हल्के बिखरे बाल और प्राकृतिक चमक के साथ जॉर्जिया एंड्रियानी का यह लुक एक ख्वाब सा लगता है। सॉफ्ट लाइटिंग ने कमाल कर दिया, इंडो-इटालियन डीवा की बेदाग त्वचा की टेक्सचर को और भी निखार दिया, वहीं उनका सहज स्टाइलिंग अंदाज़ बेहद असली और अपनाने लायक़ लगा।

कियारा आडवाणी का कैज़ुअल कैफ़े चार्म:

कियारा आडवाणी छुट्टियों पर हैं, उन्होंने केबल-निट स्वेटर को प्राकृतिक रूप से स्टाइल किए हुए बालों के साथ पेयर किया है, जो ऑफ-ड्यूटी के लिए एकदम सही एलिगेंस बना रहा है। उनकी सादगी भरी चमक और बिना मेहनत के बालों की नैचुरल मूवमेंट ने आई वोक अप लाइक दिस वाला लुक पूरी तरह से हासिल कर लिया।

जान्हवी कपूर का ट्रैवल डे स्टाइल:

सफर के दौरान भी, जान्हवी कपूर ने एक ऐसा स्टाइल स्टेटमेंट बनाया जिससे साबित हुआ कि प्राकृतिक सुंदरता हर जगह साथ चलती है। सॉफ्ट लाइटिंग और न्यूनतम स्टाइलिंग ने एक ऐसा आकर्षक निखार दिया है जो एलिगेंट होने के साथ-साथ पूरी तरह से अपनाने योग्य भी है - साथ ही यह लुक शांत और सुकून देने वाला भी है।

कृति सेनन का यॉट डे ग्लैमर:

बोल्ड प्रिंट्स और नैचुरल वेव्स के साथ कृति सेनन का यह वेकेशन लुक एकदम परफ़ेक्ट लगा। सूरज की हल्की तपिश में दमकती त्वचा, लहराते बाल और चटक रंग का स्विमसूट - सब कुछ मिलकर एक ऐसा संतुलन बना रहे थे जिसमें प्राकृतिक सुंदरता और हल्का-फुल्का ग्लैमर का एक बेहतरीन संतुलन था।

बिना मेकअप के ये शानदार पल हमें याद दिलाते हैं कि सच्ची खूबसूरती अपने असली रूप को अपनाने में ही मिलती है। चाहे आप पूल के किनारे आराम कर रहे हों, दोस्तों के साथ कॉफ़ी पी रहे हों, या अपनी अगली मंज़िल के लिए उड़ान भर रहे हों, नैचुरल लुक को अपनाने की कुंजी है: आत्मविश्वास, स्वस्थ त्वचा और अपने असली रूप को निखारने का साहस है। जहां सौंदर्य की दुनिया में भारी मेकअप और ड्रामैटिक ट्रांसफॉर्मेशन हावी हैं, वहां ये फ्रेश-फेस लुक्स हमें यह खूबसूरत याद दिलाते हैं कि कई बार कम ही ज़्यादा होता है।

अदा शर्मा ने शेयर की अपनी सीक्रेट डाइट, ऐसे बरकरार रखती हैं अपनी ग्लोइंग स्किन

अभिनेत्री अदा शर्मा को उनकी फिटनेस और ग्लोइंग स्किन के लिए भी लोग फॉलो करते हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में एक वीडियो में अपनी चमकदार त्वचा का राज लोगों के साथ साझा किया। उन्होंने बताया कि वह अपनी त्वचा को हेल्दी रखने के लिए क्या खाती हैं।इस वीडियो क्लिप को अदा शर्मा ने शेयर करते हुए लिखा, मेरा स्किनकेयर फॉर्मूला कौन ट्राई करेगा?

इस वीडियो में वो गाजर से बनी एक खास रेसिपी लोगों के साथ शेयर करती दिख रही हैं। इसे वो अपने हाथों से बनाती दिखाई दे रही हैं। खास बात है कि यह व्यंजन उन्हें सोशल मीडिया पर रील्स देखते हुए मिला था।

वीडियो में अदा शर्मा कहती हैं, मैंने इंस्टाग्राम रील्स पर यह हेल्दी रेसिपी देखी। इसके लिए आपको ढेर सारी गाजर चाहिए। गाजर अच्छे से धोने के बाद उसे छील लें। फिर उसके एकदम पतले-पतले टुकड़े बना लें। इसमें थोड़ा समय लगता है, लेकिन अगर आपके पास इंस्टाग्राम स्क्रॉल करने के लिए 6 घंटे हैं, तो इसके लिए 10 मिनट काफी हैं।'' इसके बाद वो रेसिपी भी बताती हैं। अदा कहती हैं, एक चम्मच शहद, सरसों का तेल, नमक और थोड़ा सा लाल मिर्च पाउडर मिलाएं और एक नींबू। उसके ऊपर तिल डालें और इसे मिलाकर खाएं। इसे खाने के बाद आप मजबूत हो जाएंगे। आपकी त्वचा चमक उठेगी। सबके साथ शेयर करना न भूलें।

कुछ दिनों पहले उन्होंने अपने गृह राज्य केरल में छुट्टियां मनाते हुए तस्वीरें पोस्ट की थीं। यहां पर वो ओणम का त्योहार मनाने गई थीं। इस यात्रा के दौरान वो अपनी सभी मौसियों के यहां एक-एक दिन ठहरी थीं। अभिनेत्री ने उस दौरान रंगोली बनाना भी सीखा और बदले में उन्हें एआई की मदद से तस्वीरों में रंग भरना सिखाया। वर्क फ्रंट की बात करें तो वो आने वाले दिनों में दो हॉरर हिंदी फिल्मों में नजर आएंगी। इनमें से एक में अदा शर्मा एक 'सुपरहीरो' की भूमिका निभाएंगी। वहीं, दूसरी दक्षिण भारतीय फिल्म है। इसमें वो एक 'देवी' का किरदार निभाएंगी। इसके अलावा, वह अपने सुपरहिट सीरीज 'रीता सान्याल' के सीजन दो में भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

डायना पेंटी ने बताया, डू यू वाना पार्टनर शो में उन्हें क्या सबसे ज्यादा भाया

वेब सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' बहुत जल्द ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। इसमें डायना पेंटी, तमन्ना भाटिया, श्वेता तिवारी, जावेद जाफरी, नकुल मेहता, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह जैसे सितारे हैं।'डू यू वाना पार्टनर' की रिलीज से पहले डायना पेंटी ने आईएएनएस से खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने सीरीज की खासियत के बारे में बताया। डायना ने यह भी रिवील किया कि उन्होंने इस सीरीज को क्यों चुना। अभिनेत्री ने बताया कि इसकी स्क्रिप्ट को सुनने के बाद काफी आकर्षित हुईं।

डायना पेंटी ने कहा, दोनों लड़कियों की दोस्ती ने मुझे अपनी ओर आकर्षित किया। मेरे मन में पहला ख्याल यही आया कि मैं रियल लाइफ में ऐसा करती। मुझे लगा कि यह बहुत ही खूबसूरती से लिखा गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह बहुत ही वास्तविक है। मैं भी अपनी सबसे अच्छी दोस्त के साथ ऐसे ही बातचीत करती या बस वे चीजें करती, जो इसमें लिखी थीं। कुछ भी बढ़ा-चढ़ाकर नहीं लिखा गया था। बस बहुत ही रोजमर्रा की और बहुत ही वास्तविक कहानी, जिस तरह से वे साथ घूमती हैं, साथ में पार्टी करती हैं। उन्होंने साथ मिलकर एक व्यवसाय शुरू किया है, उनकी कठिनाइयां, झगड़े, बहस, सब कुछ बिल्कुल स्वाभाविक था और हमारी दोस्ती में जो हम देखते हैं, उसके बिल्कुल अनुरूप था। डू यू वाना पार्टनर' में दो सहेलियों की कहानी है, जो खुद का अल्कोहल ब्रांड लॉन्च करने के लिए पार्टनर बन जाती हैं। डायना ने आगे कहा, यह मेरे लिए एक ताजगी भरी बात थी क्योंकि मुझे नहीं लगता, मेरा मतलब है कम से कम मुझे तो ऐसा नहीं लगता, मैं हाल ही में किसी ऐसे शो या फिल्म के बारे में नहीं सोच सकती, जिसमें दो लड़कियां हैं, दो लड़कियों की दोस्ती शो या फिल्म का मुख्य पहलू हो। यह तथ्य कि दोनों लड़कियां ऐसे युग में यह नया बिजनेस शुरू कर रही हैं, जहां स्टार्टअप ही सब कुछ है। पिछले कुछ समय में स्टार्टअप कल्चर बहुत तेजी से बढ़ा है। इसलिए यही सब बातें थीं, जिन्होंने मुझे वास्तव में इस स्क्रिप्ट की ओर आकर्षित किया।

सई मांजरेकर ने बताया साउथ सिनेमा और बॉलीवुड में क्या है अंतर

फिल्म इंडस्ट्री में बॉलीवुड और साउथ इंडियन सिनेमा की अक्सर तुलना की जाती रहती है। इस पर अब अभिनेत्री सई मांजरेकर ने भी बात की है। वो दोनों ही इंडस्ट्री में काम कर चुकी हैं। उन्होंने बताया है कि दोनों फिल्म इंडस्ट्री में क्या अंतर है।सई मांजरेकर ने इस बारे में बात करते हुए कहा, मेरा मानना है कि सिनेमा की कोई भाषा नहीं होती, कहानी और लोगों से जुड़ने का तरीका ही मायने रखता है। फिलहाल मैं बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमा में अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं, लेकिन मैं किसी समय एक अच्छी मराठी फिल्म भी जरूर करना चाहूंगी। जब तक पटकथा मुझे उत्साहित करती है और निर्देशक का दृष्टिकोण मजबूत है, मैं अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के लिए तैयार हूं।

बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमा की तुलना पर सई ने कहा, दोनों में काम करने का मौका मिलने के बाद मुझे लगता है कि हर इंडस्ट्री की अपनी एक अलग कार्यशैली और जादू होता है। बॉलीवुड असाधारण भावनाओं और कहानियों को पेश करने के तरीके का जश्न मनाता है, जबकि साउथ में मैंने अनुशासन की एक अद्भुत भावना और कला के प्रति गहरा सम्मान देखा है, जिसकी मैं सचमुच प्रशंसा करती हूं। दोनों ही दुनिया ने मुझे अलग-अलग तरीकों से आकार दिया है। मेरे लिए यह खुद को निखारने का मौका भी है, मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे दोनों इंडस्ट्री में काम करने का मौका मिला है। इससे पहले सई मांजरेकर ने एक पोस्ट में कहा था कि उनके पिता हमेशा से उनकी प्रेरणा रहे हैं, लेकिन कभी भी उनका शॉर्टकट नहीं रहे। मतलब कभी उन्होंने अपने पिता के नाम का फायदा नहीं उठाया। पहली बार जब सई ने एक्टिंग करने का फैसला किया तब उनके पिता ने एक्ट्रेस को सपोर्ट किया था और साथ ही कहा था कि इसके लिए सई को खुद ही मेहनत करनी होगी और वे किसी फिल्म के लिए उनकी सिफारिश नहीं करेंगे। अभिनेत्री हाल ही में तेलुगु एक्शन थ्रिलर फिल्म 'अर्जुन सन ऑफ वैजयंती' में नजर आई थीं। प्रदीप चिलुकुरी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में नंदमुरी कल्याण राम, विजय शांति, सोहेल खान और श्रीकांत जैसे सितारे भी हैं। अभी एक्ट्रेस ने अपनी नई फिल्म की घोषणा नहीं की है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका कोई पड़ोसी आज आपसे धन उधार मांगने आ सकता है, आपको सलाह दी जाती है कि उधार देने से पहले उनकी विश्वसनीयता अवश्य जांच लें नहीं तो धन हानि हो सकती है। तल्ख़ बर्ताव के बावजूद आपको जीवन–साथी का सहयोग मिलेगा। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। दोपहर के बाद किसी पुराने दोस्त से मुलाक़ात दिन को ख़ूबसूरत बना देगी। आप अपने सुनहरे दिनों को याद करके पुरानी यादों में डूब जाएंगे। प्रेमी एक–दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। आपके कठिन परिश्रम को पुरस्कार मिलेगा, क्योंकि आपकी पदोन्नति हो सकती है। आर्थिक लाभ के बारे में न सोचें, क्योंकि आगे चलकर आपको इससे बहुत फ़ायदा होगा। पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। बच्चों की उनसे जुड़े मामलों में मदद करना आ–वश्यक है। आपको प्यार में ग़म का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप अपना ज्ञान और अनुभव औरों के साथ बाटेंगे, तो निश्चय ही आपको प्रतिष्ठा मिलेगी। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। अपने जीवनसाथी से बात करें और कुछ मस्तीभरी योजना बनाएँ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। आज आप काफ़ी पैसे बना सकते हैं– लेकिन इसे अपने हाथों से फिसलने न दें। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। प्यार एक ऐसा जज़्बा है जिसे न सिर्फ़ महसूस किया जाना चाहिए, बल्कि अपने प्रिय के साथ बांटना भी चाहिए। काम पर लोगों के साथ मेलजोल में समझ और धैर्य से सावधानी बरतें। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। संबंधी आपके उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा उठाने की कोशिश करेंगे। चौकन्ने रहें, नहीं तो बाद में आप ठगा हुआ महसूस करेंगे। उदारता एक हत तक ही ठीक है, लेकिन अगर यह अपना दायरा पार कर ले तो परेशानी बन जाती है। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। रात को ऑफिस से घर आते वक्त आज आपको सावधानी से वाहन चलाना चाहिए।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। आपको बच्चों या ख़ुद से कम अनुभवी लोगों के साथ धैर्य से काम लेने की ज़रूरत है। रुमानी यादें आज आपके ऊपर छायी रहेंगी। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। कारोबारी आज करोबार से ज्यादा अपने परिवार के लोगों के बीच समय बिताना पसंद करेंगे। इससे आपके परिवार में सामंजस्य बनेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

यदि आप किसी से उधार वापस मांग रहे थे और अब तक वो आपकी बात को टाल रहा था तो आज बिना बोले ही वो आपको पैसा लौटा सकता है। दोस्तों के साथ कुछ दिलचस्प और रोमांचक समय बिताने के लिए अच्छा समय है। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे–छोटे तोहफ़े लोगों को दें। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। परिवार की जरुरतों को पूरा करते–करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। घर पर मेहमानों का आना दिन को बढ़िया और ख़ुशगवार बना देगा। बेवजह का शक रिश्तों को खराब करने का काम करता है। आपको भी अपने प्रेमी पर शक नहीं करना चाहिए। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। इस राशि के कारोबारी आज किसी करीबी की गलत सलाह के कारण परेशानी में आ सकते हैं। जॉब करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सोच–समझकर चलने की जरुरत है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जल्दबाज़ी में फ़ैसले न लें– ख़ासतौर पर अहम आर्थिक सौदों में मोलभाव करते वक़्त। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। आपके प्रिय/जीवनसाथी का फ़ोन आपका दिन बना देगा। अगर आप कामकाज के लिए ज़रूरत से ज़्यादा दबाव बनाएंगे तो लोग भड़क सकते हैं – कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपके घर वाले आपकी कोशिशों और समर्पण को सराहेंगे। आपका प्यार न सिर्फ़ परवान चढ़ेगा, बल्कि नई ऊँचाइयों को भी छूएगा। दिन की शुरुआत प्रिय की मुस्कान से होगी और रात उसके सपनों में ढलेगी। आज के दिन आप सबके ध्यान का केंद्र होंगे और सफलता आपकी पहुँच में होगी। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. कोई चिट्ठी या ई–मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। रोमांस को झटका लगेगा और आपके क़ीमती तोहफ़े भी आज जादू चलाने में विफल रहेंगे। अगर आज आपका रुख़ विनम्र और सहयोगी है, तो आपको अपने साझीदारों से बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

रात के समय आप आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। गृह–प्रवेश के लिए शुभ दिन है। जो लोग प्रेम के संगीत में डूबे हुए हैं, वही इसकी स्वर–लहरियों का आनन्द ले सकते हैं। आज के दिन आप भी उस संगीत को सुन सकेंगे, जो दुनिया के बाक़ी सभी गीतों को भुलवा देगा। आपको अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा मौक़ा मिलेगा। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई–बहनों के साथ घूमने का प्लान कर सकते हैं ।

आज का पंचांग

दिनांक : 12 सितंबर 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन ,कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी प्रातः 10:00 तक
नक्षत्र : भरणी दोपहर 11:59 तक
योग : व्याघात दोपहर 01:43 तक
करण : तैतिल प्रातः 10:00 तक
चन्द्रराशि : मेष सायं 05:31 तक
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:20 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:22 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:15 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:11 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : षष्ठी श्राद्ध

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

गुरुग्राम को जन भागीदारी से स्वच्छता रैंकिंग में नम्बर वन बनाना है : सैनी

चंडीगढ़, 11 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था प्रबन्धन व जन भागीदारी के साथ गुरुग्राम को स्वच्छता रैंकिंग में नम्बर वन बनाना है। मेरा गुरुग्राम–स्वच्छ गुरुग्राम थीम के साथ गुरुग्राम वासी स्वच्छ व शुद्ध पर्यावरण बनाकर स्वस्थ गुरुग्राम बनाने में आइये मिलकर आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री गुरुवार की सुबह हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के तहत मेगा स्वच्छता अभियान गुरुग्राम में सोहना चौक व सेक्टर 52 क्षेत्र में स्वयं सफाई करते हुए आमजन को स्वच्छता बनाये रखने का संदेश दे रहे थे। मुख्यमंत्री के साथ गुरुग्राम से विधायक मुकेश शर्मा व सोहना के विधायक तेजपाल तंवर व अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने स्वच्छता मित्रों के साथ स्वयं भी सफाई करते हुए लोगों को स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री ने मेगा स्वच्छता अभियान में आमजन को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता हमारे जीवन का आधार है। ऐसे में सभी मिलकर स्वच्छता को निरन्तर जीवन शैली में अपनाकर सुखद माहौल बनाना है। उन्होंने कहा कि मेरा गुरुग्राम–स्वच्छ गुरुग्राम बनाने में हरियाणा सरकार हर सम्भव सहयोग देगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि अब बरसात के बाद गुरुग्राम जिला के लोगों की सुविधा के लिए विकास कार्यों को पूर्ण करते हुए लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा में शहर स्वच्छता अभियान के तहत बड़ा सकारात्मक परिवर्तन नजर आएगा और इन 11 सप्ताह के विशेष अभियान में हर शहरी क्षेत्र के सौंदर्यीकरण व सुधारीकरण पर फोकस किया जा रहा है। शहरी क्षेत्र की स्वच्छता रैंकिंग भी निर्धारित होगी जिसमें गुरुग्राम का उल्लेखनीय स्थान रहेगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2 अक्टूबर 2014 से स्वच्छ भारत मिशन अभियान शुरू किया गया था। उनके कुशल नेतृत्व में पूरे देश में स्वच्छता जन आंदोलन बन रहा है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं बल्कि यह सभी देशवासियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। अपने घर, अपनी गली, अपने मोहल्ले व वार्ड की सफाई रखते हुए सभी स्वच्छता के इस पुनीत अभियान में भागीदार बनें। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितम्बर से हरियाणा में सेवा पखवाड़ा मनाने जा रहे हैं। इसमें स्वच्छता, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य शिविर, खेलकूद जागरूकता गतिविधियों के साथ जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सामाजिक बदलाव में अहम है। प्रदेश में सेवा पखवाड़ा 2 अक्टूबर तक चलेगा।

मुख्यमंत्री ने मेरा गुरुग्राम–स्वच्छ गुरुग्राम अभियान में सहयोगी बनने के लिए डेरा सच्चा सौदा, राधा स्वामी सत्संग व सन्त निरंकारी मिशन सहित आरडब्लूए, व्यापारिक संगठनों का विशेष तौर पर आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक मुकेश शर्मा ने कहा कि गुरुग्राम को स्वच्छ और सुंदर बनाने की यह मुहिम किसी एक दिन या सप्ताह तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसे एक निरंतर जन आंदोलन का स्वरूप दिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में इस प्रयास को रुकने नहीं दिया जाएगा। विधायक ने विश्वास दिलाया कि आने वाले दिनों में यह अभियान और भी अधिक जोश, ऊर्जा और सुनियोजित रणनीति के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। विधायक ने नागरिकों से आह्वान किया कि यह केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें हर गुरुग्रामवासी की सक्रिय भागीदारी और सहयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सफाई का अभियान नहीं, बल्कि यह हमारी सोच और जीवनशैली का हिस्सा बनना चाहिए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार राजीव जेटली, गुरुग्राम की मेयर राजरानी, जीएमडीए के सीईओ श्यामल मिश्रा, मंडलायुक्त आर.सी बिढान, डीसी अजय कुमार, सीपी विकास अरोड़ा, नगर निगम गुरुग्राम आयुक्त प्रदीप दहिया, एचएसवीपी की प्रशासक वैशाली सिंह, अतिरिक्त निगम आयुक्त अंकिता चौधरी, मानेसर के निगम आयुक्त आयुष सिन्हा, एडीसी वत्सल वशिष्ठ, अतिरिक्त निगम आयुक्त रविंद्र यादव, एसडीएम बादशाहपुर संजीव सिंगला, पटौदी के एसडीएम दिनेश लुहाच, मानेसर के एसडीएम दर्शन यादव, सीटीएम सपना यादव, भाजपा गुरुग्राम के जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी, निगम पार्षद आशीष गुप्ता, सोनिया यादव सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी तथा पार्षदगण उपस्थित रहे।

हरियाणा को बाढ़ग्रस्त राज्य घोषित करे भाजपा सरकार, केंद्र देवे विशेष पैकेज : भूपेंद्र सिंह

यमुनानगर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि बाढ़ की वजह से हरियाणा में किसानों 17 लाख एकड़ में खड़ी फसल तबाह हो गई है। करीब 5000 गांव, 11 शहर, 72 कस्बों और सैंकड़ों वार्ड बाढ़ से प्रभावित हैं। हालात 1995 में आई आपदा से भी ज्यादा खराब हैं। इसलिए बीजेपी सरकार को इसे बाढ़ग्रस्त राज्य घोषित करना चाहिए और केंद्र सरकार को तुरंत विशेष पैकेज का ऐलान करना चाहिए। प्रधानमंत्री और कृषि मंत्री को पंजाब की तरह हरियाणा में हुए नुकसान का भी जायजा लेना चाहिए। केंद्र के नेताओं का हरियाणा में नहीं आना, प्रदेश सरकार की बड़ी नाकामी को दिखाता है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने आज यमुनानगर के बम्भोली, बीबीपुर, ओदरी, लापरा, कमालपुर समेत विभिन्न बाढ़ग्रस्त इलाकों का दौरा खुद ट्रेक्टर चलाकर मौके पर पहुंचकर किया। साथ मे स्थानीय सांसद वरुण मुलाना रहे और लोगों की समस्याएं सुनीं। लोगों ने बताया कि खेत में खड़ी तमाम फसलें पूरी तरह बर्बाद हो चुकी हैं। गन्ने की फसल जड़ों से उखड़ गई हैं। धान समेत तमाम फसलें जलभराव की भेंट चढ़ चुकी हैं। खेतों में रेत इतना ज्यादा आ चुका है कि अगर पानी सूख भी गया तो अगले सीजन की फसल लेना भी नामुमकिन है। पूरे इलाके में इतनी मात्रा में रेत आने के लिए अवैध खनन जिम्मेदार है। सरकार के संरक्षण में खनन माफियाओं ने इतना अवैध खनन किया है कि यमुना का रुख ही बदल दिया। इसके चलते इलाके के कई गांव, हर बार बाढ़ की चपेट में आ जाते हैं।

हुड्डा ने यमुनानगर में पत्रकार वार्ता में कहा कि बीजेपी सरकार ने जिस तरह बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए मुआवजे का ऐलान किया है, वह ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। किसानों को कम से कम 60–70 हज़ार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा मिलना चाहिए। लोगों के हजारों मकान, दुकानें, इमारतें व अन्य प्रतिष्ठान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इन सबकी भरपाई के लिए भी उचित मुआवजे की घोषणा की जानी चाहिए।भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि सरकार पोर्टल का चक्कर छोड़कर तुरंत स्पेशल गिरदावरी करवाए और किसानों तक आर्थिक मदद पहुंचाए। क्योंकि पोर्टल का झमेला सिर्फ किसानों को मुआवजे से वंचित करने के लिए खड़ा किया जा रहा है। जबकि जब सरकार को पराली जलाने के केस दर्ज करने होते हैं तो व सेटेलाइट के आधार पर फैसला ले लेती है।

हरियाणा ने 2.1 गीगावाट सोलर क्षमता हासिल की रूफटॉप इंस्टॉलेशन तेजी से बढ़ाया: अनिल विज

अंबाला, 11 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ग्लासगो में सीओपी–26 पर घोषित पंचामृत लक्ष्यों को पूरा करने का संकल्प लिया है। इनमें 2030 तक 500 गीगावाट गैर–जीवाश्म क्षमता हासिल करना, ऊर्जा की 50 प्रतिशत जरूरतें नवीकरणीय स्रोतों से पूरी करना, 1 बिलियन टन कार्बन उत्सर्जन घटाना, 2005 के स्तर से कार्बन तीव्रता 45 प्रतिशत तक कम करना और 2070 तक नेट ज़ीरो उत्सर्जन प्राप्त करना शामिल है।

विज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प रखा है। इस दिशा में ग्रीन एनर्जी अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने बताया कि राज्य पहले ही 2.1 गीगावाट से अधिक सोलर क्षमता स्थापित कर चुका है और घरों, उद्योगों तथा संस्थानों में रूफटॉप सोलर को तेज़ी से बढ़ा रहा है। पीएम–कुसुम योजना के तहत 1.65 लाख से अधिक सोलर सिंचाई पंप वितरित किए गए हैं, जिससे किसानों को लागत कम करने और उत्सर्जन घटाने में मदद मिली है।

हरियाणा के ऊर्जा मंत्री ने यह जानकारी आज अंबाला में फिलीपींस से आए उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई बैठक के दौरान सांझा की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सुश्री जेनी लिन ग्रानाडोस मानो, सह–संस्थापक एवं अध्यक्ष, सनस्मार्ट सोलर पावर टेक्नोलॉजी इंक. तथा डॉ. कबीर केवी, सीईओ, एएनपीएम कर रहे थे। इस अवसर पर ग्रीनटेक सिस्टम्स और क्लाइमेट स्मार्ट सॉल्यूशन्स पर एक प्रेज़ेंटेशन भी दिया गया।

धौलपुर रिश्वतकांड की आंच दौसा तक, नगर परिषद कमिश्नर के आवास पर एसीबी का सर्च

दौसा, 11 सितंबर (एजेंसियां)। धौलपुर नगर परिषद में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की कार्रवाई के मामले में एसीबी की एक टीम द्वारा दौसा में भी सर्च की कार्रवाई की जा रही है। दौसा एसीबी के डिप्टी एसपी नवल किशोर मीणा के निर्देशन इंस्पेक्टर रमेश चंद की टीम द्वारा नगर परिषद कमिश्नर अशोक शर्मा के दौसा आवास पर सर्च की कार्रवाई की जा रही है। एसीबी की टीम द्वारा उनके मकान की तलाशी लेने के साथ परिजनों से पूछताछ की गई।एसीबी टीम द्वारा की गई अचानक छापेमारी से परिजन भी हैरान हो गए। कार्रवाई दौरान टीम द्वारा मकान का गेट बंदकर बाहरी लोगों की आवाजाही बंद कर दी गई थी।

एसीबी की टीम ने धौलपुर नगर परिषद कमिश्नर अशोक शर्मा और एईएन प्रिया झा सहित पांच लोगों को रिश्वत लेते हुए पकड़ा है। क्लर्क नीरज, एईएन प्रिया झा, कैशियर भरत और कमिश्नर के ड्राइवर देवेंद्र ने ठेकेदार से 3 लाख 10 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की थी। एसीबी की टीम कमिश्नर अशोक शर्मा से पूछताछ कर रही है।

पकड़े गए सभी अधिकारी–कर्मचारी एक ठेकेदार से उसका बकाया भुगतान दिलाने के नाम पर रिश्वत की मांग की गई थी। ठेकेदार ने जलभराव की निकासी का काम किया था। ठेकेदार की शिकायत पर भरतपुर एसीबी की टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। एसीबी ने छापेमारी के दौरान परिषद के अधिकारियों और कर्मचारियों को रंगे हाथों पकड़ा है।

श्रम विभाग के अधिकारी लखारा सहित अन्य को रिश्वत लेते एसीबी ने किया गिरफ्तार

भीलवाड़ा, 11 सितंबर (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने शहर के श्रम विभाग मे कार्यरत अधिकारी बापूनगर निवासी नरेन्द कुमार पुत्र नंदलाल लखारा, निजी व्यक्ति जवाहर नगर निवासी अशोक कुमार आचार्य को 33 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार एसीबी को शिकायत मिली की सरदार नगर निवासी मोईनुदीन खान के साले की डेथ क्लेम की राशि की एफडी सास फरीदा बेगम के नाम पर थी। उक्त एफडीआर को समय से पूर्व तुड़वाने के लिए मोइनुदीन ने श्रम विभाग के अधिकारी से संपर्क किया तो उसने बतौर रिश्वत 40 हजार रूपये की डिमांड की। बाद मे सौदा तीस हजार रुपये मे तय हुआ। इस कार्य को करवाने वाले प्राइवेट व्यक्ति जवाहर नगर निवासी अशोक कुमार आचार्य ने बतौर 10 हजार रुपये और मांगे। एसीबी टीम ने सत्यापन करने के बाद मोइनुदीन को 33 हजार रुपये देकर श्रम विभाग भेजा।

राजस्थान विधानसभा में स्पाई कैमरा विवाद

अध्यक्ष देवनानी ने विपक्ष के आरोपों को नकारा

जयपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली द्वारा लगाए गए 'स्पाई कैमरा' के आरोपों को खारिज कर दिया है। 'स्पाई कैमरा' का अर्थ किसी एक व्यक्ति की जासूसी करना नहीं है, सब पर नजर रखना होता है। वासुदेव देवनानी ने कहा, कुछ राजनीतिक दल पूरे देश में संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बना रहे हैं और यही काम वे यहां भी कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट समेत कई संवैधानिक संस्थाओं को पहले भी निशाना बनाया गया है और राजस्थान में भी वही देखने को मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि विधानसभा में दो अतिरिक्त कैमरे लगाए गए हैं, जो 360 डिग्री पर पूरे सदन की निगरानी करते हैं। ये कैमरे केवल विधायकों पर ही नहीं, बल्कि आसन पर बैठे अध्यक्ष पर भी नजर रखते हैं। सुरक्षा की दृष्टि से ये कैमरे लगाए गए हैं। नेता प्रतिपक्ष का आरोप पूरी तरह निराधार है।

उन्होंने 'स्पाई कैमरा' शब्द के इस्तेमाल पर भी आपत्ति जताई। 'स्पाई कैमरा' का मतलब होता है किसी एक व्यक्ति की जासूसी करना, जबकि विधानसभा में लगे कैमरे बड़े हैं और वे सभी पर नजर रखते हैं, जो सुरक्षा की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि जब से ये बिल्डिंग बनी है, तब से यहां पर कैमरे लगे हुए हैं। नई टेक्नोलॉजी को देखते हुए बदलाव किया जा रहा है, हर संस्थान में सुरक्षा के लिए अपना उपाय किया जाता है। नेता प्रतिपक्ष केवल मुद्दों से भटकाने का काम कर रहे हैं।

देवनानी ने विपक्ष पर सर्वदलीय बैठकों (ऑल–पार्टी मीटिंग) में सहयोग नहीं करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब भी ऐसी बैठक बुलाई जाती है, अन्य दल आते हैं, लेकिन एक विशेष दल अपनी सुविधानुसार समय तय करवाता है और फिर खुद ही बैठक में शामिल नहीं होता। ये मुद्दा केवल एक ही पार्टी का है। तीन और विपक्षी दल हैं वो कुछ नहीं बोलते।

केंद्रीय रेल मंत्री ने अमृत भारत स्टेशन के अंतर्गत किए जा रहे पुनर्विकास कार्यों का किया निरीक्षण

जयपुर, 11 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव गुरुवार को एक दिवसीय दौरे पर जयपुर पहुंचे। वैष्णव गुरुवार को सुबह स्पेशल ट्रेन से रेवाड़ी–खातीपुरा रेल खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण करते हुए खातीपुरा स्टेशन पहुंचे। रेल मंत्री ने खातीपुरा स्टेशन में बन रहे ट्रेन मेंटिनेंस शेड के मॉडल का अवलोकन किया ।मीडिया से वार्ता के दौरान माननीय रेल मंत्री ने खातीपुरा मेंटेनेंस शेड की विस्तृत जानकारी दी ।

केंद्रीय रेल मंत्री ने वंदे भारत सहित अन्य ट्रेनों की अनुरक्षण के लिए कोच केयर कंपलेक्स जयपुर में अनुरक्षण सुविधाओं के विस्तार हेतु नवनिर्मित शेड का उद्घाटन किया। उन्होंने शेड में बने 4 टियर प्लेटफॉर्म का निरीक्षण किया तथा यात्री सुविधाओं में वृद्धि के अंतर्गत कोच में किए गए टॉयलेट मॉडीफेशन और ब्रेक वान में किए गए मॉडीफेशन का निरीक्षण किया।

इसके पश्चात अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित किये जा रहे जयपुर स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की भव्यता की प्रशंसा की और कहा कि यह पूरे जयपुर के लिए गौरव का बात है कि स्टेशन के सेकंड एंट्री के पुनर्निर्माण का कार्य बहुत तेजी से और सुचारू रूप से चल रहा है। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही बीकानेर–दिल्ली और जोधपुर– दिल्ली वंदे भारत ट्रेन का संचालन शुरू किया जा रहा है। साथ ही जैसलमेर और दिल्ली के मध्य भी एक ओवरनाइट ट्रेन का संचालन शीघ्र प्रारंभ किया जा रहा है। इस अवसर पर उन्होंने जयपुर वासियों, मीडिया प्रतिनिधियों और जन प्रतिनिधियों से कहा कि वे आपस में इस बात पर विचार करे कि जयपुर के आसपास के स्टेशनों के नाम में जयपुर शब्द को जोड़ा जाए जैसे गांधीनगर में जयपुर गांधीनगर, खातीपुरा को जयपुर खातीपुरा के रूप में नामकरण किया जाए। और इस प्रस्ताव को अपने जनप्रतिनिधियों के माध्यम से केंद्र में भिजवाएं। साथ ही श्री अश्विनी वैष्णव ने सीमावर्ती क्षेत्रों में रेल नेटवर्क को और मज़बूत बनाने की बात कही। उन्होंने शहर के रेल फाटकों को समाप्त करने की योजना के तहत अंडरपास और रोड ओवर ब्रिज बनाने के लिए भी दिशा निर्देश प्रदान किए।

सौ में साठ हमारा, बाकी में बंटवारा, चुनाव से पहले बीजेपी का नारा, लोहिया की राह चले केशव प्रसाद मौर्य

पटना (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर अब यह आरोप लगने लगे हैं कि यह केवल वैश्य और सवर्णों की पार्टी नहीं रही, बल्कि अब पिछड़े और अतिपिछड़ों को भी मुख्य धुरी बना चुकी है। यह अलग बात है कि इशारों इशारों में आज यह बात उत्तर प्रदेश के एक बड़े भाजपा नेता ने कह दी। भाजपा नेता ने कहा कि 'सौ में साठ हमारा, बाकी में बंटवारा।' बिहार चुनाव से पहले भाजपा नेता का ये बयान काफी अहम माना जा रहा है।

आइए जानते हैं यूपी के बड़े भाजपा नेता का इशारा क्या था और किसके लिए था!

उत्तर प्रदेश के ये बड़े भाजपा नेता हैं यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य। बिहार चुनाव के लिए केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को एक बड़ा बयान दे दिया है। हालांकि जिक्र वे उपराष्ट्रपति चुनाव के परिणाम को लेकर कर रहे थे, पर इस जिक्र के साथ साथ उन्होंने 'इंडिया' अलायंस पर नक्सलवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाते सोशल मीडिया साइट एक्स पर यह लिखा- 'अब बारी बिहार की है। वहां विधानसभा चुनाव में एनडीए का नारा होगा- 'सौ में साठ हमारा, बाकी में बंटवारा', जनता को नरेंद्र मोदी की डबल इंजन की सरकार इसलिए भाती है, क्योंकि वह सबके जीवन में 'रोशनी' लाती है।'

केशव प्रसाद मौर्य ने यह भी लिखा- 'इंडिया गठबंधन को धता बताकर एनडीए गठबंधन ने उपराष्ट्रपति का चुनाव 60 फीसदी से अधिक मतों से जीता है। दुर्भाग्य है कि इंडिया गठबंधन ने इस चुनाव में उस नक्सलवाद को अपना मोहरा बनाया था, जिसे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने लगभग ठिकाने लगा दिया है।'

अब इसे संयोग कहें कि समाजवादी चिंतक और स्वीकार्य नेता राम मनोहर लोहिया ने भी पिछड़ी वंचितों की आवाज बनते कहा था- 'संसोपा ने बांधी गांठ, पिछड़ा पावे सौ में साठ', यह वही नारा है, जिसके सहारे जब नायक कर्पूरी ठाकुर, लालू प्रसाद, शरद यादव, नीतीश कुमार ने अपनी अपनी राजनीति की फसल काटी।

सत्ता की लड़ाई में भाजपा ने भी अपनी नीतियां बदली और सॉफ्ट समाजवादी नेताओं के साथ नई राजनीति की और कदम बढ़ाया। इस राजनीति के तहत पूर्व प्रधानमंत्री अटक बिहारी वाजपेयी ने समाजवादी नेता नीतीश कुमार पर भरोसा किया। और तब लालू प्रसाद की सत्ता को न केवल चुनौती दी, बल्कि सत्ता की बागडोर भी थामी।

बदलती सामाजिक स्थिति में सत्ता का समीकरण पिछड़ा अतिपिछड़ा के हाथ जा लगा। बीजेपी ने भी पिछड़ा की ताकत को समझा और उनके बीच पैठ बनानी शुरू की। यही वजह है कि पिछले कई वर्षों से भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष पिछड़ा से ही बनाया जा रहा है। मंगल पांडेय के बाद प्रदेश अध्यक्ष बनने वालों में नित्यानंद राय, डॉ संजय जायसवाल, सम्राट चौधरी और अब डॉ. दिलीप जायसवाल के हाथों बागडोर दे कर अपनी मंशा प्रगट कर दी।

आज इस राजनीत के सपोर्ट में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का नारा बिहार विधान चुनाव 2025 के लिए स्पष्ट संकेत है। अब जनता इन संकेतों को कितना समझती है, देखना शेष है।

पाल की रसुवा जेल से अंडरवर्ल्ड डॉन उदय सेठी फरार

किडनैपिंग में काट रहा था 32 साल की सजा

अररिया (एजेंसियां)। नेपाल में जेन की आंदोलन के चलते काफी उथल-पुथल मची हुई है। प्रदर्शनकारियों ने नेपाल के कई जिलों पर हमला कर दिया। जेल को प्रदर्शनकारियों ने तोड़ दिया। जेल ब्रेक के बाद करीब 3000 हजार से ज्यादा कैदी फरार हो गए। इस बीच नेपाल की जेल में बंद अंडरवर्ल्ड से ताल्लुकात रखने वाला खूंखार अपराधी उदय सेठी भी बाइक से फरार हो गया। कुख्यात अपराधी और भारत का नागरिक रह चुका उदय सेठी नेपाल की रसुवा जेल से फरार हो गया है। भागने के दौरान जेल के सुरक्षा अधिकारियों ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन अन्य कैदियों के प्रतिरोध के कारण वह भागने में सफल रहा। जैसे ही अंडरवर्ल्ड डॉन उदय सेठी के फरार होने की जानकारी बिहार के अररिया जिला प्रशासन को लगी, जिले में अलर्ट जारी कर दिया गया। भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी सतर्क है। भारत को ओर आने वाले हर शख्स को रोक कर पूछताछ की जा रही है।

अंडरवर्ल्ड डॉन उदय सेठी पर नेपाल में संगठित अपहरण का नेटवर्क फैलाने का आरोप है। वह उद्योगपतियों, डॉक्टरों और कारोबारियों का अपहरण कर फिरौती वसूलता था। अमर टंडन के साथ मिलकर उसने नेपाल में अपहरण का एक बड़ा गिरोह खड़ा किया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद नेपाल में अपहरण की घटनाओं में कमी आई थी।

उदय सेठी पर नेपाल के नामी उद्योगपति ओंकार भट्टचन, पशुपति पेंट्स के महेश मुरारका, शिव सरावगी, सुमीत शेरचन, पवन अग्रवाल समेत कई लोगों के अपहरण का आरोप है। वह भारतीय नंबर से कॉल कर रंगदारी की मांग करता था। पैसे नहीं देने पर उसके साथी व्यापारी का अपहरण कर फिरौती वसूलते थे।

उदय सेठी को पहले नख्खु जेल में रखा गया था, लेकिन वहां भी उसने कारागार पर कब्जा जमाने की कोशिश की। इसके बाद उसे रसुवा जेल भेजा गया। नीरज छत्रपति अपहरण केस की जांच के दौरान उसे गिरफ्तार किया गया था और 12 अपहरणों के मामले में 32 साल की सजा सुनाई गई थी।

उदय सेठी के फरार होने के बाद नेपाल में अपहरण उद्योग के फिर से पनपने की आशंका जताई जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं और नेपाल-भारत सीमा पर नजर बढ़ा दी गई है।

भारत-नेपाल सीमा पर बड़ा ऑपरेशन गौर जेल के 5 फरार कैदी पकड़े गए

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। नेपाल में जारी हिंसा और तनाव के बीच रौतहट जिले के गौर जेल से फरार हुए पांच कैदियों को भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी ने धर दबोचा। पकड़े गए सभी कैदी नेपाल के ही निवासी बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, मोतिहारी के कुंडवा चैनपुर बॉर्डर पर तैनात एसएसबी की टीम ने बुधवार दोपहर महुलिया बॉर्डर के पास जांच के दौरान इन कैदियों को पकड़ा। बताया जाता है कि नेपाल में जारी विद्रोह का फायदा उठाकर सभी आरोपी जेल तोड़कर भाग निकले थे।

एसएसबी की 20वीं बटालियन, सीतामढ़ी के कमांडेंट गिरीशचंद्र पांडेय ने पुष्टि की कि कुंडवा चैनपुर बटालियन ने ही इन कैदियों को गिरफ्तार किया था। पकड़े गए कैदियों की पहचान रौतहट जिले के गौर गढ़वा वार्ड नंबर-5 निवासी विश्वनाथ यादव, रवि यादव, राहुल राय यादव, चंद्रानिकाहपुर के सूरज राय और गरुवा निवासी राम विनोद प्रसाद के रूप में हुई है। पूछताछ के बाद सभी को कुंडवा चैनपुर थाना पुलिस को सौंप दिया गया। थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि आगे की प्रक्रिया पूरी करने के बाद सभी कैदियों को नेपाल की महुलिया पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

राहुल और तेजस्वी कितनी भी कोशिश कर लें बिहार के लोग गुमराह नहीं होंगे: पीयूष गोयल

पटना (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष हमें हराने का बहाना ढूंढ रहा है। उन्होंने राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान पीएम मोदी की मां के बारे में गलत बातें कहे जाने की घटना की निंदा की। उन्होंने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव से कहा कि चाहे आप कितना भी बोलें या गलत बातें करें, बिहार के लोग गुमराह नहीं होंगे। बिहार के लोग समझदार हैं।

गोयल ने कहा कि विपक्ष पूरी तरह से विफल हो गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव चाहे जितनी भी कोशिश कर लें, बिहार के लोग गुमराह नहीं होंगे। पीयूष गोयल ने पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बात कही। उन्होंने एनडीए सरकार की तारीफ की और जीएसटी सुधारों के बारे में भी बताया।

पीयूष गोयल ने राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान पीएम मोदी की मां के बारे में गलत बातें कहे जाने की निंदा की। यह विवाद एक वीडियो के वायरल होने के बाद शुरू हुआ था। वीडियो में वह घटना रिकार्ड है जो राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान दरभंगा में हुई थी। उसमें पीएम मोदी और उनकी दिवंगत मां के खिलाफ अपमानजनक बातें कही गई थीं। दरभंगा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच चल रही है।

पीयूष गोयल ने कहा कि नीतीश कुमार और पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार बिहार की सेवा करने के लिए तैयार है। उन्हें पूरा विश्वास है कि एनडीए बिहार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। पीयूष गोयल ने नए जीएसटी सुधारों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि चीजें सस्ती होने से मांग बढ़ेगी और इससे व्यापार में तेजी आएगी। उन्होंने कहा, 'हाल ही में केंद्र सरकार ने जीएसटी में बड़ा बदलाव करके लगभग हर रोजमर्रा की चीज को सस्ता करने का काम किया है। टूथपेस्ट, तेल, कपड़े, घड़ियां, जूते और स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए स्टेशनरी सब कुछ सस्ता हो गया है। कई चीजों को 0% जीएसटी पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और बीमा सुविधाओं में जीएसटी स्लैब हैं। उन्होंने कहा कि आज, रेफ्रिजरेटर, टीवी और एसी जैसी सभी चीजों को घरों में सस्ता करके, लोगों के जीवन में एक नया उत्साह लाया गया है; अच्छी चीजों के लिए उत्साह। जैसे-जैसे चीजें सस्ती होंगी, मांग बढ़ेगी, तो व्यापार बढ़ेगा। गोयल ने आगे कहा कि जीएसटी स्लैब के कारण लोगों को अधिक रोजगार के अवसर मिलेंगे। सस्ते उत्पादों की उपलब्धता से उनकी मांग बढ़ेगी, जिससे उद्योग का विस्तार होगा।

गोयल ने कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने लाखों लोगों को नौकरियां दी हैं। मेरा मानना है कि भारत तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है, और जो कुछ भी हो रहा है वह सकारात्मक सोच का परिणाम है। पीएम मोदी और सीएम नीतीश जी के नेतृत्व में बिहार प्रगति कर रहा है, देश प्रगति कर रहा है।

नेपाल में कर्फ्यू का असर

भारत-नेपाल सीमा पर सैकड़ों लोग फंसे, सुरक्षा बलों ने कड़ी की निगरानी

मोतिहारी (एजेंसियां)। नेपाल में उपद्रव और हालात बिगड़ने के बाद वहां की रक्षा मंत्रालय ने सेना की मदद से पूरे देश में कर्फ्यू लागू कर दिया है। इसका सीधा असर भारत-नेपाल सीमा पर देखने को मिल रहा है। भारतीय सुरक्षा बल ने सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है और बॉर्डर से लोगों के आवागमन पर रोक लगा दी गई है। जानकारी के अनुसार, झरौखर बॉर्डर पर बुधवार शाम तक दोनों देशों के सैकड़ों लोग फंसे रहे। इनमें ज्यादातर नेपाली नागरिक हैं, जो दिल्ली, पटना या मोतिहारी से काम या इलाज करवाकर लौट रहे थे। नेपाल के रौतहट जिला निवासी विजय यादव ने बताया कि वे दिल्ली से घर लौट रहे थे लेकिन सुबह से ही बॉर्डर पर फंसे हैं। इसी तरह, गंगानगर निवासी राम लोचन प्रसाद और रौतहट निवासी राम शरण यादव ने भी सुरक्षा बलों द्वारा रोके जाने की बात कही।

भारतीय युवकों ने भी बताया कि उन्हें नेपाली क्षेत्र से भारतीय सीमा में प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है। हालांकि, एसएसबी अधिकारियों का कहना है कि सीमा पूरी तरह से सील नहीं की गई है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था को सख्त किया गया है। सभी पोस्टों पर अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है और नेपाल में जारी हालात के बारे में लोगों को जानकारी दी जा रही है।

नकली आयकर अफसर बनकर बदमाशों ने उड़ाए लाखों के गहने

स्वर्ण व्यवसायी बने शिकार

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले के बेनीबाद थाना क्षेत्र के बेनीबाद बाजार हाट के पास एक स्वर्ण व्यवसायी के घर में बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है।

बताया जा रहा है कि चार से पाँच की संख्या में आए बदमाश खुद को इनकम टैक्स अधिकारी बताकर घर में घुसे और अलमीरा की चाभी लेकर उसमें रखे लाखों रुपये के आभूषण और नकदी लेकर फरार हो गए।

जानकारी के मुताबिक, घटना के दौरान बदमाशों ने घर के सभी सदस्यों के मोबाइल और सामान जब्त कर लिए और करीब 15 मिनट तक तलाशी के नाम पर अलमारी और पेटी खंगालते रहे। परिवार के लोग इस दौरान डरे-सहमे रहे और बदमाश आराम से निकल गए।

बाद में गृहस्वामी को एहसास हुआ कि आयकर अधिकारी बनकर आए लोग दरअसल बदमाश थे।

पीड़ित स्वर्ण व्यवसायी गौरी साह ने बताया कि उनका बेनीबाद बाजार में ज्वेलरी शॉप है। सोमवार को कुछ लोग आए और खुद को आयकर विभाग का अधिकारी बताते हुए घर में घुस गए। उन्होंने परिवार के मोबाइल जब्त किए और फिर अलमारी व पेटी से गहने और नकदी निकालकर जांच के बहाने चलते बने।

उधर, मामले की सूचना मिलते ही पुलिस जांच में जुट गई है। बेनीबाद थाना प्रभारी साकेत शार्दुल ने बताया कि अज्ञात बदमाशों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज में कुछ संदिग्ध लोगों को आते-जाते देखा गया है। आवेदन मिलने के बाद मामले की गहन जांच की जा रही है।

बिहार के विकास का सपना पूरा कर रहे पीएम मोदी और नीतीश कुमार : बीजेपी

पटना (एजेंसियां)। बीजेपी की बिहार इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने गुरुवार को कहा कि केंद्र सरकार ने बिहार को दो बड़े तोहफे दिए हैं। एक तोहफा सड़क के लिए है और दूसरा रेल मार्ग के लिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने बिहार को सड़क और रेल मार्ग की सौगात दी है। सरकार ने सड़क निर्माण के लिए 4,447 करोड़ रुपये दिए हैं। इसके साथ ही, 3,169 करोड़ रुपये की लागत से 177 किलोमीटर लंबी डबल-लेन रेलवे लाइन बनेगी। कैबिनेट कमेटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स ने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट सिंगल रेलवे लाइन सेक्शन (177 किमी) को डबल करने की मंजूरी दी है।

दिलीप जायसवाल ने कहा कि पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार बिहार के विकास का सपना पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का विजन है कि एक नया भारत बने। इससे क्षेत्र के लोग 'आत्मनिर्भर' बनेंगे। क्षेत्र में विकास होगा और लोगों को रोजगार मिलेगा।

सरकार भारत को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रही है। इसके लिए कई योजनाएं बनाई जा रही हैं। पीएम-गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान भी बनाया गया है। इससे अलग-अलग तरह के यातायात को बेहतर बनाया जाएगा। सामान और लोगों को लाने-ले जाने में आसानी होगी।

यह प्रोजेक्ट बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के पांच जिलों में फैला है। इससे इंडियन रेलवे का नेटवर्क 177 किलोमीटर तक बढ़ जाएगा। यह रेल लाइन कई प्रसिद्ध जगहों को जोड़ेगी। इनमें देवघर (बाबा बैद्यनाथ धाम) और तारापीठ (शक्ति पीठ) शामिल हैं। इससे इन तीर्थ स्थलों पर आने वाले यात्रियों को सुविधा होगी।

सरकार का कहना है कि रेलवे लाइन को डबल करने से कई फायदे होंगे। इससे ट्रेनें आसानी से चल सकेंगी। रेलवे की सेवाएं बेहतर होंगी। रेलवे लाइन पर भीड़ कम होगी। यह भारत के सबसे व्यस्त रेलवे मार्गों में से एक है। इस पर विकास करना बहुत जरूरी है।

सरकार का कहना है कि यह प्रोजेक्ट पीएम मोदी के 'न्यू इंडिया' के सपने को पूरा करेगा। इससे लोगों को रोजगार मिलेगा और वे आत्मनिर्भर बनेंगे। सरकार अलग-अलग विभागों के साथ मिलकर काम कर रही है। इससे यातायात को बेहतर बनाया जा सकेगा। लोगों और सामान को आसानी से लाया-ले जाया जा सकेगा।

यह प्रोजेक्ट बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के पांच जिलों में फैला हुआ है। इससे रेलवे का नेटवर्क 177 किलोमीटर तक बढ़ जाएगा। यह रेल लाइन देवघर और तारापीठ जैसे तीर्थ स्थलों को भी जोड़ेगी। इससे इन जगहों पर आने वाले यात्रियों को बहुत सुविधा होगी। इस प्रोजेक्ट से बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के लोगों को बहुत फायदा होगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com